आज का मौसम
30.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.01
सूर्यास्त 06.35

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया 12:00 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2083

रविवार, 5 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 57, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ असली अपराधी बच निकले, निर्दोषों को परेशान कर रही एनआईए : ममता बनर्जी - 11

■ ईंधन पर्याप्त : 46 हजार टन एलपीजी लेकर होर्मुज के पार आया ग्रीन सानवी - 12

■ भारत वैश्विक संकट के बीच में मजबूती से उभरा और इसका डटकर मुकाबला किया : जयशंकर - 13

■ गेंदबाजों के कमाल और रिजवी की पारी से दिल्ली ने मुंबई को हराया - 14

# ईरान के बुशहर न्यूक्लियर प्लांट के पास हमला ट्रंप बोले-2 दिन में होर्मुज खोलो या झेलो तबाही

## ईरानी विदेश मंत्री अराघची बोले- रेडिएशन फैला तो खाड़ी देशों पर भी होगा खतरा

काहिरा, एजेंसी

पश्चिम एशिया जंग जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसका खतरा और दायरा भी बढ़ता जा रहा है। ईरान के बुशहर परमाणु प्लांट पर शनिवार को हमला हुआ। प्लांट के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरा, जिसमें एक गार्ड की मौत हो गई और इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। ईरान के परमाणु प्लांट पर हुए इस हमले से रेडिएशन का भी खतरा बढ़ गया है। युद्ध के दौरान इस संयंत्र को चौथी बार निशाना बनाया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई छह अप्रैल की समय सीमा की याद दिलाते हुए कहा कि इसका पालन नहीं करने पर उसे विनाशकारी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। वहीं, बुशहर परमाणु प्लांट पर हुए हमले के बाद रेडियोएक्टिव रिसाव के खतरे को लेकर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर रेडियोएक्टिव रिसाव हुआ तो इसका असर केवल तेहरान तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि जीसीसी देशों की राजधानियों पर पड़ेगा। अराघची ने अमेरिकी मीडिया पर शांति वार्ता को लेकर ईरान के रुख को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया।

ईरान द्वारा अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद लापता हुए पायलट की तलाश अमेरिका ने शनिवार को तेज कर दी। ईरान ने भी लोगों से पायलट के बारे में जानकारी देने का आह्वान किया और इनाम का वादा किया। ईरान ने अमेरिका के 'एफ-15ई स्ट्राइक ईगल' नामक लड़ाकू विमान सहित दो विमानों को शुक्रवार को मार गिराने का दावा किया था। इस दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी को बचा लिया गया और कम से कम एक पायलट अब भी लापता है। विदेश में रहकर ईरान के इस्लामी शासन के खिलाफ मुखर तरीके से आवाज उठाने वाले कई लोगों ने बताया है कि युद्ध के बीच उनके देश की सरकार निर्वासित नेताओं के परिवार के सदस्यों को हिरासत में ले रही है और उनकी संपत्ति जब्त करने की धमकी दे रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'याद है जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था। समय तेजी से बीत रहा है, 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।

- परमाणु संयंत्र प्लांट में तैनात एक कर्मचारी की मौत, इमरत ध्वस्त
- ईरान ने दो अमेरिकी विमानों को गिराया, एक पायलट लापता
- मुखर ईरानियों ने देश में परिजनों को बंधक बनाए जाने का लगाया आरोप

### ईरान से 345 मछुआरे आर्मेनिया के रास्ते चेन्नई पहुंचे

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच ईरान में फंसे 345 भारतीय मछुआरों का एक समूह शनिवार शाम को आर्मेनिया के रास्ते भारत लौट आया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय नागरिकों की वापसी में सहायता के लिए आर्मेनिया के अपने समकक्ष अरारत मिर्जोयान का आभार जताया। ये लोग क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण पश्चिम एशियाई देश में फंसे हुए थे। एक महीने पहले शुरू हुई जंग के बाद से अब तक 1,150 से अधिक भारतीय नागरिकों ने आर्मेनिया और अजरबैजान के जमीनी रास्ते से ईरान छोड़ा है। विदेश मंत्रालय पश्चिम एशिया में उत्पन्न हालात पर लगातार नजर रख रहा है और भारतीय समुदाय की सुरक्षा, संरक्षा तथा कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

### बहरीन ने होर्मुज स्ट्रेट खुलवाने के प्रस्ताव पर मतदान स्थगित किया

**दुबई।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इस माह की अध्यक्षता संभाल रहे खाड़ी देश बहरीन ने उस प्रस्ताव पर मतदान टाल दिया, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और उस पर ईरान के प्रभुत्व को खत्म करना था। हालांकि, रूस और चीन के कड़े विरोध के कारण पहले ही इस प्रस्ताव की प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे थे। परिषद की बैठकें गोपनीय होने के कारण नाम न उजागर करने की शर्त पर राजनयिकों ने बताया कि अब इस प्रस्ताव पर मतदान अगले सप्ताह कराया जाएगा।

# कांग्रेस के भड़काऊ बयानों से खाड़ी देशों में भारतीयों की जान को खतरा

तिरुवल्ला (केरल), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव पैदा करने के उद्देश्य से भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया, ताकि उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाया जा सके और इस तरह राजनीतिक फायदा प्राप्त किया जा सके। कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे केवल चुनाव जीतने के बारे में ही चिंतित हैं।

मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की रैली में कहा, मैं यह बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन भारतीयों की सुरक्षा, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में रहने वाले केरल के लोगों की सुरक्षा, मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मैं इसे सुनिश्चित करूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि खाड़ी देशों में काम करने और रहने वाले केरल के लाखों लोगों के अलावा, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण गोवा, तमिलनाडु और अन्य राज्यों के मछुआरे ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में फंसे हुए हैं। मोदी ने कहा, हम उन्हें सुरक्षित वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को इसकी कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस ऐसे बयान दे रही है, जिनसे पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव पैदा होने का खतरा है और अनावश्यक दहशत फैलाई जा रही है।

यह सब सिर्फ मुझ पर राजनीतिक हमले करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, उन्हें सिर्फ राजनीति और सत्ता की परवाह है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस को भारत की जनता की कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस ने केरल की जनता के भरोसे को तोड़ दिया है। उन्हें जनता और देश से माफी मांगनी चाहिए। रैली में अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों की मानसिकता को उजागर कर दिया है।

- प्रधानमंत्री मोदी बोले- पश्चिम एशिया को लेकर दिए गए बयानों पर कांग्रेस को जनता और देश से मांगनी चाहिए माफी

### गैरजिम्मेदाराना बयान देने का यह समय नहीं

मोदी ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेताओं से कई बार कहा है कि इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान देने का यह समय नहीं है, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लाखों भारतीय भाइयों और बहनों की सुरक्षा भारत की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, केरल के लाखों निवासी इस क्षेत्र में काम करते हैं, फिर भी कांग्रेस नेताओं के गैरजिम्मेदाराना बयान उनकी सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। मैं कांग्रेस नेताओं से आग्रह करता हूं कि वे ऐसे बयान देने से बचें, जिनसे पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की जान को खतरा हो सकता है। हमारी सरकार के खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध ही इन कठिन समय में हमारे लोगों की रक्षा करने में मददगार साबित हो रहे हैं।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, **अपराध से आदर्श मार्ग पर मुड़ते कारागार के कैदी** व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

## ब्रीफ न्यूज

### भारत में बनेंगे 10 टन के हवाई बम

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए एमके-84 के समान 1000 किलोग्राम वजनी हवाई बम के स्वदेशी डिजाइन और विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में भारत की 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देना है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के दो चरण होंगे। पहले चरण में छह प्रोटोटाइप (सक्रिय और निष्क्रिय) का डिजाइन और विकास शामिल है, जिसमें संबंधित टेल यूनिट और उपकरण भी शामिल हैं। दूसरा चरण खरीद का है, जो योग्य विकास एजेंसियों को प्रस्ताव के लिए वाणिज्यिक अनुरोध (आरएफपी) जारी करने के साथ शुरू होगा।

# आंधी-बारिश से कई जिलों में भारी नुकसान, 6 की गई जान

कानपुर में विशाल पेड़ उखड़कर ऑटो पर गिर गया। अमृत विचार

- पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम खराब, गेहूं और सरसों की फसल को भारी नुकसान
- कानपुर में 3, सीतापुर में 2 और मथुरा में 1 की मौत, फतेहपुर सीकरी में मकान गिरने से सात लोग घायल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रदेश में शनिवार को आए तेज आंधी-तूफान, बारिश व ओलावृष्टि ने तबाही मचाई। कानपुर के काकादेव में आटो पर पेड़ गिरने से चालक और एक महिला की मौत हो गई। गुजैनी में जलभराव में बाइक फिसलने से एक युवक की जान चली गई। सीतापुर के चलाकापुर गांव में मां व बेटी की मौत हो गई, जबकि पोती माही गंभीर है। वहीं मथुरा में हाईटेंशन लाइन टूटकर जमीन पर गिर गई, जिसकी चपेट में आकर बाइक सवार बिजली मिस्त्री की मौत हो गई।

मौसम विभाग के अनुसार, मध्य यूपी समेत प्रदेश के लगभग आधे हिस्से में बारिश हुई। मथुरा में तेज आंधी के चलते बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। वहीं, फतेहपुर सीकरी में मकान गिरने से सात लोग घायल हो गए। आगरा, मथुरा, कानपुर-बुंदेलखंड और जालौन समेत कई जिलों में गेहूं और सरसों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। लखनऊ में आम की फसल को करीब 15 प्रतिशत नुकसान पहुंचा है। कानपुर में शाम 5 बजे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं तेज हवाओं ने होर्डिंग, पोल, पेड़ सहित अन्य को क्षतिग्रस्त कर दिया। जोरदार आंधी के साथ मूसलाधार बारिश और ओले गिरे।

### मुख्यमंत्री ने दिए 24 घंटे में मुआवजा देने के निर्देश

**लखनऊ।** प्रदेश में शनिवार को हो रही असमय बारिश से प्रभावित किसानों को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे तुरंत प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर फसलों के नुकसान का आकलन करें और किसानों को यथाशीघ्र राहत दिलाएं। उन्होंने कहा कि जनहानि, पशुहानि और घायलों को हर हाल में 24 घंटे के भीतर मुआवजा दिया जाए। सीएम योगी ने प्रमुख सचिव (कृषि) और राहत आयुक्त को भी निर्देशित किया। जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है वे 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

# कार के कुएं में गिरने से एक ही परिवार के 9 लोगों की गई जान

**नासिक।** महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी कस्बे के शिवाजी नगर इलाके में हुई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना में बच्चों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्रों में खुले कुओं की तत्काल सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी लोग इलाके में एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार कार्यक्रम स्थल के पास ही स्थित एक कुएं में गिर गई। नासिक के जिलाधिकारी को घटना की जांच करने और जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है।

- नासिक में हुआ हादसा, जान गंवाने वालों में छह बच्चे जांच के आदेश

## बर्फबारी

मनाली के रोहतांग स्थित अटल सुरंग के दक्षिणी पोर्टल पर भारी हिमपात के कारण लगभग 1000 वाहन और 5000 से अधिक पर्यटक बर्फ में फंस गए। ● एजेंसी

# वैध पहचान पत्र दिखाकर मिलेगा 5 किलो का सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने प्रवासी मजदूरों और छात्रों को राहत देते हुए उनकी रसोई गैस की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कहा है कि वे वैध पहचान पत्र दिखाकर एलपीजी वितरक से सिलेंडर ले सकते हैं इसके लिए उनके पास पते का प्रमाण पत्र होना जरूरी नहीं है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के मद्देनर सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, और लोग पेट्रोल और डीजल की घबराहट में खरीदारी तथा एलपीजी की अनावश्यक बुकिंग से बचें। पीएनजी को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है और पिछले महीने से अब तक 3.5 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शनों में गैस आपूर्ति शुरू की गई है। सोमवार से उर्वरक संयंत्रों को गैस आपूर्ति छह माह की औसत खपत के 90 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से एलपीजी जमाखोरी और काला बाजारी पर कार्रवाई जारी है और शुक्रवार को 3700 से अधिक छापे मारे गए। वहीं, समुद्री जहाज ग्रीन सानवी 46,650 टन एलपीजी कार्गो लेकर होर्मुज पार कर चुका है।

- सरकार ने कहा- देश में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार
- प्रवासी मजदूरों और छात्रों को राहत के लिए उठाया कदम

### एलपीजी वितरकों पर किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं

सरकार का कहना है कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण एलपीजी आपूर्ति प्रभावित हुई है इसके बावजूद, एलपीजी वितरकों पर किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं है। शुक्रवार को लगभग 51 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। सरकार ने संकट-पूर्व स्तर के 70 प्रतिशत तक कुल वाणिज्यिक आवंटन करने का निर्णय लिया है, जिसमें 10 प्रतिशत सुधार आधारित आवंटन शामिल है। शुक्रवार को 71,000 से अधिक 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे गए और अब तक 5 .7 लाख 5 किग्रा एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। पांच किग्रा सिलेंडर निकटतम एलपीजी वितरकों के पास उपलब्ध हैं और किसी भी वैध पहचान पत्र के जरिये खरीदे जा सकते हैं।

# 'विकसित यूपी@2047' विजन के तहत शहरी क्षेत्रों के विकास का रोडमैप तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** उप्र. के दीर्घकालिक विकास के लिए 'विकसित यूपी@2047' विजन के अनुरूप शहरी क्षेत्रों के विकास का रोडमैप तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के शहरों को आत्मनिर्भर, समावेशी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनाना है।

रोडमैप के तहत शहरों में 'लिवेबल सिटीज मिशन' लागू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत नागरिकों को घर से केवल 15 मिनट की दूरी पर स्वास्थ्य, शिक्षा, बाजार जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना लक्ष्य है। इससे जीवन स्तर में सुधार होगा और समय व ऊर्जा की बचत होगी। लखनऊ को राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही प्रदेश में क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जो निवेश और रोजगार के प्रमुख हब के रूप में काम करेंगे। मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें मेट्रो, रैपिड रेल, इलेक्ट्रिक बसें और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली शामिल होगी।

- लागू होगा 'लिवेबल सिटीज मिशन' घर से 15 मिनट की दूरी पर सभी आवश्यक सुविधाएं जुटाने का लक्ष्य
- यूपी में होगा आत्मनिर्भर, समावेशी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी शहरों का विकास

### पर्यावरण संरक्षण और 'स्पंज सिटी' पहल

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 'स्पंज सिटी' पहल को बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनरुद्धार और प्राकृतिक जल निकासी तंत्र का संरक्षण शामिल है। साथ ही अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर शून्य-लैंडफिल शहरों का लक्ष्य पूरा किया जाएगा।आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के लिए आवास योजनाओं को तेज किया जाएगा। मिश्रित भूमि उपयोग और योजनाबद्ध शहरीकरण के माध्यम से सभी वर्गों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित किया जाएगा।

**जागरूकता** — वाराणसी में मुख्यमंत्री ने शुरू किया 'स्कूल चलो अभियान', स्कूली बच्चों से किया संवाद

# भविष्य गढ़ने की जिम्मेदारी ईश्वर ने सिर्फ शिक्षकों को दी : योगी

- वर्ष 2017 के पहले ड्रॉप आउट रेट 19 फीसदी था, अब यह महज तीन फीसदी रह गया

राज्य ब्यूरो,लखनऊ/वाराणसी

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय, शिवपुर (वरुणापार जोन) से नए शैक्षणिक सत्र के लिए 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ किया। उन्होंने समाज के हर वर्ग-शिक्षकों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से आह्वान किया कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से छूटने न पाए।

योगी ने कहा कि शिक्षा सबसे पवित्र कार्य है और हर बच्चे को शिक्षित करना समाज व राष्ट्र की समृद्धि के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जब एक बच्चा साक्षर होता है, तो समाज सशक्त और राष्ट्र समृद्ध होता है, जबकि निरक्षरता गरीबी और पिछड़ेपन को जन्म देती है। भविष्य गढ़ने की जिम्मेदारी ईश्वर ने केवल शिक्षकों को दी है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का आधार है। पिछले नौ वर्षों में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में लगभग 60 लाख नए बच्चों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले ड्रॉपआउट दर 19 प्रतिशत थी, जो अब घटकर मात्र तीन प्रतिशत रह गई है। लक्ष्य इसे शून्य तक लाना है।

**वाराणसी :** स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ अवसर पर एक बच्ची को स्कूल बैग, किताब व उपहार देते मुख्यमंत्री योगी।

### 'घर-घर दस्तक' का आह्वान

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से एक से 15 अप्रैल तक 'स्कूल चलो अभियान' के तहत घर-घर जाकर बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यालय खुलने से पहले गांव-मोहल्लों में जाकर अभिभावकों से संवाद करें और सुनिश्चित करें कि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। योगी ने कहा कि राज्य सरकार अब स्कूली शिक्षा पर 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है। इस धनराशि का प्रभाव भी दिखाई देना चाहिए। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 1.36 लाख से अधिक विद्यालयों को बुनियादी सुविधाओं से लैस किया गया है, जिसकी सराहना नीति आयोग ने भी की है।

### बदली स्कूलों की तस्वीर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले विद्यालयों में शौचालय, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव था, जिसके कारण बच्चे स्कूल नहीं जाते थे। अब सभी विद्यालयों में इन सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। साथ ही बच्चों को यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, बैग और किताबें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। सीएम ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार और चरित्र निर्माण का आधार है। उन्होंने चित्रकूट के जिलाधिकारी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने बच्चे का प्रवेश आंगनबाड़ी केंद्र में कराया, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

वाराणसी :' स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत के मौके पर बच्चों को मिड डे मील परोसते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

# योगी ने परोसा मिड डे मील, बच्चों से बोले- रोज स्कूल आना

## मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्कूल बैग, पाठ्य पुस्तकें व उपहार दिए, वाराणसी के पांच निपुण विद्यालय पुरस्कृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

**अमृत विचार :** योगी आदित्यनाथ ने 'स्कूल चलो अभियान' के शुभारंभ अवसर पर शनिवार को शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में बच्चों के बीच पहुंचकर मिड-डे मील परोसा और उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री के आत्मीय व्यवहार से बच्चे उत्साहित दिखे और मुस्कुराते हुए उनका अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसते हुए कहा कि वे प्रतिदिन स्कूल आएं और मन लगाकर पढ़ाई करें। बच्चों ने भी सिर हिलाकर उनकी बात का समर्थन किया और मासूमियत से हाथ जोड़कर प्रणाम किया। इस दौरान उनके साथ मौजूद मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने भी बच्चों को भोजन परोसने में सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए बच्चों को स्कूल बैग, पाठ्य पुस्तकें, किट, उपहार और चॉकलेट वितरित किए। मंच पर विभिन्न कक्षाओं के चयनित छात्र-छात्राओं को ये सामग्री प्रदान की गई। बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी और उनकी सहज मुस्कान ने कार्यक्रम को भावनात्मक स्पर्श दिया।

सीएम योगी ने जिले के पांच निपुण विद्यालयों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच निपुण विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देना और अन्य विद्यालयों व विद्यार्थियों को प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों ने 'शैक्षिक नवाचार एवं उपलब्धियां' पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही 'स्कूल चलो अभियान' पर आधारित एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें शिक्षा के महत्व और सरकारी प्रयासों को दर्शाया गया।

### काशी कोतवाल और बाबा विश्वनाथ के किए दर्शन

अमृत विचार, लखनऊ/वाराणसी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह 'काशी कोतवाल' के रूप में विख्यात काल भैरव के दरबार में माथा टेका। तत्पश्चात वे श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां गर्भगृह में प्रवेश कर उन्होंने लोकमंगल की कामना के साथ षोडशोपचार पूजन-अभिषेक और आरती भी की। दर्शन के बाद मुख्यमंत्री ने आसपास के दुकानदारों और बच्चों से भी संवाद किया और उनका कुशलक्षेम जाना। बच्चों को उन्होंने उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, अनिल राजभर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, राज्य मंत्री संदीप सिंह तथा विधायक नीलकंठ तिवारी, सुशील सिंह और अवधेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी दर्शन-पूजन किया।

## न्यूज ब्रीफ

### पॉलीटेक्निक संस्थानों में प्रवेश शुरू, आवेदन 30 तक मांगे

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश के पॉलीटेक्निक संस्थानों में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए सत्र 2026-27 में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन www.jeecup.admissions.nic.in पर कर सकते हैं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उप्र. के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 300 रुपये है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क 200 रुपये निर्धारित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 है। प्रवेश के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे, अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदन मान्य नहीं होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी परिषद की वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की सहायता के लिए दूरभाष नंबर 0522-2630106, 2630695, 2630667, 2636589 पर संपर्क किया जा सकता है।

### यूपीईएसएससी की परिचर्चा में मिशन कर्मयोगी पर जोर

**अमृत विचार, प्रयागराज/लखनऊ :** उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज (यूपीईएसएससी) के 'साधना सप्ताह' में परिचर्चा के दौरान अधिकारियों ने संकल्प लिया कि निर्धारित समय-सीमा में अधिक से अधिक पाठ्यक्रम पूरा करेंगे। 2 से 8 अप्रैल तक आयोजित साधना सप्ताह में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को न्यूनतम 4 घंटे के पाठ्यक्रम पूर्ण करना अनिवार्य है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार के नेतृत्व में शनिवार को 'साधना सप्ताह' के दौरान अधिकारी और कर्मचारी परिचर्चा कर रहे थे। साधना सप्ताह में एआई से संबंधित तीन पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले अधिकारी 'एआई दक्षता बैज' और आईजीओटी मार्केटप्लेस के कम से कम एक पाठ्यक्रम पूरा करने पर 'कर्मयोगी उत्कर्ष बैज' प्राप्त करेंगे। परिचर्चा में मिशन कर्मयोगी के माध्यम से डिजिटल दक्षता, कार्य कुशलता और कौशल उन्नयन पर विशेष जोर दिया गया। आयोग ने यह भी घोषणा की कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी कार्मिकों की दक्षता और क्षमता को मजबूत बनाकर प्रदेश के प्रशासनिक सुधार में योगदान देना है।

### ओडीओपी योजना से आत्मनिर्भर बन रहे युवा

**अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत 'एक जनपद-एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना युवाओं के लिए अवसरों का मजबूत आधार बनकर उभरी है। जिला इटावा के रामगंज निवासी जैनुल आबदीन ने इस योजना के माध्यम से अपने फैशन और टेक्सटाइल कारोबार की नींव रखी। जैनुल को वर्ष 2025 में जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 10 लाख रुपये का ऋण मिला । इसके सहारे उन्होंने मैक्सी और कुर्ती जैसे परिधानों का निर्माण शुरू किया। आज उनकी यूनिट से हर महीने लगभग 50 हजार रुपये की शुद्ध आमदनी हो रही है। जैनुल ने खुद के अलावा 4 से 6 अन्य लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराया। ओडीओपी योजना के तहत प्रति जिले की विशिष्ट ओडीओपी इकाइयों को 6.25 लाख से 20 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी सहायता दी जाती है।

# आतंकियों की पुलिस रिमांड मंजूर

## साजिश नाकाम करते हुए एटीएस ने चार आरोपियों को लखनऊ से किया था गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

साकित उर्फ डेविल

लोकेश उर्फ पपला

विकास गहलावत उर्फ रौनक

अरबाब

- देश के प्रमुख स्थानों, रेलवे ट्रैक के सिग्नल बॉक्स और वाहनों को उड़ाने की रच रहे थे साजिश

**अमृत विचार:** एटीएस ने गुरुवार देर रात को चार आतंकियों को लखनऊ के चारबाग स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आतंकी साकिब उर्फ डेविल, अरबाब, गौतमबुद्धनगर छपरौला स्थित राम विहार का विकाश गहलावत उर्फ रौनक और लोकेश उर्फ पपला पंडित उर्फ बाबू उर्फ संजू मेरठ और गौतमबुद्धनगर के रहने वाले हैं। चारों ने पाकिस्तानी हैंडलर्स के निर्देश पर देश के प्रमुख स्थानों रेलवे स्टेशनों, रेलवे ट्रैक पर लगे सिग्नल बॉक्स व वाहनों को उड़ाने की साजिश रची थी। एटीएस ने चारों से पूछताछ के लिए कोर्ट में पुलिस कस्टडी रिमांड डाली थी। जिस पर सुनवाई करते हुए एटीएस के न्यायाधीश जैनेंद्र कुमार पांडेय ने पांच दिन की रिमांड मंजूर कर दी है। एटीएस आरोपियों को रविवार 5 अप्रैल की सुबह 10 बजे से 9 अप्रैल की शाम छह बजे तक पूछताछ कर सकेगी।

एटीएस ने आरोपियों से पूछताछ के लिए कोर्ट में दस दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड की अर्जी डाली थी। कोर्ट ने सुनवाई के लिए शनिवार की तारीख दी थी। शनिवार को आरोपियों को जेल से कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के बाद रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली गई। एटीएस के मुताबिक, कुछ भारतीय व्यक्तियों का एक गिरोह है, जो पाकिस्तानी हैंडलरों के लगातार संपर्क में है। पूरा गिरोह सोशल मीडिया पर संचालित हो रहा है। इसी के माध्यम से देश विरोधी गतिविधियों को संचालित की जा रही है। साथ ही प्रमुख भवनों एवं राजनैतिक व्यक्तियों की रेकी कर उनकी डिटेल जुटा रही है। इसके बाद सभी जानकारी पाकिस्तानी हैंडलरों को उपलब्ध कराना है। एटीएस ने कोर्ट के सामने आरोपियों के पास से मिले इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का डाटा परीक्षण कराने, किन स्थानों की रेकी की गई है। इस बारे में जानकारी हासिल करना है। साथ ही आरोपियों के बैंक खातों की जांच की जाएगी। रेकी किये गये स्थानों को चिह्नित किया जाएगा। उनके सुरक्षा के बंदोबस्त किये जाएंगे।

# स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ता भी किस्तों में जमा कर सकेंगे बकाया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नियामक आयोग कर रहा मंथन जल्द ले सकता है फैसला

**अमृत विचार:** स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को जल्द राहत मिलने वाली है। अब उन्हें भी पोस्टपेड मीटर उपभोक्ताओं की तरह बकाया बिजली बिल किस्तों में जमा करने की सुविधा मिल सकती है। इस प्रस्ताव पर नियामक आयोग स्तर पर मंथन चल रहा है और जल्द ही इस पर फैसला लिया जा सकता है।

प्रदेश में वर्तमान में 56 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ता हैं, जिनमें बड़ी संख्या बकायेदारों की है। यदि आयोग यह सुविधा लागू करता है तो लाखों उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत मिल सकेगी। अभी तक पोस्टपेड मीटर उपभोक्ताओं को यह सुविधा मिल रही है कि वे कुल बकाया का 40 प्रतिशत जमा कर शेष राशि किस्तों में अदा कर सकते हैं। वहीं प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के लिए ऐसा कोई विकल्प नहीं है। मौजूदा व्यवस्था के तहत यदि प्रीपेड उपभोक्ता का कनेक्शन बकाया के कारण कट जाता है तो उसे पहले 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त जमा करनी पड़ती है, जिससे कनेक्शन केवल तीन दिन के लिए बहाल होता है। इसके बाद शेष 50 प्रतिशत राशि भी तीन दिन के भीतर जमा करनी होती है। इस मुद्दे को राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा उठाए जाने के बाद मामला तेजी से आगे बढ़ा है। सूत्रों के अनुसार, आयोग जल्द ही आदेश जारी कर सकता है, जिसमें प्रीपेड उपभोक्ताओं को भी 40 प्रतिशत भुगतान के बाद शेष राशि तीन किस्तों में जमा करने की सुविधा दी जा सकती है।

### प्रमुख समस्याएं

- रीडिंग का चेक मीटर से मिलान नहीं किया जा रहा
- आरोप, स्मार्ट मीटर पुराने मीटरों की तुलना में तेज चल रहे
- रिचार्ज के बावजूद कनेक्शन समय पर बहाल नहीं हो रहा
- रिचार्ज के बाद भी खाते में बैलेंस अपडेट नहीं दिखता
- बकायेदारों को किस्तों में भुगतान की सुविधा मौजूद नहीं

### स्मार्ट मीटरों पर जल्द आएगा विस्तृत आदेश

स्मार्ट मीटर से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर नियामक आयोग जल्द ही विस्तृत आदेश जारी कर सकता है। पश्चिमांचल, दक्षिणांचल, पूर्वांचल, मध्यांचल और एनपीसीएल के टैरिफ प्रस्तावों पर जनसुनवाई पूरी हो चुकी है। इन सुनवाइयों में स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्याएं प्रमुखता से उठाई गईं। अब ये सभी मुद्दे विचाराधीन हैं और संभावना है कि टैरिफ आदेश के साथ इन पर अलग से दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

महाराजगंज में पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत के मौके पर लगाई गई प्रदर्शनी देखते भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी।

# भाजपा में कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : चौधरी

राज्य ब्यूरो, महराजगंज/लखनऊ

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत

**अमृत विचार:** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति है, जो पार्टी की विचारधारा और सेवा भाव को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाता है।

प्रदेश अध्यक्ष शनिवार को महाराजगंज में अभियान शुरू करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व विकास का माध्यम है। भाजपा को अन्य दलों से अलग बताते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी "राष्ट्र प्रथम, संगठन सर्वोपरि और अंत्योदय" के सिद्धांतों पर कार्य करती है।

पंकज चौधरी ने कहा कि पार्टी की वैचारिक नींव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महापुरुषों ने रखी, जिनके विचार आज भी भाजपा की कार्यशैली का आधार हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विकास, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने धारा 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक समाप्ति, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं को बड़ी उपलब्धियां बताया।

# खेत में ड्रोन गिरने पर सपा ने सरकार को घेरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/इटावा

**अमृत विचार :** सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि युद्ध के माहौल में अचानक इटावा जिले के सैफई क्षेत्र के नंदपुर गांव में एक बड़ा ड्रोन गिरने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। ड्रोन गेहूं के खेत में गिरा, जिससे आसपास के लोग घबरा गए।

सपा प्रमुख ने शनिवार को सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर यह किसी सरकारी परीक्षण या प्रयोग का हिस्सा था तो नागरिकों को पहले से सूचना देनी चाहिए थी। चेताया कि यदि यह ड्रोन किसी बस्ती पर गिरता तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले की पूरी जांच की जाए और किसान को खेत में हुई आर्थिक हानि और मानसिक आघात का उचित मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा, भविष्य में ऐसे सभी परीक्षण केवल निर्जन क्षेत्रों में ही किए जाएं।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के तहत कोई भी परीक्षण सफल नहीं हो पाता। इस घटना ने स्थानीय किसानों और ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

# बाबू जगजीवन राम के विचार आज भी प्रासंगिक: मीरा कुमार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूर्व उप प्रधानमंत्री की जयंती की पूर्व संध्या पर गोष्ठी आयोजित

**अमृत विचार:** पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय और समता की मिसाल है। आज के दौर में जब समाज में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, तब उनके विचार हमें "पहले आप" की संस्कृति और समावेशी सोच की प्रेरणा देते हैं।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं बाबू जगजीवन राम की पुत्री मीरा कुमार शनिवार को उप्र. कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने छुआछूत और ऊंच-नीच की मानसिकता को समाज के लिए घातक बताते हुए इससे ऊपर उठने का आह्वान किया। गोष्ठी का विषय "समकालीन भारत में बाबू जगजीवन राम की प्रासंगिकताः सामाजिक न्याय और समावेशी विकास" रहा।

मुख्य वक्ता प्रो. रतन लाल, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि बाबू जगजीवन राम के आदर्शों पर चलते हुए कांग्रेस समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 2027 के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का विश्वास भी जताया।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते पीएल पूनिया, अजय राय, अविनाश पांडेय व अन्य।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबू जगजीवन राम के जीवन, सामाजिक योगदान और राजनीतिक विचारों पर प्रकाश डाला। इस दौरान उनके जीवन पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया और दो पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उपलब्धि | डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के 4 वर्ष पूरे

# नगर निकायों की मॉनिटरिंग में नई मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इंटीग्रेटेड अप्रोच से बदली नगर निकायों की व्यवस्था: एके शर्मा

**अमृत विचार :** नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) ने नगरीय सुविधाओं और स्वच्छता व्यवस्था की मॉनिटरिंग में नई मिसाल कायम की है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता रैंकिंग सुधारने में इस केंद्र की अहम भूमिका रही है और इंटीग्रेटेड अप्रोच के जरिए व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है।

डीसीसीसी के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को वर्चुअल बैठक हुई। उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद 4 अप्रैल 2022 को इस केंद्र की स्थापना की गई थी। तब से यह लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। मंत्री ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि डीसीसीसी ने नगर निकायों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई है। आने वाले समय में इसे और सशक्त बनाकर नागरिक सुविधाओं को बेहतर किया।

### 1533 हेल्पलाइन और 'संभव' पोर्टल बना सहारा

नगर विकास मंत्री ने बताया कि शुरुआत में हेल्पलाइन की सुविधा नहीं थी, लेकिन बाद में केंद्र सरकार के सहयोग से 1533 टोल फ्री नंबर शुरू किया गया। इसके साथ ही 'संभव' पोर्टल को भी लागू किया गया, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता और अधिकारी ऑनलाइन जुड़कर समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करते हैं।

### 3.63 लाख में से 3.62 लाख शिकायतों का समाधान

बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022 से अब तक कुल 3,63,510 शिकायतों के सापेक्ष 3,62,517 का निस्तारण किया जा चुका है। साथ ही करीब 7000 घंटे की लाइव मॉनिटरिंग भी की गई है, जो इस केंद्र की कार्यक्षमता को दर्शाता है।

### स्वच्छता अभियानों की निगरानी

डीसीसीसी के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों- "स्वच्छता ही सेवा", "क्लीन टॉयलेट अभियान", "स्वच्छ तीर्थ" और "प्लास्टिक उन्मूलन अभियान" आदि की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। मंत्री ने कहा कि जिन निकायों की रैंकिंग अभी भी नीचे है, उनके लिए विशेष रणनीति बनाकर सुधार किया जाए।

# विभागीय कार्यों का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करें : केशव मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- प्रदेश में ग्रामीण विकास के कार्यों की उप मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

**अमृत विचार :** उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डबल इंजन सरकार की सभी योजनाओं का पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मनरेगा के तहत मानव दिवसों का समय से सृजन, स्वयं सहायता समूहों का सक्रिय करना और 'लखपति दीदी' अभियान में प्रयागराज को अग्रणी बनाना आवश्यक बताया।

प्रयागराज में शनिवार को उप मुख्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने विकसित भारत- जी राम जी योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी सरल ढंग से जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया। केशव प्रसाद मौर्या ने विभागीय कार्यों की छोटी वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लाभार्थियों के चयन व तैयारियों को समय पर पूरा करने पर बल दिया।

उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आय वृद्धि पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई और कहा कि समन्वित प्रयास, मजबूत कार्ययोजना और प्रतिबद्धता के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रदेश के समग्र विकास को नई गति देगा।

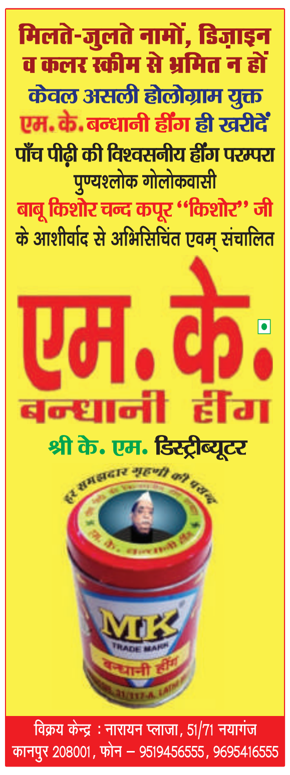



# बेटी का विवाह है, खाना बनाने को दिला दो 10 सिलेंडर

## मोहनलालगंज तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में नवीनगर के राजाराम ने लगाई गुहार, अधिकारियों ने दिया आश्वासन

संवाददाता, मोहनलालगंज

**अमृत विचार:** रसोई गैस सिलेंडर न मिलने से सबसे अधिक वह लोग परेशान हैं, जिनके घरों में शादी व अन्य आयोजन हैं। शनिवार को मोहनलालगंज तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नवीनगर निवासी राजाराम भी ऐसी ही समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने अध्यक्षता कर रहे एडीएम सिटी महेंद्र पाल सिंह को प्रार्थनापत्र देकर अधिकारी से कहा कि, साहब बेटी की शादी है ,सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं, शादी में खाना बनवाने के लिए गैस सिलेंडर दिलवा दीजिए। अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है।

भसंडा निवासी राजेन्द्र ने आरोप लगाया कि पत्नी का नाम राशन कार्ड से बिना कारण बताए काट दिया गया है। अहमद खेड़ा निवासी नन्हे ने शिकायत की गांव में नवीन परती, पशुचर और खलिहान की जमीनों पर अवैध कब्जा किया जा रहा है शिकायत के बावजूद भी जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे हैं। प्रतापगढ़ पट्टी तहसील की रीता देवी ने शिकायत की लेखपाल की शह पर रायभान खेड़ा मोहनलालगंज में प्लाट बाउंड्री वाल तोड़कर कब्जा कर लिया गया।

सारी शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए एडीएम ने जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में एसडीएम पवन पटेल, तहसीलदार ऋतुराज शुक्ला, नायब तहसीलदार शव्या मिश्रा, सहित कई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अघईया गांव की एक खतौनी में विक्रय की गई गाटा का आदेश किसान के दूसरे गाटे पर भी दर्ज हो गया। इसको लेकर लेखपाल को प्रार्थना पत्र दिया गया लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद लेखपाल ने रिपोर्ट नही लगाई। किसान को डर है कि उसकी जमीन को फर्जी खातेदार बिक्री न कर दे। वही दहियर निवासी अनिल पांडे ने बताया कि नाम शुद्धि करण के लिए प्रार्थना पत्र दिया था जिसमे सारी रिपोर्ट लगने के बावजूद खतौनी पर अंकन नही किया जा रहा है

मोहनलालगंज तहसील में शिकायतें सुनते एडीएम सिटी महेंद्र पाल सिंह व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

सदर तहसील में शिकायतें सुनते जिलाधिकारी व अन्य। अमृत विचार

### सदर तहसील में 26 मामले मौके पर निस्तारित

**अमृत विचार, लखनऊ :** जिलाधिकारी विशाख जी ने सदर तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनता की समस्याएं सुनीं। जिसमें प्राप्त 73 में से 26 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया। उन्होंने फरियादियों को फोन करके शिकायतों के निस्तारण का फीडबैक लिया। सदर तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह, उप जिलाधिकारी तहसील सदर मनोज सिंह, तहसीलदार सदर जेपी सिंह, पुलिस, समाज कल्याण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### बीकेटी में एक करोड़ मूल्य की जमीन कराई कब्जा मुक्त

**अमृत विचार, लखनऊ :** तहसील बीकेटी में संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्रामीणों ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत की। उन्होंने बताया कि सरवा गांव की खसरा संख्या 665 की 0 .115 हेक्टेयर खलिहान भूमि में दर्ज है। जिस पर प्रॉपर्टी डीलरों ने प्लॉटिंग करके अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। ग्रामीणों की शिकायत पर जांच टीम गठित की गई। मौके पर पहुंची टीम ने जांच में पाया कि 12300 स्क्वायर फीट सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा कर लिया गया था। जिस पर सड़क निर्माण और प्लाटिंग की गई थी। जमीन पर किये गए अवैध निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। कब्ज़ा मुक्त कराई गयी जमीन का बाजार मूल्य करीब एक करोड़ रुपये आंका गया है। साहिल कुमार के निर्देशन में तहसीलदार शरद सिंह द्वारा गठित की गई टीम में नायब तहसीलदार यजुवेंद्र कुमार, राजस्व निरीक्षक अविनाश चंद्र तिवारी, स्वतंत्र श्रीवास्तव, लेखपाल शिल्पी श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

## न्यूज ब्रीफ

### वृद्धा पर धारदार हथियार से हमला

**अमृत विचार, बख्शी का तालाब :** अटेसुआ गांव निवासी मिथलेश कुमारी शुक्रवार रात बेटे को खाना खाने के लिए बुलाने घर के बाहर निकली थीं। आरोप है कि इसी दौरान पहले से घात लगाए गांव के ही कुछ लोगों ने उन पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में मिथलेश लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ीं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों को आता देख आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए। पीड़िता को परिजन इटौंजा थाने लेकर पहुंचे, जहां उन्होंने ब्रह्म प्रकाश, विष्णु सिंह, युवराज सिंह और अशोक सिंह के खिलाफ लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

### स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ

**अमृत विचार, सरोजनीनगर :** बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को सरोजनीनगर ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय हसनपुर खेवली में जनपद स्तरीय 'स्कूल चलो अभियान' रैली का शुभारंभ मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार ने किया। छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। स दौरान पांच निपुण विद्यालयों और पांच निपुण छात्रों को सम्मानित किया गया। साथ ही कक्षा 1 और कक्षा 6 के पांच-पांच छात्रों को नई पुस्तकें वितरित कर पुस्तक वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में प्राचार्य डायट लखनऊ राम प्रवेश, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय राजेश कुमार सिंह, मोहनलालगंज के खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार, गोसाईंगंज के खंड शिक्षा अधिकारी रामराज और सरोजनीनगर के खंड शिक्षा अधिकारी रुद्र प्रताप यादव मौजूद रहे।

### भाई-बहन पर जानलेवा हमला, चेन लूटी

**अमृत विचार, लखनऊ :** अमीनाबाद के कसाईबाड़ा निवासी आदिल के घर में शनिवार दोपहर को दबंग घुस आये। दबंगों ने भाई-बहन पर जानलेवा हमला किया। हमलावरों ने चाकू व रॉड से हमला कर दोनों को गंभीर रुप से घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देकर भागते समय महिला की चेन लूट ली। पीड़ित परिवार ने अमीनाबाद थाने में तहरीर दी। जिस पर पुलिस जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश में आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। अमीनाबाद के कसाई बाड़ा निवासी आदिल ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12 :30 बजे मोहल्ले के ही साकिर उर्फ ढक्कन, उसकी पत्नी, आरिफ, अमन, भूरे, उसकी पत्नी, इरफान और महफूज समेत अन्य लोग उनके घर पहुंचे। सभी ने साजिश के तहत आदिल की मां साईदा और मामा जमील पर हमला कर दिया। हमलावर भूरे ने जमील के पेट में चाकू से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, महफूज ने साईदा के हाथ पर चाकू से हमला किया।

श्रीमद्भागवत कथा में आरती करते भक्त। अमृत विचार

### मोह-माया से दूर रहकर ईश्वर भक्ति में लीन रहना चाहिए

**अमृत विचार, सरोजनीनगर :** नगर पंचायत कार्यालय बंथरा के पास चल रही आठ दिवसीय पंचम श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का वातावरण चरम पर रहा। वृंदावन से पधारे पंडित विष्णुकांत जी महाराज ने ऋषभदेव चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति का संदेश दिया। कथावाचन के दौरान उन्होंने बताया कि भगवान ऋषभदेव, भगवान नारायण के अवतार थे, जिन्होंने मानव जीवन को धर्ममय बनाने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को मोह-माया से दूर रहकर ईश्वर भक्ति में लीन रहना चाहिए। कथा में हिरण के प्रति आसक्ति के प्रसंग को सुनाते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार आसक्ति मनुष्य को भक्ति मार्ग से भटका देती है और अंत समय में वही भाव अगले जन्म को निर्धारित करता है। इसके बाद दासी पुत्र अजामिल की कथा का विस्तार से वर्णन किया गया।

### अलीनगर खुर्द के ग्रामीणों ने सरोजनीनगर तहसील में किया हंगामा

**अमृत विचार, सरोजनीनगर :** सरोजनीनगर तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में अली नगर खुर्द के ग्रामीणों ने उत्तर प्रदेश क्रांति किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष विजय यादव के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। इन लोगों ने ओमेक्स सिटी प्रबंधन पर जमीनों पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया। ये भी आरोप लगाया कि मकान खाली करने का दबाव बनाया जा रहा है। –जाने के रास्ते बंद किए जा रहे हैं। ग्राम समाज और शमशान के लिए दर्ज जमीन पर कब्जे का भी आरोप लगाया। विजय ने बताया कि ओमेक्स सिटी कंपनी के लोग घरों के सामने गड्ढे खोदकर लोहे की टीन शेड की बाउंड्री वॉल बनाकर रास्ता बंद कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि 15 दिनों में समस्या का निस्तारण नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बताया कि गांव के राजाराम लोधी, सत्य प्रकाश लोधी और मुन्नीलाल सहित कईलोग इस संबंध में कई बार तहसील में शिकायत करा चुके हैं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जो किसान जमीन देने से इंकार करता है, उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, जिससे वह मजबूर होकर जमीन बेच देता है। ग्रामीणों ने खाता संख्या 182/16 की भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग की।ग्रामीणों ने किसान पथ की सर्विस रोड पर प्रकाश व्यवस्था न होने से भी नाराजगी जताई। करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। एसडीएम अंकित शुक्ला ने जांच का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। वहीं, शाहपुर मझिगवां के ग्रामीणों ने भी बंजर भूमि गाटा संख्या 221 व 222 पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि रामबक्श द्वारा कब्जा हटाने के बावजूद दोबारा निर्माण की तैयारी की जा रही है, जिस पर कार्रवाई की मांग की गई है।

सरोजनीनगर तहसील में अधिकारियों से शिकायत करते किसान नेता विजय यादव और ग्रामीण। अमृत विचार

# ट्रक की टक्कर से एमआर की मौत

## ड्यूटी कर घर लौटते समय पिनवट अंडरपास पर हुआ हादसा

संवाददाता, सरोजनीनगर

**अमृत विचार:** थाना क्षेत्र के किसान पथ सर्विस रोड स्थित पिनवट अंडरपास पर शुक्रवार रात बेकाबू ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में एमआर की मौत हो गई। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मूल रूप से फतेहपुर जिले निवासी महेंद्र यादव (40) सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा स्थित आसरापुरम गोल्ड कॉलोनी में रहते थे। परिवार में पत्नी मीना सिंह, बेटे अरविंद और रेहज हैं। महेंद्र एक मेडिकल कंपनी में एमआर थे। शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे। सरोजनीनगर में किसान पथ की सर्विस रोड पर पिनवट अंडरपास के पास बेकाबू ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में महेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर आनन-फानन उन्हें सरोजनी नगर सीएचसी पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने लोकबंधु अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान महेंद्र की मौत हो गई। पुलिस ने जेब में मिले मोबाइल से परिजन को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

### तीन पहिया डाला से टकराई बाइक, युवक घायल

**अमृत विचार, काकोरी :** थाना क्षेत्र में शनिवार को चिलौली रोड पर सड़क के किनारे खड़ी तीन पहिया गाड़ी में पीछे से बाइक टकराने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर ने बताया कि मिथुन यादव निवासी गोहरामऊ शनिवार की शाम को अपनी बाइक से चिलौली से काकोरी कस्बा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान चिलौली रोड पर पहले से तीन पहिया गाड़ी वह समय रहते देख नहीं पाए और उनकी बाइक सीधे वाहन के पिछले हिस्से में घुस गए। टक्कर इतनी तेज थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायल को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी काकोरी भेजा।

### बेकाबू लोडर पलटा, एक घायल

**अमृत विचार, सरोजनीनगर :** बिजनौर के सीआरपीएफ गेट नंबर-2 के पास शनिवार सुबह ईंट लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से लोडर टकरा गई। टक्कर लगते ही लोडर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में लोडर चला रहा निजी कंपनी का कर्मचारी संजय कुमार (42) गंभीर रुप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायल को लोकबंधु अस्पताल भेजा। जहां हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक बाराबंकी के हैदरगढ़ स्थित संतोषपुर निवासी संजय कुमार अर्जुनगंज में रहते हैं। वह बिजनौर के नटकुर स्थित डॉक्स एन पैक कंपनी में काम करते हैं।

### कार चालक ने सिपाही को जड़ा थप्पड़

**अमृत विचार, लखनऊ :** कमता चौराहे पर रांग साइड में कार दौड़ाने पर ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी रोकी तो कार सवार चालक ने खुद को विधायक का करीबी बताकर सिपाहिया को धमकाया। यातायात पुलिस लाइन में तैनात सिपाही वेद प्रकाश 3 अप्रैल को उपनिरीक्षक आलोक कुमार सिंह, सिपाही करन सरोज, सुनील कुमार और टीएसआई इलम सिंह के साथ कमता चौराहे पर ट्रैफिक ड्यूटी में थे। सुबह करीब 8 बजे रांग साइट से कार यूपी 32 आरए 1250) आ रही थी। कार रुकवाकर सिपाही करन सरोज ने रांग साइड आने की वजह पूछी तो कार चालक शिवांशु तिवारी ने विधायक का करीबी बनकर गाली-गलौज शुरु कर दी। विरोध पर सिपाही वेद प्रकाश को थप्पड़ मार दिया। पुलिसकर्मी ने पकड़ा तो वर्दी उतरवाने की धमकी दी। बीच सड़क पर सिपाही से मारपीट व गुंडई की सूचना मिलते ही चिनहट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिपाही वेद प्रकाश की तहरीर पर शिवांशु तिवारी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, धमकी व सरकारी कार्य में बाधा की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अतिरिक्त निरीक्षक अमित सिंह ने बताया कि आरोपी शिवांशु गोमतीनगर के विनयखंड-4 का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपी ने खुद को कथावाचक बताया है।

केजीएमयू

### नोटिस और सुनवाई के बावजूद नहीं मिले स्वामित्व के प्रमाण

# छह मजारें अवैध घोषित करने का रास्ता साफ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार :** किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) परिसर में स्थित छह मजारों को हटाने का रास्ता लगभग साफ हो गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बार-बार नोटिस और सुनवाई का अवसर देने के बावजूद संबंधित प्रबंधन स्वामित्व से जुड़े कोई ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सके हैं। केजीएमयू प्रशासन के अनुसार, मजारों के प्रबंधकों को दो बार नोटिस जारी कर जमीन से जुड़े वैध दस्तावेज और कानूनी अधिकारों के प्रमाण मांगे गए थे। न्यू ऑर्थोपेडिक विभाग में स्थित एक मजार की ओर से जवाब जरूर दिया गया, लेकिन उसमें भी जमीन के आवंटन या मालिकाना हक से संबंधित कोई वैध साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद प्रशासन ने एक और मौका देते हुए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन फिर भी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। ऐसे में सभी मजारों को अवैध मानते हुए आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के तहत सभी संबंधित पक्षों को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर भी दिया गया। यह सुनवाई पहले 28 फरवरी को प्रस्तावित थी, जिसे रमजान के मद्देनजर 4 अप्रैल तक स्थगित किया गया। शनिवार को केजीएमयू के कलाम सेंटर में दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक अधिकृत अधिकारी सुनवाई के लिए मौजूद रहे, लेकिन किसी भी मजार का प्रबंधन या प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि अब सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार आदेश जारी कर आगे की कार्रवाई प्रशासन को भेजी जाएगी।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार,5 अप्रैल 2026



## न्यूज ब्रीफ

### पिता ने पुत्री से की छेड़छाड़, गिरफ्तार

**अमृत विचार, बिलग्राम, हरदोई :** थाना क्षेत्र के एक गांव में हैवानियत का मामला सामने आया जब एक पिता ने अपनी13वर्षीय पुत्री से छेड़छाड़ की जिसका न सिर्फ पुत्री ने विरोध किया बल्कि अपनी दादी से शिकायत भी की जिसके बाद आरोपी रोष में आ गया और गालीगलौज करते हुए अपने भाई के साथ मारपीट की और बक्से समेत कपड़ों को जला दिया ।मां ने अपने पुत्र को आरोपी बनाते हुए पुलिस को तहरीर दी। जिसके बाद दादी की तहरीर पर पुलिस ने पिता के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाल विजय कुमार ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए पास्को छेड़छाड़ जान से मारने की धमकी के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। घटना को लेकर संबंधित गांव के ग्रामीणों ने आरोपी के प्रति रोष जताया है।

### पति से विवाद में पत्नी ने खाया जहर, मौत

**अमृत विचार, हरदोई :** पति ने साले के घर मुण्डन की दावत से दूरी बनाते हुए वहां नहीं गया। उसी बात से पत्नी खफा हो गई। शनिवार की सुबह पत्नी ने ज़हर खा लिया,से सीएचसी से मेडिकल कालेज पहुंचाया गया,जहां पहुंचते उसकी मौत हो गई। मल्लावां कोतवाली के गोसवा निवासी स्मृति कुमार त्रिवेदी की 36 वर्षीय पत्नी मनोरमा ने शनिवार की सुबह कुछ खा लिया। उसे सीएचसी माधौगंज से मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। स्मृति कुमार त्रिवेदी कानपुर की लेदर फैक्ट्री में काम करता है,10 दिन पहले ही वह घर आया हुआ था।

### नीलगाय से टकरा कर बाइक सवार की मौत

**अमृत विचार, हरदोई :** गल्ला मण्डी में पल्लेदारी करने वाला युवक बाइक से घर जा रहा था,उसी बीच रास्तें में माधौगंज थाने के सहिजना नेवादा के पास सड़क पर नील गाय कूद पड़ी,जिससे टकरा कर वह बुरी तरह ज़ख्मी हो गया,उसे सीएचसी से मेडिकल कालेज पहुंचाया गया,जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि माधौगंज थाने के गौतरा निवासी 35 वर्षीय रामजीवन पुत्र प्रहलाद माधौगंज गल्ला मण्डी में पल्लेदारी करता था। उसके छोटे भाई लक्ष्मण ने बताया कि रामजीवन शुक्रवार की देर शाम को बाइक से घर जा रहा था,रास्तें में सहिजना नेवादा के पास सड़क पर अचानक नील गाय कूद पड़ी,बाइक सवार रामजीवन उससे टकरा कर बुरी तरह ज़ख्मी हो गया,उसे सीएचसी माधौगंज से मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। दो भाइयों में रामजीवन बड़ा था, उसके बच्चें नहीं थे, परिवार में अकेली पत्नी सीता है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

### सड़क हादसे में घायल एक और युवक की मौत

अमृत विचार, बांगरमऊ (उन्नाव) : लखनऊ मार्ग पर हुए सड़क हादसे में घायल तीसरे युवक ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे मृतकों की संख्या तीन हो गई है। आदर्श नगर निवासी उमेश (40) शुक्रवार को सहकर्मी वीरेंद्र के साथ बाइक से जा रहा था, तभी सुरसेनी गांव के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में वीरेंद्र और मारूस की मौके पर मौत हो गई, जबकि उमेश गंभीर घायल था। उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया, जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# इजरायल से अखिलेश की सकुशल वापसी

## मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन की त्वरित पहल से संभव हुआ मिशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/अंबेडकरनगर

**अमृत विचार :** युद्धग्रस्त इजरायल में फंसे अंबेडकरनगर के युवक अखिलेश कुमार को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया गया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश और जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की त्वरित पहल से यह संभव हो सका। युवक को जॉर्डन के रास्ते भारत लाया गया, जिसके बाद वह सकुशल अपने घर पहुंच गया।

अकबरपुर निवासी अखिलेश कुमार रोजगार के लिए इजरायल गए थे, लेकिन वहां संघर्षपूर्ण हालात और नियोक्ता के असहयोग के कारण मानसिक रूप से परेशान हो गए। खुद लौट पाने में असमर्थ होने पर उनकी पत्नी किरण देवी ने 25 मार्च को जनता दर्शन में जिलाधिकारी से मिलकर मदद की गुहार लगाई थी। अखिलेश कुमार ने बताया कि कठिन समय में सरकार और प्रशासन के प्रयासों से ही उनकी सुरक्षित वापसी संभव हो सकी।

स्वदेश लौटे अखिलेश कुमार।

### तेलअवीव से जॉर्डन के रास्ते लाया गया

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल शासन को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्च स्तर पर प्रयास शुरू हुए और भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के माध्यम से इजरायल व जॉर्डन स्थित भारतीय दूतावासों से समन्वय स्थापित किया गया। इजरायल के हवाई अड्डे बंद होने के कारण वैकल्पिक योजना के तहत अखिलेश को पहले तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास लाया गया, वहां से स्थल मार्ग से जॉर्डन सीमा तक पहुंचाया गया। जॉर्डन प्रशासन के सहयोग से उन्हें राजधानी अम्मान पहुंचाया गया।

### सैलून संचालक अपहरण कांड के तीन आरोपी जेल भेजे गए

**अमृत विचार, माल :** शिवा मेंस पार्लर संचालक शिवा शर्मा और उसके दोस्त रंजीत साहू के अपहरण व फिरौती मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपियों ने ऑनलाइन 55 हजार रुपये और परिजनों से एक लाख रुपये वसूलने के बाद दोनों को छोड़ा था। एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे के अनुसार, शेरा सिंह, करन सिंह उर्फ योगेंद्र और अनुभव तिवारी को वीरपुर पुलिया के पास से पकड़ा गया। इनके पास से मोबाइल व बाइक बरामद हुई। तीनों पर पहले से भी मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

# दबंगों ने घर में घुसकर युवक को पीटा, बेटी से दुष्कर्म की कोशिश

संवाददाता, काकोरी

- पारा के देवलोक मंदिर के पास हुई घटना

**अमृत विचार:** पारा के देवलोक मंदिर के पास रहने वाले एक व्यक्ति के घर में दबंग घुस गये। परिवार पर हमला कर दिया। आरोप है कि बीच बचाव करने आई उसकी बेटी से दुष्कर्म का प्रयास किया। आरोपी असलहों व रॉड से लैस थे। हमले में पीड़ित का बेटा गंभीर रुप से घायल हो गया। परिवार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

देवलोक मंदिर पिंक सिटी निवासी में रहने वाले दलित व्यक्ति के मुताबिक पुरानी रंजिश में हमले के डर से शुक्रवार की रात करीब 11:30 बजे उसका बेटा अनिल पीछे के रास्ते से घर पहुंचा। पहले से घात लगाए बैठे रिजवान, शाहरुख, आरिफ, प्रकाश, संजीत, अजीत, पवन, नितिन, पंकज समेत चार-पांच अज्ञात लोग धमक गये। सभी के हथियारों से लैस थे। अचानक उनके बेटे पर हमला कर दिया। हमलावरों ने तमंचा तान दिया और रॉड से वार किया। बेटे के सिर और नाक पर गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। शोर सुनकर जब अनिल की मां और बहन बाहर आईं तो आरोपियों ने दरवाजा तोड़कर घर में घुसने का प्रयास किया। परिजन का आरोप है कि घर में घुसकर बहन के कपड़े फाड़ दिए। उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। विरोध करने पर मां-बेटी के साथ मारपीट की गई, जिसमें बेटी को पीठ, सिर और शरीर के कई स्थानों पर चोट लगी। मोहल्ले के लोग इकट्ठा होने लगे तो आरोपियों ने जातिसूचक गालियां देते हुए भाग गये।परिजन ने जेवर लूटने का आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने कई बार परिवार पर हमला किया है। घायलों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

# लापता युवक की हत्या, सूखे नाले में पड़ा मिला रक्तरंजित शव

## बाराबंकी के रामपुर कटरा में हुई वारदात, हैदराबाद से ईद की छुट्टी पर आया था घर

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

**अमृत विचार :** ईद की छुट्टी पर हैदराबाद से घर आए युवक की हत्या कर दी गयी। उसका शव शनिवार को सूखे नाले में पड़ा मिला। सिर पर गंभीर चोटें होने से आशंका है कि इसके सिर पर लाठियों से ताबड़तोड़ वार किये गये हैं। परिजन लूट का भी आरोप लगा रहे और एक युवक पर संदेह जताया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मोहम्मद आसिफ (फाइल फोटो)

जानकारी के अनुसार, यह घटना सफदरगंज थाना क्षेत्र के रामपुर कटरा की है। गांव वासी मोहम्मद वैस का बेटा मोहम्मद आसिफ हैदराबाद में रहकर वेल्डिंग का काम करता था। वह ईद के सिलसिले में छुट्टी लेकर घर आया था। बताया जा रहा कि शुक्रवार देर शाम गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था। रात करीब 10 बजे तक उसे गांव में देखा गया, जिसके बाद वह अचानक लापता हो गया। आसिफ के लापता होने से परेशान परिजनों ने पूरी रात उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। जिस पर परिजन घर लौट गए। शनिवार सुबह उसका शव चौखंडी स्थित ईदगाह के पीछे कल्याणी नदी की ओर जाने वाले सूखे नाले में पड़ा मिला। खबर पाते ही परिजन बदहवास होकर मौके की ओर दौड़ पड़े। वहीं सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। देखा गया कि मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। इससे आशंका है कि आसिफ की लाठी से कई वार कर हत्या की गई है। मौके पर फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए, वहीं पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मौके पर जांच करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

### जांच के दायरे में लूट व रंजिश का पहलू

थानाध्यक्ष अमर कुमार चौरसिया ने बताया कि मामले की जांच लूट और रंजिश दोनों पहलुओं पर की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। वहीं, ग्राम प्रधान नियाज अहमद अंसारी ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें ढाढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

### गांव के एक युवक पर हत्या व लूट का शक

घटना के बाद परिजन बदहवास हालत में दिखे। मृतक की मां व अन्य परिजन विलाप करते रहे। मां महशर जहां ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना से पहले आसिफ के पास चांदी की चेन, अंगूठी, ब्रेसलेट और करीब 12 हजार रुपये नकद थे, जो अब गायब हैं। परिजनों ने हत्या के बाद लूट की भी आशंका जताई है। वहीं, पिता मोहम्मद वैस ने बताया कि बेटे का गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था, जिससे रंजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

### नदी में नहाने गए किशोर समेत दो डूबे, एक लापता

**अमृत विचार, पाली, हरदोई :** थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव के पास स्थित गर्रा नदी में शनिवार दोपहर नहाने गए एक किशोर सहित दो लोग डूब गए। मौके पर मौजूद लोगों की तत्परता से एक युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि किशोर का देर कोई सुराग नहीं लग सका है।

आशीर्वाद (17) पुत्र महेंद्र निवासी नोनखारा थाना सांडी परिवार के साथ दिल्ली के सीलमपुर क्षेत्र में रहता था। पाली क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी वीर प्रताप के यहां रिश्तेदारी में आया था। शनिवार दोपहर वह वीर प्रताप के साथ गांव के पास गर्रा नदी में नहाने गया था। इसी दौरान दोनों अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल नदी में कूदकर वीर प्रताप को किसी तरह बाहर निकाल लिया, लेकिन आशीर्वाद पानी में लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पाली थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं एएसपी शाहाबाद आलोक राज नारायण भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश शुरू कर दी है।

# चारबाग स्टेशन उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पत्नी के पुरुष मित्र को फंसाने के लिए दी थी धमकी

**अमृत विचार:** चारबाग स्टेशन व एयरपोर्ट पर बम लगा है। कुछ देर में उड़ जाएंगे। यह धमकी भरा कॉल शुक्रवार की शाम को 1090 पर आया था। इसके बाद जीआरपी चारबाग की टीम ने मोबाइल नंबर को ट्रैस करना शुरू कर दिया। शनिवार सुबह आरोपी को आलमबाग इलाके से दबोच लिया। उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी के पुरुष मित्र को फंसाने के लिए धमकी भरा कॉल किया था।

जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह के मुताबिक आरोपी उमेश कुमार आलमबाग के भिलावां का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी पत्नी की दोस्ती मल्टी कॉलोनी में रहने वाले कार्तिकय से है। दोनों अक्सर फोन पर बातें करते हैं। उमेश के मना करने पर भी नहीं मानती थी। इससे नाराज होकर उमेश ने शुक्रवार शाम अपनी पत्नी के फोन से 1090 पर फोन कर चारबाग स्टेशन और एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी दी। इस सूचना पर जीआरपी टीम ने जिस फोन नंबर से धमकी दी गई थी। उसे सर्विलांस पर लगाया गया तो पता चला कि फोन नंबर कार्तिकय के नाम पर है। टीम उसके पास पहुंची वहां से पता चला कि इस नंबर को उसने उमेश कुमार की पत्नी को दिया है। जिससे वह अक्सर बात करता है। टीम ने उमेश की पत्नी से पूछताछ की तो पता चला कि उमेश ने शुक्रवार को उसका फोन ले लिया था। इस पर टीम ने उमेश को उसके घर के पास से पकड़ा।

### पांच करोड़ की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

**अमृत विचार, बाराबंकी :** एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स थाना बाराबंकी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी का खुलासा किया है। पुलिस ने दो सक्रिय तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 2 .505 किलोग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये आंकी जा रही। साथ ही 11,040 रुपये नकद व कई मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनोद साहनी निवासी पश्चिमी चम्पारण बिहार और राहुल कुमार निवासी चतरा झारखण्ड के रूप में हुई है।

# आठ घंटे के अंदर पुलिस के साथ मुठभेड़ में अपहरणकर्ता गिरफ्तार

## अपहृत बच्चे को सकुशल छुड़ाया, हथियार व कारतूस बरामद

संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार :** जिले के बिहार थाना क्षेत्र में 11 वर्षीय छात्र के अपहरण की घटना का पुलिस ने महज आठ घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद किया गया, जबकि अवैध हथियार, कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद हुई।

शनिवार को थाना बिहार क्षेत्र के ग्राम बेवल निवासी 11 वर्षीय छात्र, जो शिव बालक सीताराम मेमोरियल पब्लिक स्कूल केदारखेड़ा में कक्षा पांच का छात्र है, स्कूल से घर लौटते समय लापता हो गया। परिजनों ने गांव के ही शिव कुमार कुशवाहा पर बच्चे को ले जाने का आरोप लगाया। सूचना पर थाना बिहार पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ बच्चे की तलाश शुरू कर दी। शाम करीब आठ बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति बच्चे के साथ पुरवा-असोहा मार्ग पर पड़वाखेड़ा पावर हाउस के पास देखा गया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा, लेकिन बाइक फिसलकर गिर गई। आरोपी ने बच्चे को छोड़कर पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के बाएं पैर में लग गई, जिसके बाद उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी शिवकुमार पुत्र चंद्रपाल (45) निवासी ग्राम बेवल को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से अपहृत बच्चा, एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद की। घायल आरोपी को उपचार के लिए सीएचसी पुरवा भेजा गया है।

घायल बदमाश को ले जाते पुलिसकर्मी।

# फूड प्वाइजनिंग के शिकार 6 बच्चों की हालत बिगड़ी

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

- रायबरेली के पूरे रुद्र मजरे मटका का मामला, गांव में मचा हड़कंप

**अमृत विचार :** तीन दिन पूर्व फूड प्वाइजनिंग के शिकार हुए दो दर्जन बच्चो में आधा दर्जन बच्चों की हालत फिर बिगड़ गई है। शनिवार को अस्पताल पहुंचे बीमार बच्चों की हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल अल्ट्रा साउंड के लिए भेज दिया गया है। जिला अस्पताल भेजे गए नैना, अनन्या पुत्री रामू, अर्जुन, आर्यन, आरका पुत्रगण संतू व प्रिंस व नीमा पुत्रगण प्रेमचन्द्र यह बच्चे तीन अलग-अलग परिवार के बताए जा रहे है।

कोतवाली अंतर्गत पूरे रुद्र मजरे मटका निवासी राजकुमारी के घर पर 30 मार्च की सुबह गौवंश के बछड़ा होने की खुशी में लगभग दो दर्जन बच्चों को परम्परागत मट्ठा पिलाया गया था। मट्ठा पीने के कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी, दस्त और पेट में तेज दर्द की शिकायत होने लगी, जिससे गांव में हड़कंप मच गया ।परिजनों ने आनन-फानन में बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया। सीएचसी सलोन और जिला अस्पताल से उपचार के बाद सभी बीमार बच्चो को घर भेज दिया गया था। शनिवार को अचानक तीन परिवार के सात बच्चो ने पेट मे पुनः दर्द होने की शिकायत अपने परिजनों से की। जिसके बाद परिजन नजदीक के सामुदायिक स्वास्थ केंद्र ले जाकर बच्चो का इलाज कराया। डॉ. रूपेश कुमार ने बताया कि बच्चो ने पेट दर्द की शिकायत की है।

परिजनों से बच्चो का जिला अस्पताल में अल्ट्रा साउंड कराने के लिए बोला गया है। रिपोर्ट के आधार पर ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

अस्पताल में भर्ती बीमार बच्चे। ● अमृत विचार

### खेत में सिंचाई कर रही महिला से छेड़छाड़, जान से मारने की दी धमकी

**अमृत विचार, खरगूपुर,गोंडा :** थाना क्षेत्र के एक गांव में खेत में सिंचाई कर रही महिला के साथ छेड़छाड़ व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने थाने में दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया कि वह अपने खेत में लगी प्याज की फसल की सिंचाई कर रही थी। इसी दौरान गांव का एक युवक मौके पर पहुंचा और उससे छेड़छाड़ करने लगा। आरोप है कि युवक ने महिला का हाथ पकड़कर खींचने का प्रयास किया। महिला द्वारा शोर मचाने पर आरोपी फरार हो गया। पीड़िता जब आरोपी के घर शिकायत करने पहुंची तो वहां भी आरोपी ने उससे अभद्रता की। आरोप है कि उसने हमला करने के लिए दौड़ा लिया और जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि आरोपी दीपू वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

## आयोजन

### निविदा संविदा कर्मचारी संघ का चतुर्थ द्विवार्षिक सम्मेलन

# बिजली आउटसोर्स कर्मियों की मांगों को मिला समर्थन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सम्मेलन में उठाई गई 18 हजार रुपये वेतन और बहाली की मांग

**अमृत विचार:** उप्र. पावर कॉरपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ का चतुर्थ द्विवार्षिक सम्मेलन शनिवार को गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों और संविदा कर्मचारियों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद ने आउटसोर्स कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कॉरपोरेशन प्रबंधन की ओर से श्रम अनुबंध के तहत कर्मचारियों से लाइनमैन और उपकेंद्र परिचालक जैसे जोखिमपूर्ण तकनीकी कार्य कराए जा रहे हैं, जो न्यायसंगत नहीं है। वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष हर्षवर्धन ने बताया कि संगठन लंबे समय से 18,000 रुपये न्यूनतम वेतन की मांग कर रहा है, लेकिन प्रबंधन इस पर ध्यान नहीं दे रहा और वेतन भुगतान में भी भेदभाव किया जा रहा है।

प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडे ने आरोप लगाया कि लगभग 25,000 आउटसोर्स कर्मचारियों को कार्य से हटा दिया गया है, जिन्हें वापस नहीं लिया जा रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बहाली नहीं हुई और प्रदेश स्तरीय आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडे ने कहा कि वर्टिकल व्यवस्था से कर्मचारियों का उत्पीड़न बढ़ा है और उपभोक्ताओं को भी बिजली संकट झेलना पड़ रहा है। मुख्य संरक्षक और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कर्मचारियों की छंटनी की निंदा करते हुए वर्टिकल व्यवस्था समाप्त करने और आउटसोर्स सेवा निगम का लाभ देने की मांग की। सम्मेलन में कई अन्य पदाधिकारियों ने भी विचार रखे।

गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित उप्र. पावर कॉरपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ के चतुर्थ द्विवार्षिक सम्मेलन में मुख्य संरक्षक व पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर को सम्मानित करते पदाधिकारी। अमृत विचार

### ट्रेन की चपेट में आए किसान की मौत

**अमृत विचार, हरदोई:** सण्डीला कोतवाली क्षेत्र में एक काश्तकार की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। युवक रात में घर से निकला था और वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, तभी गांव की रेलवे क्रासिंग पर एक युवक के ट्रेन से कटने की सूचना मिली। अगले दिन कोतवाली पहुंचकर परिजनों ने शव की शिनाख्त की। तिलोइयां खुर्द निवासी 26 वर्षीय विमलेश कुमार पुत्र देवीदयाल खेती-किसानी करता था। परिवार में पत्नी शिवानी और एक बेटी है। शुक्रवार रात वह बिना कुछ बताए घर से निकल गया था। देर रात रेलवे क्रासिंग पर ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। शनिवार सुबह उसका भाई विमल कुमार सण्डीला कोतवाली पहुंचा, जहां जानकारी मिलने पर शव की पहचान विमलेश के रूप में हुई। घटना को लेकर परिजन इसे हादसा बता रहे हैं।

# पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई पुष्टि पीटकर हुई युवक की हत्या

संवाददाता, अमावां (रायबरेली)

- गांव से बाहर बुधवार को मिला था शव, हत्यारोपी भाई गिरफ्तार

**अमृत विचार :** मिल एरिया थाना क्षेत्र के पलिया में मजरे हरदासपुर में बुधवार की देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मिले मयंकेश के शव के मामले में पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शनिवार को पुलिस ने हत्यारोपी भाई को गिरफ्तार करते हुए घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपी भाई को जेल भेज दिया है।

मिल एरिया थाना क्षेत्र के पलिया मजरे हरदासपुर गांव में बुधवार की देर शाम गांव से बाहर पगडंडी पर एक शव पड़ा हुआ पाया गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की शिनाख्त शुरू की तो पता चला मृतक पालिया गांव का मयंकेश (33) पुत्र प्रेमचंद है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज दिया था। अगले दिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मयंकेश की पीट कर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई तो पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस की जांच में पता चला मयंकेश नशे का आदी था जो आए दिन घर वालों से मारपीट व झगड़ा फसाद किया करता था। बुधवार को भी मयंकेश की छोटे भाई निरंकेश से मारपीट हुई थी। इसके बाद मयंकेश घर से निकल गया और कुछ ही दूर पहुंचने पर उसकी मृत्यु हो गई। मामले का राजफास होने पर पुलिस ने आरोपी भाई निरंकेश को गिरफ्तार कर लिया।

अमृत विचार रविवार, 5 अप्रैल 2026 www.amritvichar.com

# लोक दर्पण

# अपराध से आदर्श मार्ग पर मुड़ते कारागार के कैदी

कुमाऊं क्षेत्र की प्रथम जेल अल्मोड़ा जेल थी, जिसकी स्थापना 1816 ई. में हुई थी। 1910 ई. में अल्मोड़ा में एक दूसरी छोटी जेल की स्थापना हुई। धीरे-धीरे इन जेलों की स्थिति में सुधार किए गए तथा इस बात का भी प्रयास किया गया कि कैदियों की दशा में सुधार किया जाए तथा उन्हें प्रशिक्षित किया जाए, जिससे जेल छोड़कर जाने पर वे समाज में अच्छा जीवन बीता सके। कैदियों के भविष्य को लेकर दशकों पुरानी सोच को अब जमीनी हकीकत बनाया जा रहा है।

अजय दयाल
वरिष्ठ पत्रकार

एक जमाने में हल्द्वानी (उत्तराखंड) की जिस जेल में सुल्ताना डाकू को फांसी के फंदे पर लटकाया गया था, मौजूदा दौर में वहां कैदियों के बीच शिक्षा, संस्कार और स्व-व्यवसाय को प्रेरित किया जा रहा है। दरअसल, साल 1903 में स्थापित इस जेल में ब्रिटिशकाल के उस दौर में कैदियों को वंशानुगत मजदूर बना लिया जाता था। ब्रिटिश शासनकाल के प्रारंभ में जेल प्रणाली स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, कठोर एवं चरित्रभ्रष्ट करने वाली थी। 1903 में स्थापित हल्द्वानी जेल (उत्तराखंड) अंग्रेजों के समय कुमाऊं क्षेत्र में एक प्रमुख बंदी गृह था, जहां कैदियों, विशेषकर स्वतंत्रता सेनानियों और खतरनाक अपराधियों के साथ कठोर व्यवहार किया जाता था।

बदलते वक्त के साथ इस कारागार का माहौल बदला हुआ है। कहने को तो यह उप-कारागार है, लेकिन यहां का वातावरण और कार्यसंस्कृति किसी बड़े महानगर में स्थापित आदर्श कारागार के समतुल्य ही नजर आती है। हल्द्वानी कारागार का मौजूदा जेल प्रशासन प्रयासरत है कि कैदियों की दशा में सुधार किया जाए और उन्हें प्रशिक्षित किया जाए ताकि जेल छोड़ कर जाने पर वे समाज में अच्छा जीवन बिता सकें। ताजा स्थिति यह है कि हल्द्वानी उप-कारागार में रखे गए बंदी और कैदियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिल रहा है। यानी अब कैदी पढ़ाई कर जेल से ही डिग्री पा रहे हैं।

बहरहाल अगर ब्रिटिशकाल को याद करें तो हल्द्वानी का दशकों पुराना वो कारागार आज भी यहां जर्जर भवन (नए कारागार परिसर से सटा) के रूप में दिखता है, जहां कभी डाकू सुल्ताना को अंग्रेजों ने फांसी के फंदे पर लटका दिया था। सुल्ताना डाकू का बयान (द कंफेशन ऑफ सुल्ताना डाकू) प्रसिद्ध लेखक सुजीत सराफ की लिखा एक ऐतिहासिक उपन्यास है। इस उपन्यास और सुल्ताना डाकू के बारे में कई अहम जानकारियों का उल्लेख है।

दरअसल, यह उपन्यास 20 वीं सदी की शुरुआत के प्रसिद्ध बागी सुल्ताना डाकू के जीवन पर आधारित एक काल्पनिक पुनर्कथन है। इसमें वर्णन है कि अपनी फांसी से ठीक एक रात पहले, सुल्ताना एक ब्रिटिश अधिकारी (लेफ्टिनेंट कर्नल सैमुअल पीयर्स) को अपने जीवन के कारनामों, प्यार, दोस्ती और विश्वासघात की आपबीती साझा करता है।

सच्चाई यह है कि सुजीत सराफ ने सुल्ताना डकैत के चरित्र को मानवीय गहराई के साथ पेश किया है। उन्होंने इस उपन्यास में सुल्ताना के अपराधों के साथ-साथ उसके डर, अंधविश्वास और उम्मीदों को भी दर्शाया है। वास्तविक इतिहास में सुल्ताना को कैप्टन यंग ने 1923 में गिरफ्तार किया था और जून 1924 में हल्द्वानी जेल में उसे फांसी दी गई थी। हालांकि वर्तमान में इस कारागार के अभिलेखों में उस घटना का वर्णन तलाशा जा रहा है।

## जब वंशानुगत मजदूर बना लिए जाते थे कैदी

रुहेलखंड विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर (इतिहास विभाग) भारती बिष्ट ने एक रिसर्च पेपर में कुमाऊं के संदर्भ में ब्रिटिशकाल में कैदियों साथ होने वाले व्यवहार का जिक्र किया है। शोध पत्र में ब्रिटिश कुमाऊं में न्याय, पुलिस प्रशासन तथा जेल व्यवस्था को आंकलित करने का प्रयास है। उन्होंने लिखा कि उस वक्त कैदियों को वंशानुगत मजदूर बना लिया जाता था। ब्रिटिश शासनकाल के प्रारंभ में जेल प्रणाली स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, कठोर एवं चरित्रभ्रष्ट करने वाली थी। कुमाऊं क्षेत्र की प्रथम जेल अल्मोड़ा जेल थी, जिसकी स्थापना 1816 ई. में हुई थी। 1910 ई. में अल्मोड़ा में एक दूसरी छोटी जेल की स्थापना हुई। धीरे-धीरे इन जेलों की स्थिति में सुधार किए गए तथा इस बात का भी प्रयास किया गया कि कैदियों की दशा में सुधार किया जाए तथा उन्हें प्रशिक्षित किया जाए, जिससे जेल छोड़कर जाने पर वे समाज में अच्छा जीवन बीता सके।

## उपेक्षित वर्ग तक उच्च शिक्षा पहुंचाना एक बड़ी चुनौती

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक क्षेत्रीय सेवाएं प्रो. गिरिजा पांडे बताया कि शिक्षा से कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से अब जेल में बंद कैदियों को भी उच्च शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रयासों से कैदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा और रिहाई के बाद उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़ने में मदद मिलेगी।

जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार कहते हैं कि शिक्षा प्राप्त करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और उपेक्षित वर्ग तक उच्च शिक्षा पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। प्रमोद कुमार के मुताबिक, अपराधिक मानसिकता वाले कई कैदियों को उच्च शिक्षा अथवा स्व-व्यवसाय संबंधी पाठ्यक्रमों के प्रति प्रेरित करना कठिन होता है, लेकिन हम ऐसा कर रहे हैं।

इस कार्य में डिप्टी जेलर नीलम धामी अहम भूमिका निभा रही हैं। नीलम का कहना हैं कि अगर कैदियों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलेगा, तो वे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ सकेंगे। हालांकि ज्यादातर कैदियों में इस पहल को लेकर उत्साह और उम्मीद का माहौल है। वर्तमान में 675 कैदियों की क्षमता वाली इस जेल में 1148 कैदी हैं। इनमें बुजुर्ग-जवान महिला, पुरुष और इनमें से कुछ के बच्चे भी हैं। दस माह पूर्व ही एक महिला कैदी जिस पर अपनी सौतेली बेटी के कत्ल का आरोप है, ने एक बच्चे को जन्म दिया। दिलचस्प यह रहा कि इस बच्चे का नामकरण संस्कार भी जेल अधिकारियों, कर्मियों ने विधि विधान से कराया। फिलहाल अन्य कैदियों के बीच पल-बढ़ रहा यह बच्चा भी पूरे जेल का माहौल खुशनुमा बनाने की वजह बना हुआ है।

## जमीनी हकीकत बनी दशकों पुरानी सोच

सच्चाई यह है कि कैदियों के भविष्य को लेकर दशकों पुरानी सोच को अब जमीनी हकीकत बनाया जा रहा है। इसके लिए मौजूदा जेल प्रशासन ने इंदिरा गांधी और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सहयोग से हत्या और लूट जैसे अपराधों में जेल की सजा काट रहे अशिक्षित या कम पढ़े कैदियों में उच्च शिक्षा व व्यवसायिक पाठ्यक्रम के प्रति रुझान पैदा किया है। ऐसे ही प्रयास देहरादून, सितारगंज और हरिद्वार जेलों में सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) जहां देश का सबसे बड़ा और सबसे लोकप्रिय केंद्रीय मुक्त विश्वविद्यालय है वहीं, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) स्थानीय और पारंपरिक दोनों तरह के पाठ्यक्रम चलाता है। इसके लिए बकायदा उप-कारागार हल्द्वानी में बंद कैदियों के लिए जेल परिसर में ही एक विशेष अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। ऐसे में यहां निरुद्ध कैदी अब जेल की चहारदीवारी के भीतर रहते हुए भी स्नातक, स्नातकोत्तर और अन्य पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं। इसी क्रम में उप-कारागार परिसर में समय-समय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

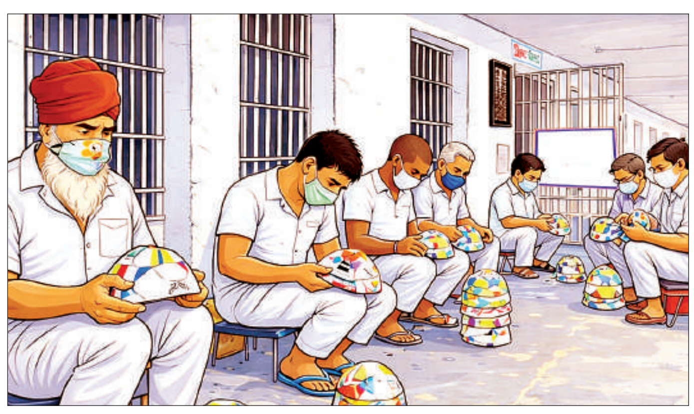

## कैदियों के हाथों से निर्मित उत्पाद

हल्द्वानी उप-कारागार में कैदी-बंदियों को रोजगार और उसके माध्यम से मुख्यधारा के साथ जोड़ने को जेल प्रशासन नई पहल कर रहा है। इसी के तहत अब उप-कारागार में बेकरी उत्पाद, केक आदि बनाए जा रहे हैं। लेखक को भी हाल ही में इस कारागार का दौरा करने के दौरान कैदियों के बनाए बेकरी उत्पाद खाने को मिला। इन उत्पादों को बाजार में भी बेचा जा रहा है। शहर के तमाम लोग जेल में बना केक काटकर अपना जन्मदिन मना रहे हैं। दरअसल यह उत्तराखंड की दूसरी ऐसी जेल है, जहां बेकरी उत्पाद बन रहे हैं।

जेल अधीक्षक ने बताया कि बेकरी उत्पादों को तैयार करने में शुद्धता और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। फिलहाल इस जेल में बेकरी उत्पादों के साथ कंप्यूटर कोर्स प्रशिक्षण, इलेक्ट्रिक झालरें बनाना, मोमबत्ती व अगरबत्ती बनाना, सिलाई प्रशिक्षण, चित्रकारी व पेंटिंग और वाद्य यंत्रों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि जेल से निकलकर कैदी स्वावलंबी बन सकें।

## सामाजिक संस्कारों के प्रति भी प्रेरित करने को चलती हैं गतिविधियां

यहां कारागार में आकर भी न सुधरने वाले कैदियों के साथ, जहां सख्ती से पेश आया जाता है वहीं, सकारात्मक मानसिकता वाले कथित अपराधियों को शिक्षा, स्वव्यवसाय के साथ सामाजिक संस्कारों के प्रति भी प्रेरित करने की गतिविधियां होती हैं। उदाहरण के तौर पर बीते दिनों अलग-अलग धर्म से जुड़े कैदियों ने मिलकर होली मनाई और एक दूसरे के ही नहीं उन्हें जेल के उच्च अधिकारियों के भी गले लगने का अवसर मिला। ऐसा ही आपसी सौहार्द ईद के मौके पर देखने को मिला। वहीं, करवाचौथ पर हल्द्वानी उप-कारागार में बंद महिला बंदियों की आस्था देखते बनी। जेल में बंद महिला बंदियों ने भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ करवाचौथ का व्रत रखा और अपने पतियों की सलामती की कामना की।

जेल प्रशासन की ओर से व्रत के लिए आवश्यक सभी सामग्री जैसे साज-सज्जा का सामान, पूजा थाल, करवा, सिंदूर और मेहंदी आदि उपलब्ध कराए गए थे। बाकायदा महिला बंदियों ने हाथों में मेहंदी रचाई और शाम को भगवान शिव-पार्वती की विधि-विधान से पूजा की। चांद निकलने इन महिला कैदियों ने अर्घ्य अर्पित कर उपवास खोला। इस दौरान जेल का माहौल पूरी तरह भावनात्मक और आध्यात्मिक नजर आया। दिलचस्प तो यह रहा कि करवाचौथ वाले दिन बाहर से कई सुहागन महिलाएं अपने-अपने बंदी पतियों से मुलाकात करने यहां पहुंची और उनका आशीर्वाद लिया।

# तानाशाह का प्रमाद युद्ध का उन्माद

हरी-भरी वसुंधरा दिग्दिगंत को अपनी खूबसूरती और खुशबू से आलोकित करती रहती है। दिन में सूरज रात में चांद-सितारे इस संसार को रौशन करते हैं, सुकून देते हैं। कुदरत का नूर अंधेरे में भी बरसता है। दिन में बहुरंगे पंछियों के झुंड अपने कलरव से सन्नाटे को सुरीला बनाते हैं, तो रात में जुगनुओं की टिमटिमाहटें अंधेरे में रौशनी की झालर टांक देती है। रात नदी-सी बहने लगती है। बहती-बहती रात बहुत धीरे-से खुलते हुए दिन की बाहों में उजली हंसी खिलखिलाती उतर जाती है। दिन लहालोट हो धरती और आसमान से गलबहियां करता पूरब से सूरज की लालटेन उठाकर चलते-चलते सांझ होते ही थककर निढाल हो जाता है और पश्चिम के आगोश में समा जाता है। एक ही आसमान की पूरब और पश्चिम दिशाएं उदयाचल-अस्ताचल बन जाती है। आसमान एक, सूरज एक, धरती एक और इसी एक के खंड-खंड दावेदार अनेक हो जाते हैं। अपने-अपने अहंकार में जीते हुए यही अनेक स्वयं को ताकतवर और सब कुछ के नियंता मान बैठते हैं। अहंकार और भ्रम आदमी को पाखंडी बनाता है। धरती, प्रकृति और अदृश्य से सब कुछ प्राप्त करता हुआ आदमी जाने क्यों सच को भूलकर झूठ के फरेब में फंसता ऐसा भ्रमित और अंधा हो जाता है कि उसे अपने होने का मूल ही नहीं दिखाई पड़ता है।

डॉ. संजय पंकज
वरिष्ठ साहित्यकार

भ्रम में फंसा हुआ आदमी उन्मादी होता है और उन्माद पर सवार आदमी आदमी नहीं शैतान बन जाता है। धरती और प्रकृति शैतान को शायद अच्छी नहीं लगती है तभी तो वह इसे नष्ट और तबाह करने पर उतारू हो जाता है। बुद्धि और बल पर विवेक की पहरेदारी जब तक रहती है दोनों सही रास्ते पर होते हैं। विवेकहीन मनुष्य निरंकुश होकर किस हद तक जाएगा अनुमान लगाना कठिन हो जाता है। प्रकृति ऋतु-परिवर्तन में अंगड़ाई लेती धरती और आसमान में अलग-अलग नजारे बिखेरती है। जल से भरे काले-काले बादलों की उमड़-घुमड़ दिशाओं को उत्फुल्ल, धरती को धन्य और प्राणियों को कृतार्थ करती है। आसमान में असमय जो धुआं -धुआं कालिमा घिरती-मंडराती है वह धरती को दहलाती, दिशाओं को बेंधती और प्राणियों को लहूलुहान करती है। प्रकृति के सजल बादल और शैतान के बारूदी करिश्में जीवन-मृत्यु के हंसी-रुदन हैं।

छीनकर हंसी करुण क्रंदन से दिशाओं को संतप्त करती, धरती पर अंगारे बरसाती सत्तासीन विकृत मानसिकता का क्रूर-कुटिल षड्यंत्र युद्ध के उन्माद में अट्टहास कर रहा है। यह अट्टहास रावण का है, दुर्योधन का है, कंस का है। सृष्टि के प्रारंभ से आज तक जाने कितने और कैसे-कैसे भीषण युद्ध हुए हैं। युद्ध हुए भी और रुके भी! आज कहीं नहीं हैं वे उन्मादी योद्धा, निरंकुश शासक, क्रूर तानाशाह! धरती, आसमान, प्रकृति और दिशाएं आज भी हैं। आज भी सूरज, चांद, सितारे हैं। नदी, समुद्र और पर्वत हैं। बच्चों की हंसी, पसीने का नमक, आंसू का खारापन और मां का वात्सल्य आज भी है। आज भी लहालोट होने के लिए तैयार है धरती, उजाला भर देने के लिए दिन और नींद की गोद में समेट लेने के लिए रात! दादागिरी की धौंस में अकड़ती हुई कुटिल मानसिकता को प्रकृति की खूबसूरती नहीं चाहिए तभी तो वह इसे नष्ट करने पर अपने कृत्रिम संसाधनों के बल पर अहंकार करती हुई उतारू है। रावण के अहंकार का परिणाम स्वर्ण नगरी लंका को झेलना पड़ा। महाभारत के विजेताओं की त्रासदी शोक निमग्न हुई और हस्तिनापुर की हस्ती धरी की धरी रह गई। समय के अनेक योद्धाओं के नामोनिशान नहीं रहे। प्रकृति से विलग होकर जीवन के यथार्थ को नहीं समझने वाला मनुष्य अराजक, हिंसक और मूढ़ हो जाता है। अहंकार और मोह में डूबा हुआ आदमी धृतराष्ट्र हो जाता है। अहंकार का दुष्परिणाम पौराणिक काल से लेकर वर्तमान काल तक के बेमतलब के होते हुए युद्धों में देखा-समझा जा सकता है। आखिर कोई कब तक लड़ेगा? कब तक जिंदा रहेगा? एक दिन चलते-चलते थक जाता है आदमी! जीते-जीते समाप्त हो जाता है जीवन! दुनिया का बड़ा से बड़ा युद्ध रुका है मगर अपने पीछे भयंकर अनिष्ट को छोड़ गया है।

## तानाशाही प्रवृत्ति की क्रूरता से बर्बाद हुए कई देश

कहते हैं कि कुरुक्षेत्र के मैदान में इतने रक्तपात हुए कि आज भी उसकी मिट्टी रक्तवर्णी है। कलिंग विजय के अभियान में खून की नदी बह गई थी, जिसे देखकर अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और वह अहिंसा की राह पर निकल पड़ा। धरती हिरोशिमा और नागासाकी के जले हुए घाव को लेकर आज भी कराह रही है। आज भी तड़प रही हैं अनेक माताएं, आंसुओं में डूबे पिता अपने क्रंदन से दिशाओं को व्यथित कर रहे हैं, बहनें भाई का इंतजार कर रही हैं, तो अनाथ बच्चे मां-बाप के साथ हंसते-खेलते बच्चों को देखकर करुणा से भरकर बेकरार हो रहे हैं। युद्ध ने उजाड़ा है, बिगाड़ा है, नष्ट किया है। युद्ध में मारे गए अबोध और भोले-भाले बच्चे जो नहीं जानते शासक के क्रूर मतलबपरस्ती को। मारी गई फूलों-सी खिलखिलाती बेटियां, राख में तब्दील हो गई हरियाली, कालिमा से भर गई उजली घाटी, जहरीला हो गया आसमान, लहूलुहान होती रही अभिशप्त धरती। शून्य से फूटती सिसकियां साहिर लुधियानवी के शब्दों में पूछ रही हैं – ऐ रहबरे मुल्कों कौम जरा, आंखें तो उठा नजरें तो मिला, कुछ हम भी सुने हमको भी बता, ये किसका लहू है कौन मरा? तानाशाही प्रवृत्ति की क्रूरता से कई देश बर्बाद हुए, असंख्य लोग मारे गए, अपने मुल्क को छोड़कर भागे हुए लोग दर-दर भटकते हुए त्रासद जिंदगी को जीने की विवशता झेल रहे हैं, नदियां प्रदूषित हो गईं,धरती जहरीली हुई, संस्कृतियां छिन्न-भिन्न हो गईं। खंडहरों में जीवाश्म तलाशता भविष्य इतिहास की विपदाओं की गाथा सुनाता रहेगा। जैसे उन्मत्त और मदांध हाथियों का झुंड दूर्वादल को रौंद देता है, तोड़ता है वृक्षों की टहनियां और चींथ देता है लताओं को वैसे ही युद्ध की विभीषिकाएं मलवों में बदल देती हैं खूबसूरत घरों को, राख कर देती हैं हरे-भरे बाग-बगीचों के फूलों और तितलियों को, चीथड़े उड़ा देती है कोमल बच्चों के, जलते और सड़ते हुए जान-माल की मिश्रित बदबूओं से घिनौना कर देती हैं धरती को। हर रात की सुबह होती है। अंधेरा छंटता है और उजाला भी आता है, मगर उजाले में घुली होती हैं धुंधली-धुंधली सिसकियां। हर युद्ध की तरह आज भी हो रहे युद्ध रुकेंगे। कल नहीं रहेंगे लड़ने वाले, लड़वाने वाले। लड़ रहा है रूस और यूक्रेन, अमेरिका और ईरान। कई और देश भी युद्ध में हैं। शांतिप्रिय देश भी अशांत और तबाह हो रहे हैं। धरती की संपत्ति पर तानाशाह अपना अधिकार जताता है, ताकतवर अमेरिका छीन लेना चाहता है औरों की प्राकृतिक सुविधाओं को भी। किसी भी देश के नागरिक नहीं चाहते हैं युद्ध। वे चाहते हैं कि बची रहे उनके बच्चों की दूधिया हंसी, मां का बचा रहे वात्सल्य और बचा रहे स्त्रियों का खनकता हुआ प्यार। बची रहे प्रकृति की हरियाली और नमी। पल-पल बदलते प्राकृतिक परिवेश में सब जानते हैं कि यहां कुछ भी स्थाई नहीं है, फिर भी संग्रह की गहरी पिपासा में डूबे हुए लोग सब का सब कुछ छीन लेना चाहते हैं। छोटे से जीवन में बड़े-बड़े बवालों के विध्वंसक निर्माता हो जाते हैं वे। जनता की चाहना से तानाशाही प्रवृत्ति का नालायक शासक नावाकिफ होता है, वह तो केवल अपने अहंकार पर सवार होकर मनमाना करता है। वह मिटा देना चाहता है अतीत के गौरव को, धरती के वैभव को और इतिहास के सच को। हर समय के तानाशाह ने यही तो किया है, फिर तो आज के तानाशाह को भी मटियामेट करेगा आने वाले समय का तानाशाह।

### क्यों अपने को बार-बार दोहराता है इतिहास

कितना सच कहा है किसी ने कि हम इतिहास से यही सीखते हैं कि इतिहास से हम कुछ नहीं सीखते। क्यों बार-बार दोहराता है इतिहास अपने को? क्यों लड़ रहे हैं लोग? प्रकृति जब कभी भी ऊबकर, क्षुब्ध होकर अपनी हल्की ताकत दिखलाती है, तो चारों तरफ हाहाकार मच जाता है। आदमी के ज्ञान-विज्ञान का गुरुर क्षण भर में ध्वस्त हो जाता है। दर्शन, साहित्य और इतिहास से अलग होकर राजनीतिक दृष्टि से अगर युद्ध को देखें तब भी यह प्रकृति और मानवता का शत्रु ही दिखेगा। युद्ध के पक्ष में कभी जनमत नहीं होता है। व्यक्तिगत आकांक्षा, इच्छा, अभीप्सा, ऐषणा और प्रवृत्ति होती है। लोकतांत्रिक प्रणाली में नारों और जयकारों के बीच झंडाबरदार जनता उन्मादी हो जाती है, तो विजयी नेतृत्व निरंकुश और तानाशाह हो जाता है। खूबसूरत धरती पर सबको जीने का नैसर्गिक अधिकार है। प्रकृति के सौंदर्य को नष्ट करने का हक किसी को नहीं मिला है। धरती और प्रकृति समस्त प्राणियों के स्वतंत्र जीवन-वैभव और परस्पर सहयोग से ही खूबसूरत बनी रहती है तथा धन्य होती है।

साइनस एक ऐसा शब्द है, जिसे हम सभी ने सुना है, लेकिन इसकी गहराई बहुत कम लोग समझते हैं। साइनस वास्तव में खोपड़ी के अंदर मौजूद छोटे-छोटे एयर-फिल्ड कैविटी होते हैं, जो नाक को हल्का रखते हैं, हमारी आवाज को गूंज देते हैं और सांस की नली को नम बनाए रखते हैं। जब इन कैविटी में सूजन, कफ या संक्रमण भर जाता है, तो इसे साइनस की समस्या या साइनुसाइटिस कहा जाता है। आजकल प्रदूषण, धूल, ठंडी हवा और कमजोर इम्युनिटी के कारण हर उम्र के लोग इस समस्या से प्रभावित हो रहे हैं।

## क्या है साइनस

साइनस हमारे सिर (खोपड़ी) के अंदर मौजूद छोटे-छोटे खोखले स्थान (Air-filled cavities) होते हैं, जो नाक के आसपास स्थित होते हैं। ये चार प्रकार के होते हैं–मैक्सिलरी साइनस (गालों के पास), फ्रंटल साइनस (माथे में), एथमोइड साइनस (आंखों के बीच) और स्फेनॉइड साइनस (खोपड़ी के केंद्र में)। इनका मुख्य कार्य हमारी आवाज को गूंज देना, नाक को हल्का रखना, सांस की नली को नम बनाए रखना और धूल व बैक्टीरिया को फिल्टर करना होता है।
जब इन साइनस कैविटी में सूजन आ जाती है या इनमें कफ/म्यूकस भर जाता है, तो यह स्थिति साइनुसाइटिस कहलाती है। यह समस्या बैक्टीरियल, वायरल या एलर्जिक कारणों से हो सकती है।

## साइनस के मुख्य लक्षण

साइनस के लक्षण व्यक्ति को काफी परेशान कर सकते हैं और कई बार सामान्य सर्दी-जुकाम से भी अधिक गंभीर महसूस होते हैं। इसके प्रमुख लक्षण इस प्रकार हैं–

- लगातार सिरदर्द, विशेषकर माथे, आंखों के नीचे या बीच में
- नाक बंद रहना या सांस लेने में कठिनाई
- आंखों के आसपास दबाव या भारीपन महसूस होना
- गले में कफ जमना
- आवाज में बदलाव (नाक से बोलने जैसा या भारी आवाज)
- थकान और कमजोरी
- कभी-कभी हल्का बुखार
- यदि ये लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो यह क्रॉनिक साइनस का संकेत हो सकता है।

## कई कारण जिम्मेदार साइनस होने के पीछे

- धूल, प्रदूषण और एलर्जी
- ठंडी हवा या एसी का अधिक उपयोग
- बार-बार कम अंतराल में सर्दी-जुकाम होना
- शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होना
- नाक की संरचना में समस्या (जैसे डेविएटेड नेजल सेप्टम)
- अधिक ठंडी चीजों का सेवन
- कम पानी पीना, इन कारणों को समझना और उनसे बचाव करना साइनस के उपचार जितना ही महत्वपूर्ण है।

## आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से साइनस

आयुर्वेद में साइनस को "प्रतिश्याय" या "कफ दोष" से संबंधित समस्या माना गया है। कफ का असंतुलन ही साइनस का मुख्य कारण होता है। आयुर्वेद में पंचकर्म (विशेषकर नस्य कर्म), काढ़े, हर्बल औषधियों और जीवनशैली में सुधार के माध्यम से साइनस का स्थायी उपचार संभव है। योग और प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी भी साइनस में अत्यंत लाभकारी माने जाते हैं।

# साइनस का आयुर्वेदिक उपचार

## पंचकर्म, योग और आहार का महत्व

नाक के आसपास चार प्रकार के साइनस होते हैं–मैक्सिलरी साइनस (नाक के दोनों किनारों पर), एथमोइड साइनस (आंखों के बीच), फ्रंटल साइनस (माथे में) और स्फेनॉइड साइनस (खोपड़ी के केंद्र में)। इनका मुख्य कार्य आवाज को रेजोनेट करना, नाक को नम रखना, संक्रमण से बचाव करना, हवा को फिल्टर करना और खोपड़ी का वजन हल्का बनाए रखना है। जब साइनस में सूजन आ जाती है, तो कई परेशान करने वाले लक्षण दिखाई देते हैं जैसे लगातार सिरदर्द (खासतौर पर माथे, आंखों के नीचे या बीच में भारीपन), नाक बंद रहना, आंखों में दबाव या भारीपन महसूस होना, गले में कफ जमना जिसे पोस्ट नेजल ड्रिप कहते हैं और आवाज में बदलाव (भारीपन या नाक से बोलने जैसी आवाज)। ये लक्षण दिनचर्या को काफी प्रभावित करते हैं। साइनस बढ़ने के पीछे ठंडी हवा, एसी का अधिक उपयोग, धूल और पराग से एलर्जी, बार-बार सर्दी-जुकाम, कमजोर इम्युनिटी, प्रदूषण और कम पानी पीना मुख्य कारण होते हैं। इसलिए इन कारणों से बचाव और सही दिनचर्या अपनाकर साइनस की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। आज के समय में साइनस की समस्या तेजी से बढ़ती हुई एक सामान्य, लेकिन कष्टदायक बीमारी बन चुकी है। पहले यह समस्या सीमित लोगों तक ही रहती थी, लेकिन अब बदलती जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण, धूल-मिट्टी, ठंडी हवा, एसी का अत्यधिक उपयोग और कमजोर होती प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण हर उम्र का व्यक्ति इससे प्रभावित हो रहा है। साइनस केवल एक साधारण जुकाम नहीं है, बल्कि यह हमारी दिनचर्या, कार्यक्षमता और मानसिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। अच्छी बात यह है कि इसके लिए कई प्रभावी घरेलू उपाय मौजूद हैं, जिन्हें अपनाकर इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित और ठीक किया जा सकता है।

### बचाव के उपाय

- धूल और प्रदूषण से बचाव करें
- ठंडी चीजों का सेवन कम करें
- नियमित रूप से भाप लें
- इम्युनिटी मजबूत रखें
- पर्याप्त पानी पिएं

### योग और प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करें

साइनस एक आम, लेकिन गंभीर समस्या बन सकती है, यदि इसे समय पर नियंत्रित न किया जाए। हालांकि इसके लिए हर बार दवाइयों पर निर्भर रहना जरूरी नहीं है। सही घरेलू उपाय, संतुलित आहार, अच्छी जीवनशैली और आयुर्वेदिक पद्धतियों को अपनाकर इस समस्या को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

यदि आप नियमित रूप से इन उपायों का पालन करते हैं, तो न केवल साइनस से राहत मिलेगी, बल्कि आपकी समग्र स्वास्थ्य स्थिति भी बेहतर होगी। इसलिए आज से ही इन आसान उपायों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

रोगों के उपचार और जनजागरूकता के क्षेत्र में रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय का आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ समन्वित करते हुए साइनस जैसी समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यहां अनुभवी चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के आधार पर रोग की जड़ तक पहुंचकर व्यक्तिगत उपचार प्रदान किया जाता है। संस्थान में विशेष रूप से पंचकर्म चिकित्सा (जैसे नस्य कर्म), हर्बल औषधियों और आयुर्वेदिक काढ़ों के माध्यम से साइनस (प्रतिश्याय) का प्रभावी उपचार किया जाता है। साथ ही, रोगियों को सही आहार-विहार (Diet & Lifestyle) और योग-प्राणायाम की जानकारी देकर दीर्घकालिक राहत सुनिश्चित की जाती है। समय-समय पर संस्था द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, परामर्श सेवाएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ पहुंच सके। साइनस जैसी समस्याओं के लिए संस्था न केवल उपचार प्रदान करती है, बल्कि लोगों को प्राकृतिक और सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित भी करती है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश +91 8077808309

## साइनस के प्रभावी घरेलू उपाय

अब हम जानते हैं उन सरल और प्रभावी घरेलू उपायों के बारे में, जो साइनस की समस्या में बेहद लाभकारी सिद्ध होते हैं–

**भाप लेना–** भाप लेना साइनस के लिए सबसे आसान और तुरंत राहत देने वाला उपाय है। गर्म भाप कफ को ढीला करती है और बंद नाक को खोलने में मदद करती है। आप पानी में अजवाइन या नीलगिरी तेल की कुछ बूंदें मिलाकर भाप ले सकते हैं। दिन में 1-2 बार भाप लेने से काफी राहत मिलती है।

**सलाइन वॉश (नमक पानी से नाक की सफाई)–** नमक के हल्के घोल से नाक धोना (जैसे नेति क्रिया) एक वैज्ञानिक और प्रभावी तरीका है। इससे नाक के अंदर जमा धूल, एलर्जी कण और कफ साफ हो जाते हैं। यह उपाय संक्रमण को रोकने में भी मदद करता है।

**हल्दी वाला दूध–** हल्दी में प्राकृतिक एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से सूजन कम होती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

**अदरक और शहद का सेवन–** अदरक में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं और शहद में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। दोनों मिलकर कफ को पतला करते हैं और गले को आराम देते हैं। दिन में 2 बार अदरक का रस और शहद मिलाकर लेना लाभकारी होता है।

**गर्म सेक–** माथे और नाक के आसपास गर्म कपड़े से सेक करने से साइनस प्रेशर कम होता है। यह ब्लॉकेज खोलने और दर्द से राहत देने में मदद करता है।

**तुलसी का काढ़ा–** तुलसी में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। तुलसी का काढ़ा पीने से संक्रमण कम होता है और इम्युनिटी मजबूत होती है।

**नीलगिरी ऑयल–** नीलगिरी तेल की कुछ बूंदें भाप में डालकर लेने से इसकी सुगंध तुरंत नाक की नलियों को खोलती है और सांस लेना आसान बनाती है।

**लहसुन का सेवन–** लहसुन एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है। इसे खाली पेट खाने से बैक्टीरियल संक्रमण कम होता है और साइनस में जमा कफ सूखने से बचता है।

**फुट मसाज–** पैरों के अंगूठे और बीच के हिस्से पर हल्का दबाव देने से साइनस के प्रेशर पॉइंट सक्रिय होते हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और राहत मिलती है।

**हाइड्रेशन (गर्म पानी पीना)–** दिनभर पर्याप्त मात्रा में गर्म पानी पीना बेहद जरूरी है। इससे कफ पतला रहता है और साइनस ब्लॉकेज नहीं होता। यह सबसे सरल, लेकिन सबसे प्रभावी उपायों में से एक है।

---

**विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल विशेष)**

# स्वस्थ जीवन का आधार जीवनशैली में बदलाव

लगभग तीन दशक पहले बच्चों और खासकर युवाओं की जीवनशैली बिल्कुल भिन्न थी। आज विश्व में शायद ही कोई ऐसा घर हो, जिसमें बच्चे मोबाइल स्क्रीन के बिना दूध पीते हों या खाना खाते हों। आज भौतिक सुख-सुविधाओं को जुटाने की होड़ में अधिकांश लोगों की जीवनशैली यानी दैनिक दिनचर्या में भारी बदलाव आ गया है। स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली बैड लाइफ स्टाइल का तात्पर्य अस्वस्थ जीवनशैली या गलत दिनचर्या से है। गलत दिनचर्या के परिणामस्वरूप दुनिया में बड़ी संख्या में आबादी खासकर कामकाजी युवा पीढ़ी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक समस्याओं की गिरफ्त में आ गई है। आधुनिक लाइफस्टाइल के चलते लोग कई तरह की बुरी आदतों का शिकार हो चुके हैं, जिनका असर उनके स्वास्थ्य पर साफ दिखाई पड़ता है। एक ओर औद्योगिक क्रांति से हमारी दैनिक दिनचर्या सुगम हुई है, वहीं घंटे मोबाइल और टीवी देखना, आवश्यकता से अधिक भोजन यानी ओवर ईटिंग करना, मद्यपान और धूम्रपान का सेवन करना, शारीरिक श्रम से बचना जैसी आदतें न केवल व्यक्ति को रोगी बना रही हैं, बल्कि देश की उत्पादकता एवं प्रगति में गिरावट, स्वास्थ्य प्रणाली पर अनावश्यक बोझ और सबसे ऊपर परिवार में आर्थिक संकट जैसी विकट स्थितियां भी पैदा हो रही हैं।

डॉ. कृष्णा नंद पांडेय
वरिष्ठ विज्ञान लेखक

### बच्चों और युवाओं में बदलती जीवनशैली के दुष्परिणाम

वर्तमान दौर में 5 से 14 वर्षीय बच्चों में मोबाइल और कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से गेम्स खेलने और मनोरंजन देखने का चलन तेजी से बढ़ा है। इसके कारण आउटडोर खेलों में कमी और जंक फूड, चॉकलेट व मीठे पेयों के अधिक सेवन से अनेक स्वास्थ्य समस्याएं उभर रही हैं। इनमें दांतों की सड़न, विटामिन-डी की कमी, मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और आयरन की कमी प्रमुख हैं। अधिक स्क्रीन टाइम से ध्यान-एकाग्रता में कमी और नींद-चक्र प्रभावित होता है। इसी प्रकार 15 से 35 वर्षीय युवाओं में अनियमित खानपान, देर रात जागना, धूम्रपान, मद्यपान और नशीली दवाओं के सेवन के कारण मोटापा, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, प्री-डायबिटीज और उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ रहा है। महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम भी देखा जा रहा है। शारीरिक गतिविधि की कमी और स्क्रीन पाश्चर के कारण पीठ, गर्दन व कमर दर्द, मानसिक तनाव, थकान और अनिद्रा जैसी समस्याएं आम हो गई हैं।

### महिलाओं में बदलती लाइफस्टाइल

महिलाओं में बढ़ते ब्लड शुगर लेवल, नियमित व्यायाम में कमी, शरीर भार बढ़ने, शारीरिक निष्क्रियता, पर्याप्त नींद नहीं लेने जैसी स्थितियां पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम का कारण बनती हैं। इसके लक्षणों में अनियमित रक्तस्राव, बंध्यता, इंसुलिन के प्रति प्रतिरोध, आदि जैसी समस्याएं शामिल हैं। महिलाओं को लो ग्लाइसीमिक इंडेक्स यानी रक्त में शर्करा का स्तर स्थाई बनाए रखने के लिए आहार में साबुत अनाजों, फलों और सब्जियों को शामिल करना चाहिए। मीठे पेय पदार्थ, व्हाइट ब्रेड, प्रोसेस्ड नाश्ते, जैसे खाद्यों से बचना चाहिए। ओमेगा-3 फैटी एसिड्स, एंटीऑक्सीडैंट्स तथा रेशा यानी फाइबर बहुल खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ाना चाहिए। नियमित व्यायाम, प्रतिदिन कम से कम 20-30 मिनट पैदल चलने, बागवानी, आदि जैसी शारीरिक सक्रियता इस समस्या को दूर करने में सहायक हो सकती है।

### बुजुर्गों में जीवनशैली में बदलाव के परिणाम

प्रौढ़ और 60 वर्ष से अधिक आयु के बड़े-बुजुर्ग भी खराब जीवनशैली के कारण उभरने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बच नहीं सके हैं। उनमें पौष्टिक भोजन के अभाव, शारीरिक सक्रियता और व्यायाम में कमी, नमक, चीनी, तेल की अधिकता वाले खाद्यों का अधिक सेवन करने, आवश्यक दवाइयों के अनियमित सेवन जैसी स्थितियों में हृदय रोग, स्ट्रोक यानी दौरा पड़ने, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज़ पर नियंत्रण में कमी, ऑस्टियोआर्थराइटिस यानी जोड़ों में दर्द, मांसपेशी की शक्ति में गिरावट, शरीर में कैल्शियम, विटामिन डी का स्तर कम होने, कब्ज, पाचन समस्या, भूलने की आदत, सामाजिक अलगाव जैसे गंभीर दुष्परिणामों के उदाहरण आम मिलते हैं।

### हार्ट अटैक के अदृश्य खतरे

हाल ही में दिल्ली स्थित जीबी पंत हॉस्पिटल के शोधकर्ता डॉ. मोहित दयाल गुप्ता द्वारा 5000 भारतीय रोगियों पर किए गए विश्लेषण से यह निष्कर्ष सामने आया है कि वर्तमान जांच विधियों से प्राप्त परिणामों में लगभग 80 प्रतिशत मामलों में हार्ट अटैक का खतरा लक्षणरहित रूप में बना रहता है। इसका मुख्य कारण यह है कि प्रचलित जांच प्रणाली पश्चिमी देशों की आबादी के आधार पर विकसित की गई है, जो भारतीय रोगियों के लिए पूरी तरह उपयुक्त नहीं है। भारतीय और दक्षिण एशियाई लोगों में कम उम्र में ही हार्ट अटैक का खतरा उभरने लगता है। सामान्य वजन होने के बावजूद मधुमेह और इंसुलिन प्रतिरोध इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही, कोलेस्ट्रॉल का स्वरूप भी भ्रामक होता है– एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) अधिक न होने पर भी एचडीएल (गुड कोलेस्ट्रॉल) का कम स्तर और ट्राइग्लिसराइड्स का बढ़ा स्तर जोखिम बढ़ाता है। दुबले व्यक्तियों में भी पेट के आसपास छिपी चर्बी (हिडेन फैट) खतरा पैदा कर सकती है। इसके अलावा धूम्रपान, मादक द्रव्यों का सेवन और मानसिक तनाव जैसे कारक जोखिम को और बढ़ाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित जांच, पारिवारिक इतिहास पर ध्यान और समय रहते उपचार अपनाकर हार्ट अटैक के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

### संतुलित आहार के लिए प्रयास

जंक फूड सेवन की आदत से पूरी तरह से छुटकारा पाना मुश्किल तो है पर असंभव कदापि नहीं। कुछ उपायों को अपनाकर जंक फूड के स्थान पर स्वस्थ संतुलित एवं पौष्टिक आहार का सेवन व्यावहारिक बनाया जा सकता है :

- जंक फूड के हानिकारक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्यवर्धक वैकल्पिक खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्यों को समझें। यह आपको उनका बार-बार सेवन करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।
- जंक फूड के विकल्प खोजें। उदाहरण के लिए, आलू चिप्स, कुरकुरे की जगह भुना हुआ मखाना, पॉपकॉर्न लिया जा सकता है।
- सप्ताह भर हेल्दी फूड के सेवन के लिए एक चार्ट तैयार कर उसका सख्ती से पालन करें।
- फास्ट फूड खाने की अपनी तीव्र इच्छा को संतुष्ट करने के विकल्प के रूप में मौसमी फलों का सेवन करें।
- बाजार में आसानी से उपलब्ध भुना चना, कॉर्न, धोकला, इडली जैसे स्वस्थ वैकल्पिक नाश्तों/स्नैक्स का चयन करें।

### जंक फूड का बढ़ता चलन चिंताजनक

जंक फूड अपने स्वादिष्ट स्वाद और प्रिजर्वेटिव के रूप में प्रयुक्त आकर्षक एवं स्वादिष्ट मसालों के कारण बच्चों ही नहीं युवाओं और बुजुर्गों में भी लोकप्रिय है, लेकिन पौष्टिक तत्वों की कमी के कारण वह अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बनता है। बढ़ते बच्चों की वृद्धि एवं उनके समुचित विकास के लिए, युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने और बुजुर्गों को निरोगी, दीर्घायु होने के लिए स्वस्थ (हेल्दी) एवं संतुलित भोजन का नियमित सेवन ही एकमात्र रास्ता है। यह आपको पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखता है। जंक फूड के सेवन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना अब आसान तो नहीं है, पर बच्चों, युवाओं को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में जंक फूड को सीमित मात्रा में सेवन करने के साथ-साथ उन्हें चुस्त-दुरुस्त, सेहतमंद बनाए रखने के लिए स्थायी खान-पान की आदतें अपनाने और नियमित व्यायाम करने को प्रोत्साहित करना आज समय की मांग है।

---

## साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

**मेष**
यह सप्ताह जीवन में नए अवसरों का द्वार खोलने वाला साबित होगा। यदि आप लंबे समय से रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत हैं, तो आपको इस हफ्ते मनचाहा रोजगार मिल सकता है। यदि आप पहले से किसी जगह पर कार्यरत हैं, तो योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर सफलता एवं प्रगति होगी।

**वृष**
इस सप्ताह कोई भी कदम अपनी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर उठाने की आवश्यकता रहेगी। भूलकर भी आवेश में आकर या फिर भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय न लें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है। अपनी सेहत और संबंध पर विशेष ध्यान दें।

**मिथुन**
यह सप्ताह अत्यधिक शुभ और लाभप्रद रहने वाला है। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। कुल मिलाकर समय आपके आंतरिक संसाधनों में वृद्धि का संकेत दे रहा है। इस सप्ताह सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर आप बड़ी धनराशि खर्च कर सकते हैं।

**कर्क**
यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है। इस सप्ताह आपके लिए पूर्वार्ध की अपेक्षा उत्तरार्ध ज्यादा शुभता और लाभ लिए रहने वाला है। ऐसे में अपने महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध का समय चुनें। भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति के क्रय-विक्रय में सावधानी बरतें।

**सिंह**
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ एवं लाभप्रद रहने वाला है। पूरा सप्ताह करियर और कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। इस सप्ताह आप अपनी सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर दिल खोलकर खर्च करेंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपका कोई बहुप्रतीक्षित सपना पूरा हो सकता है। भूमि-भवन, वाहन आदि का सुख प्राप्त होगा।

**कन्या**
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सेहत और संबंध के प्रति लापरवाह होने से बचें अन्यथा बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। यात्रा के समय खानपान और अपने सामान को लेकर सावधानी बरतें। अपनी आवश्यकताओं को बढ़ाने से बचते हुए अपने धन का उचित कार्यों के लिए सदुपयोग करने का प्रयास करना चाहिए।

**तुला**
यह सप्ताह शुभता एवं लाभ लिए हुए है। इस सप्ताह आपका कोई बहुप्रतीक्षित कार्य पूरा हो सकता है, जिसके कारण आपके घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। सप्ताह की शुरुआत अचानक से लंबी दूरी की यात्रा के योग बनेंगे। यात्रा सुखद एवं नए संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी।

**वृश्चिक**
यह सप्ताह काफी आपाधापी भरा रह सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछेक बड़ी जिम्मेदारियां आ सकती हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में हुए अचानक से बदलाव परेशानी का सबब बन सकते हैं। टारगेट को पूरा करने के लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास करने होंगे।

**धनु**
इस सप्ताह की शुरुआत से ही सोचे हुए कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे। यदि आप बीते कुछ समय से धन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे, तो इस सप्ताह किसी इष्ट-मित्र अथवा आत्मीय व्यक्ति की मदद से वित्तीय मामला सुलझ जाएगा। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो मार्केट में फंसा हुआ धन अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा।

**मकर**
इस सप्ताह कड़ी मेहनत करने पर कार्य विशेष में सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव हो पाएगी। सप्ताह की शुरुआत से कामकाज को लेकर भागदौड़ बनी रहेगी। मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह कागजी कार्य बेहद सावधानी के साथ करने की आवश्यकता रहेगी। किसी भी तरह की लापरवाही से बचें।

**कुंभ**
यह सप्ताह सामान्य फलदायी रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आपको करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। यदि आप नौकरी में बदलाव की सोच रहे थे, तो इस सप्ताह आपको किसी अच्छी जगह से ऑफर आ सकता है। इस सप्ताह सुख-सुविधा से जुड़े साधनों की प्राप्ति होगी।

**मीन**
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आप जीवन से जुड़ी किसी बड़ी समस्या का समाधान खोजने में कामयाब हो जाएंगे। इस दौरान व्यवसाय और घर दोनों जगह से जुड़े वित्तीय मामले सुलझेंगे। नौकरीपेशा लोगों को विभिन्न स्रोतों से आय होगी और संचित धन में वृद्धि होगी।

## वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

### काकुरो 53

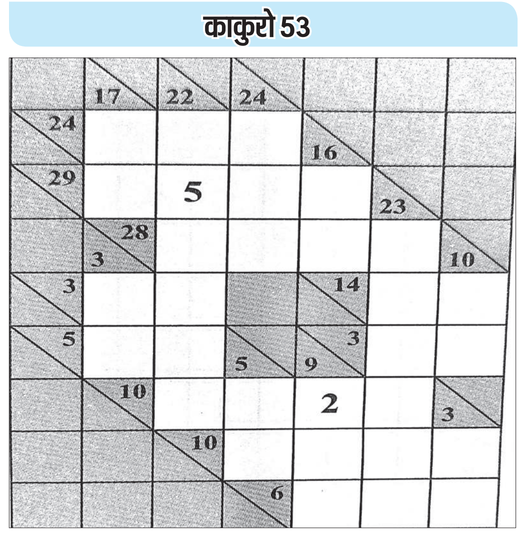

### काकुरो 52 का हल

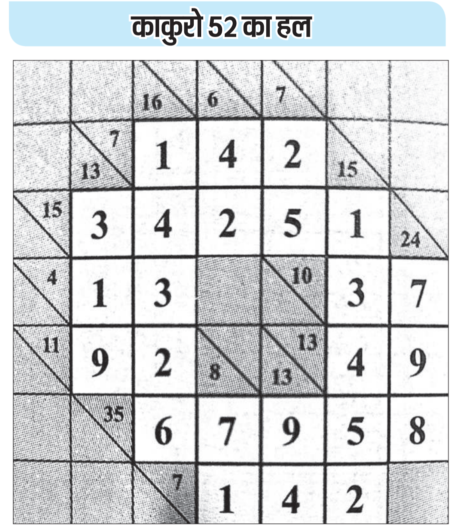

कहानी

## चुनौती

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

डॉ.अश्विनी कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हुसैनाबाद में कार्यभार ग्रहण किया था, उस समय स्वास्थ्य केन्द्र पर बड़ी अव्यवस्था थी। न तो स्वास्थ्य कर्मी समय पर अस्पताल आते और न ही अस्पताल में औषधियां मिलतीं। इसका मुख्य कारण स्वयं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तत्कालीन प्रभारी डॉ. आनंद नारायण ही थे। डॉ. आनंद सप्ताह में एक-दो दिन ही कुछ घंटों के लिए अस्पताल आते थे। यद्यपि प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी डाक्टरों के लिए प्राइवेट प्रैक्टिस को प्रतिबंधित कर दिया गया है, फिर भी डॉ. आनंद का अधिकांश समय जिला मुख्यालय में अवैध रूप से खोली गई, उनकी क्लीनिक पर ही बीतता था। वहां पर धनी नगर निवासियों के उपचार में उन्हें अच्छी कमाई हो जाती थी, जो हुसैनाबाद जैसे ग्रामीण और पिछड़े हुए कस्बे में संभव नहीं थी।

डॉ. आनंद ने हुसैनाबाद के नगर पालिका अध्यक्ष तथा कुछ अन्य असरदार लोगों से अच्छे संबंध बना रखे थे और उन्हें सरकारी औषधियां देकर खुश रखते थे। शहर में खोली गई क्लीनिक पर उपचार हेतु पहुंचने वाले हुसैनाबाद के धनी-मानी लोगों से वह फीस भी नहीं लेते थे। मगर उनके कार्यकाल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आम आदमी को न तो डॉक्टरी परामर्श ही मिलता था और न ही औषधियां ही मिल पाती थीं। उनकी अनुपस्थिति में अस्पताल में नियुक्त कंपाउंडर शिव शरण मरीजों का उपचार करते थे और इसके एवज में वह निर्धन और निरक्षर ग्रामीणों से धन की उगाही करते थे।

डॉ. अश्विनी कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हुसैनाबाद के प्रभारी चिकित्साधिकारी का कार्य भार ग्रहण करने के तत्काल बाद से ही अस्पताल परिसर में बने सरकारी आवास में रहना प्रारंभ कर दिया और एक सप्ताह बाद अपनी पत्नी और दो वर्ष के पुत्र रुद्रांश को भी हुसैनाबाद ले आए। डॉ. अश्विनी कुमार प्रातः आठ बजे ही आकर अपने कक्ष में बैठ जाते और मरीजों का परीक्षण प्रारंभ कर देते। यह देख धीरे-धीरे उनके अधीनस्थ कर्मचारियों ने भी समय पर अस्पताल आना प्रारंभ कर दिया। डॉ. अश्विनी ने औषधि वितरण पर विशेष रूप से ध्यान दिया और यह सुनिश्चित किया कि जहां तक संभव हो, निर्धन मरीजों को अस्पताल से ही औषधियां उपलब्ध करा दी जाएं। यदि अस्पताल में औषधियां नहीं हैं, तो उन्हें कम मूल्य पर मिलने वाली जेनेरिक दवाइयां लिखी जाएं।

डॉ. अश्विनी की कार्यशैली से जहां आम जनता को बड़ी राहत मिली, वहीं अस्पताल कर्मियों को असुविधा होने लगी और वे मन ही मन डॉ. अश्विनी से असंतुष्ट रहने लगे। एक दिन नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अपनी बीमार पुत्री कल्याणी को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पर आए। डॉ.अश्विनी ने कल्याणी का परीक्षण कर आवश्यक दवाएं दीं तो चंद्र प्रकाश बोले- "डॉ. साहब ! आपने हुसैनाबाद आकर अस्पताल का कायाकल्प ही कर दिया है। कस्बे के लोग आपकी कार्यशैली, ईमानदारी और सज्जनता का गुणगान करते नहीं थकते हैं।" यह सुनकर डॉ. अश्विनी हंस कर बोले-"मैं तो केवल निष्ठापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन ही कर रहा हूं आदरणीय। यह तो लोगों की सद्भावनाएं हैं, जो वे मेरी प्रशंसा करते हैं।"

"अरे भाई ! आज के घोर भौतिकवादी युग में विरले लोग ही लाभ-लोभ के फेर में न पड़कर निष्ठापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कल्याणकारी कार्य भी अब व्यावसायिकता की चपेट में आ गए हैं। आज अधिकांश डॉक्टर तो अधिकाधिक धन कमाने में लगे हैं।" "देखिए आदरणीय ! मेरा जन्म अति साधारण कृषक परिवार में हुआ। जब मैंने डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की तो मेरे निरक्षर पिता ने मुझे समझाया था कि तुम पढ़ लिखकर डाक्टर बन गए हो, यह ईश्वर की हमारे परिवार के ऊपर बहुत बड़ी कृपा है। तुम्हें ईश्वर ने इस योग्य बना दिया है कि तुम बीमार लोगों के कष्टों का निदान कर सको, तो इसमें कभी कोताही मत करना और न ही धन कमाने के लिए अनैतिक कार्य करना। तुम जीवनभर इस बात को याद रखना कि ईश्वर ने जन सेवा करने हेतु ही तुम्हें डॉक्टर बनाया है अतः जन सेवा से कभी विमुख मत होना।"

उनकी बात सुनकर चंद्र प्रकाश जी गदगद हो गए और हाथ जोड़कर बोले - "डाक्टर साहब ! हुसैनाबाद में कभी कोई दिक्कत हो, तो मुझे निःसंकोच सूचित करें। मैं यथासंभव आपकी सहायता हेतु सदैव तत्पर रहूंगा।" एक दिन शाम को लगभग साढ़े सात बजे एक नवयुवक डॉ. अश्विनी के आवास पर आया और बोला-"डाक्टर साहब ! विजय बहादुर जी के लड़के को बुखार है। उसके उपचार हेतु उन्होंने आपको बुलाया है?" "कितना बुखार है? "अभी दस मिनट पहले थर्मामीटर से देखा था, उस समय 102 डिग्री बुखार था?" "बच्चे की आयु क्या है?" " लगभग बारह वर्ष।" "उसे यहीं लेते आना चाहिए था। खैर, अब ले आओ, मैं जांच करके दवाएं लिख दूंगा।" "डॉक्टर साहब, आप वहीं चलकर बच्चे को देख लीजिए अन्यथा नेता जी नाराज हो जाएंगे।" "तुम नेता जी की नाराजगी की चिंता न करो। उनसे कहना कि मैंने बच्चे को अस्पताल लाने के लिए कहा है।" डॉक्टर साहब का उत्तर सुनकर युवक कुछ क्षण उन्हें घूर कर देखता रहा फिर तेजी से वापस लौट गया। कुछ ही देर बाद विजय बहादुर अपने दल-बल के साथ अस्पताल परिसर में आए और डॉक्टर साहब को धमकाते हुए गालियां देने लगे। उन्होंने डॉक्टर साहब को यह चुनौती भी दी कि तुम एक माह से अधिक हुसैनाबाद में टिक नहीं पाओगे।

डॉक्टर साहब शांति पूर्वक उनके अभद्र व्यवहार को सहन करते रहे और अपनी इसी बात पर वह अडिग रहे। हारकर विजय बहादुर उन्हें सबक सिखाने की धमकी देकर पैर पटकते हुए वहां से वापस चले गए। इस घटना के विषय में जिसने भी सुना, उसने डॉक्टर साहब के प्रति हमदर्दी व्यक्त की, किंतु विजय बहादुर के विरुद्ध कोई एक शब्द भी नहीं बोल सका। चूंकि विजय बहादुर द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार और डॉक्टर को हुसैनाबाद से स्थानांतरण कराने की धमकी की बात सारे कस्बे में फैल गई थी, अतः अब यह विजय बहादुर के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया था। उन्होंने डॉक्टर अश्विनी के विरुद्ध झूठी शिकायतें करवाईं और फिर राजनीतिक लोगों के पास दौड़ भाग करके बीस दिन के अंदर उनका स्थानांतरण आदेश जारी करवा दिया।

डॉक्टर साहब के स्थानांतरण आदेश के हुसैनाबाद पहुंचने की कंपाउंडर द्वारा सूचना मिलते ही विजय बहादुर ने अस्पताल के सामने ही एक जनसभा की। इस सभा में भाषण करने हेतु जैसे ही विजय बहादुर उठे, वह वहीं धड़ाम से गिर पड़े और बेहोश हो गए। उस समय डॉक्टर अश्विनी अपने परिवार को अपने पैतृक घर पर छोड़ने हेतु अपनी कार से निकल रहे थे। तभी विजय बहादुर के छोटे भाई रण बहादुर ने उनके पास आकर विनती की- "डॉक्टर साहब, मेरे भाई अचानक गिरकर बेहोश हो गए हैं। उनकी सांस भी नहीं चल रही है। कृपया उन्हें देख लीजिए।" यह सुनते ही डॉक्टर साहब कार से उतर कर भागे और विजय बहादुर को अपने मुंह से सांस देने लगे। उसके कुछ मिनट बाद वह विजय बहादुर के वक्ष को दबाने लगे। कुछ ही मिनटों में विजय बहादुर का दिल फिर धड़कने लगा और सांस सामान्य हो गई। यह देख विजय बहादुर की पत्नी ने रोते हुए डॉक्टर अश्विनी के पैर पकड़ लिए।

डॉक्टर साहब ने विनम्रतापूर्वक उन्हें अलग करते हुए कहा।- "इन्हें शीघ्र ही किसी हृदयरोग विशेषज्ञ को दिखाएं और उन्हें बता दें कि इन्हें हृदयाघात हुआ था।" यह कहकर डॉक्टर साहब जब अपनी कार में बैठने लगे तो विजय बहादुर के छोटे भाई रण बहादुर उनके पास आए और बोले- "डॉक्टर साहब, मैं इन्हें लेकर आवश्यक उपचार हेतु शहर जा रहा हूं। कृपया आप भी मेरे साथ चलें ताकि रास्ते में कोई दिक्कत होने पर आपसे इन्हें प्राथमिक उपचार मिल जाए।" "इन्हें अब कोई दिक्कत नहीं है। आप इन्हें आराम से शहर ले जा सकते हैं।" यह सुनते ही वहां सन्नाटा छा गया। तभी विजय बहादुर की पत्नी डॉक्टर साहब की कार के आगे आकर जमीन पर बैठ गईं और बोलीं- "आप जैसे देवता को हम नहीं जाने देंगे, जिसने आपको बेवजह अपमानित किया और आपका स्थानांतरण कराया, उसको आप मृत्यु के मुख से उसे वापस ले आए। आप सचमुच देवता हैं। अब जिसने आपका स्थानांतरण करवाया है, वहीं आपका स्थानांतरण रुकवाएगा अन्यथा मैं अन्न-जल त्याग दूंगी।" डॉक्टर साहब ने उन्हें समझाया कि डॉक्टर होने के नाते उनकी जान बचाना तो मेरा फर्ज था, जिसे मैंने पूरा किया है। विजय बहादुर द्वारा मुझे अपमानित किया जाना और उन्हें हृदयाघात होने पर आवश्यक उपचार देना दो अलग-अलग मुद्दे हैं। इन्हें आपस में जोड़ कर नहीं देखना चाहिए।"

तभी विजय बहादुर ने आकर हाथ जोड़कर क्षमा मांगी तो डॉ.अश्विनी बोले- "मुझे हुसैनाबाद छोड़ने का कोई दुख नहीं है। स्थानांतरण तो मेरे लिए सामान्य प्रक्रिया है। आप कृपया अपनी चुनौती को ध्यान में रखते हुए अब मुझे जाने दें। यदि आप वास्तव में अपने कृत्य पर दुखी हैं, तो यह संकल्प लें कि भविष्य में किसी व्यक्ति को मां-बहन की गालियां देकर अपमानित नहीं करेंगे। इससे मुझे खुशी होगी और यही आपका प्रायश्चित भी होगा।"

डॉक्टर अश्विनी कुमार ने वहां उपस्थित लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया और फिर कार में बैठकर कार आगे बढ़ा दी।

काव्य

### उपनिवेशी हसरतों के जंगल

फिर पनप रही हैं उपनिवेशी
हसरतें, मुंह फाड़े गुर्रा रहे हैं
शेर, सियार, भेड़िये।
लपलपाती जीभ से टपकती
लार के साथ, बढ़ रहे हैं
इंसानी बस्तियों की ओर।

उजाड़े जा रहे खूबसूरत देश,
खंडहर हो रहीं आलीशान
इमारतें, दम तोड़ रहे मासूम
बच्चे, हजारों औरतें हो गईं
विधवा, छीन लिए जीवन के
सारे रंग।
थोपी जा रही हैं कोरी नसीहतें
गरीब और कमजोर मुल्कों
पर।

धरती की कोख से उपजे
संसाधनों पर लगी है सरपंचो
की गिद्ध दृष्टि।
उनको चाहिए मिलयन-
बिलयन, अकूत दौलत, कारू
का खजाना।
इंसानियत उनके लिए बेमानी,
बाकी लोग बन रहे हैं गाजर
मूली, सलाद की तरह कटने-
खाने के लिए।
इक्कीसवीं सदी की
यही है असलियत।
मुखौटों के पीछे से दिख रही हैं
महाशक्तियों की नीयत और
सच।
युद्धों की विभीषिका हो रही
डरावनी, बौनी हो रही हैं यूएन
की संस्थाएं।
डर से कांपने लगे हैं
तीसरी दुनिया के लोग
पत्तों की तरह।

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
वरिष्ठ साहित्यकार

### बटोही चलता चल

यह गांव गया वो शहर गया,
यह पल बीता वो पहर गया
चलते रहना ही है जीवन,
है मृत्यु जहां तू ठहर गया
इसलिए बटोही चलता चल,
बस चलता चल तू चलता चल
बहते जल को ही तो कहते हैं,
सारे प्राणी गंगा जल
इसलिए बटोही...

न जाने कितने अवरोधक,
जीवन के तूने पार किए
अब तक तो तूने प्रत्युत्तर,
संघर्षों को हर बार दिए
इस बार हार कर बैठा क्यों,
निश्चित आयेगा विजयी पल
इसलिए बटोही...

माना बेशक पाया तूने,
जीवन का यह पथरीला पथ
क्या रोक सके हैं ये पत्थर,
तेरे असीम पौरुष का रथ
मैंने झुकते देखा है खुद,
तेरे सम्मुख किस्मत का छल
इसलिए बटोही...

तूने अपने साहस से ही,
दी बदल समय की दशा-दिशा
तम को निचोड़ लेकर प्रकाश,
कर दी निर्बल मुंहजोर निशा
क्यों नाहक ही व्याकुल है तू,
फिर 'व्योम' समय होगा
असफल इसलिए बटोही...

योगेन्द्र वर्मा 'व्योम'
वरिष्ठ गीतकार

### जब कमरा एक था

जब घर एक कमरे का था
खांसते-खांसते
मां हांफने लगती थी
उठ कर बैठ जाते थे पिता
पड़ोसी पूछते थे चाची की
तबीयत ज्यादा खराब है
क्या?

मां गुजर गई
गुजरते-गुजरते
पिता को दे गई
अपनी बीमारी।
अब मेरे पास बड़ा मकान है
पिता को
एक कमरा अटैच लेट्रिन-
बाथरूम दे रखा है
पिता के गले में फंसा कफ
और ऊपर से जोरों की
खांसी अब पड़ोसी न सुन
पाते।

कभी-कभार पूछ लेते
कैसे हैं चाचा।
ठीक हैं अपने कमरे में
सो रहे हैं
ऐसा कहकर मैं चला जाता
हूं दफ्तर।
आमदनी बढ़ी
कमरे बढ़े
पिता को सेट करके
जैसे बोझ उतर गया
मेरे सिर का।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

लघुकथा

## पंख वाली मां

कल्पना मनोरमा
साहित्यकार, नोएडा

मुन्ना की मां के पास पंख हैं। नहीं-नहीं, वे चिड़िया नहीं हैं और न ही उड़ती हैं। फिर भी मुन्ना को लगता है कि उसकी मां पंख वाली हैं। जब बच्चे उसकी हंसी उड़ाते, तो वह बताने लगता-जब वह उदास होता है, तो मां की गोद में बैठते ही उसे लगता है कि वह आसमान में उड़ रहा है। जब कभी डरकर नींद खुलती है, तो मां उसे ऐसे सहेज लेती हैं, जैसे कोई नरम पंखों वाली चिड़िया अपने बच्चे को ढंक लेती है।

बच्चे सुनकर और भी हंसते, कोई विश्वास नहीं करता। कई बच्चे अपनी मां के बारे में सोचते, लेकिन वैसा एहसास नहीं कर पाते। मुन्ना के पास नई किताबें नहीं थीं। पुरानी यूनिफॉर्म और टिफिन भी साधारण होता। फिर भी वह मजे से मां का दिया खाना खाता और उनकी बात याद कर हंस पड़ता-"मेरे हाथ का ताजा खाना खाएगा तो बब्बर शेर बन जाओगे।" एक दिन उसने कहा, "मां, जतिन के पास नया बैग है मुझे भी चाहिए।" मां ने मुस्कराकर कहा, "मेरे मुन्ना के पास नया दमकता हुआ दिमाग है।" मुन्ना को लगा, मां कह रही हैं, तो सच ही होगा। जब भी वह परेशानी में होता, मां हाजिर हो जातीं। एक दिन उसने पूछा, "मां, तेरे पास पंख हैं?" मां मुस्कराईं, "पंख तो हर मां के पास होते हैं।" अब मुन्ना को पूरा विश्वास हो गया कि उसकी मां सबसे अलग है। अगले दिन स्कूल में निबंध वाचन प्रतियोगिता थी। विषय था-"मेरी मां!" बच्चों ने कहा-"मेरी मां डॉक्टर हैं", "मेरी मां पुलिस में हैं", "मेरी मां बहुत सुंदर हैं।" जब मुन्ना की बारी आई, तो उसने कहा-"मेरे पास पंख वाली मां है। मेरे उठने से पहले उठ जाती है, गीत गाकर मुझे जगाती है, मेरे साथ खेलती है, घुमाने ले जाती है। उसके पंख दिखते नहीं, लेकिन होते हैं। तभी तो वे हर समय मेरे लिए सब कुछ कर लेती हैं। जब मैं बीमार पड़ता हूं, तो वे मेरे पास से हटती नहीं हैं, फिर भी सारे काम हो जाते हैं। मुझे लगता है मेरी मां बिना पंखों वाली एक सुंदर चिड़िया है।"

पूरी कक्षा चुप थी। टीचर की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा-"मुन्ना, तुमने सबसे सुंदर निबंध सुनाया है।" घर लौटकर मुन्ना ने अपनी ट्रॉफी देते हुए कहा-"ये तेरे लिए, मेरी पंख वाली मां।" मां हंस पड़ीं। मुन्ना ने देखा-मां का प्यारा आंचल फड़फड़ा रहा था, जैसे किंगफिशर चिड़िया के पंख।

किस्सा

## ड्यूटी

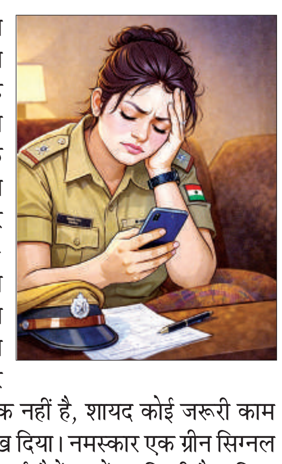

ट्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका, लखनऊ

उसके महीने के वे सबसे मुश्किल दिन चल रहे हों, तिस पर वह महिला सुबह सात बजे से लेकर शाम छह बजे तक पुलिस भर्ती परीक्षा की ड्यूटी कर के आई हो और उसके ऊपर उसे कल फिर सुबह से शाम ड्यूटी करनी हो, लौटकर वह बस ऐसे-वैसे जैसे-तैसे यहां-वहां फेसबुक पर स्क्रॉल कर रही हो, तो ऐसे में मैसेंजर में एक पिंग आए-नमस्कार (टिंग)/ उसका नाम (टिंग) / जी (टिंग) थोड़ी देर इग्नोर मारने के बाद उसे लगा, ठीक नहीं है, शायद कोई जरूरी काम हो, तो उसने बदले में नमस्कार लिख दिया। नमस्कार एक ग्रीन सिग्नल था। एक कविता की रेल धड़धड़ाती हुई मैसेंजर में आ गिरती है, महिला किसी पुल की तरह थरथरा जाती है। कवि महोदय मैसेंजर में तीन बिंदु लहराते हुए देखते हैं, तो उन्हें लगता है कि कोई भारी भरकम प्रशंसा उन्हें मिलने वाली है। पर महिला के चिड़चिड़ाने वाले दिन वैसे ही चल रहे हैं, तिस पर ड्यूटी की किसी अगर-मगर की वजह से उसका मूड खराब है। तिलमिलाकर महिला पूछ ही लेती है - आपने मुझे अपनी कविता मैसेंजर में पढ़ाने के लिए नमस्कार किया था? कवि महोदय आहत हृदय से, मगर पूरी विनम्रता से उत्तर देते हैं - जी नहीं, आपने ऐसा कहकर अभिवादन को बहुत छोटा बना दिया। महिला की चिड़चिड़ेपन की चिड़िया थोड़ी देर को चीं-चीं भूल जाती है - ये मैंने क्या किया, लगता है किसी का दिल दुखा दिया। ग्लानि शब्दों में ढलने का रास्ता ढूंढ ही रही थी कि अगले ही क्षण कवि महोदय की एक किताब दलदल की डंडियां का आवरण चित्र मालगाड़ी की तरह धड़धड़ाता हुआ मैसेंजर में आ धमकता है। महिला सहम जाती है। हर सहमे हुए प्राणी की तरह जान बचाकर भागती है और फेसबुक फ्रेंड को भूतपूर्व फेसबुक फ्रेंड बनाकर अपनी रक्षा करती है।

समीक्षा

## इतिहास के आयाम

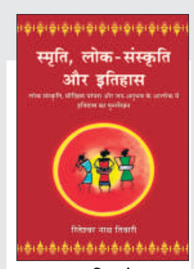
पुस्तक : स्मृति, लोक-संस्कृति और इतिहास
लेखक : डॉ. रितेश्वर नाथ तिवारी
प्रकाशक : ल्यूमिनस बुक्स इंडिया, वाराणसी
प्रकाशन वर्ष : मार्च 2026
मूल्य : 500
कुल पृष्ठ : 159
समीक्षक-रजनीकांत सिंह

डॉ. रितेश्वर नाथ तिवारी की कृति "स्मृति, लोक-संस्कृति और इतिहास" इतिहास लेखन के पारंपरिक अभिलेख-आधारित दृष्टिकोण को चुनौती देते हुए एक वैकल्पिक और अधिक समावेशी विमर्श प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक इस मूल प्रश्न को केंद्र में रखती है कि क्या इतिहास केवल शासकीय दस्तावेजों, अभिलेखों और अभिजात वर्ग के अनुभवों तक सीमित रहना चाहिए अथवा उसमें लोक-स्मृति, मौखिक परंपरा और जन-अनुभवों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। इस पुस्तक में इतिहास लेखन की सीमाओं, लोक-संस्कृति की अवधारणा, सामूहिक स्मृति, मौखिक परंपरा तथा औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक विमर्शों का क्रमबद्ध और विश्लेषणात्मक विवेचन किया गया है, जो इसे सैद्धांतिक रूप से सुदृढ़ बनाता है। विशेषतः लेखक यह स्पष्ट करते हैं कि औपनिवेशिक सत्ता ने किस प्रकार लोक-स्मृतियों और जन-आधारित ज्ञान को हाशिए पर डाल दिया, जबकि उत्तर-औपनिवेशिक दृष्टिकोण में इन्हीं तत्वों के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता अनुभव की गई। इस पुस्तक की विशेषता इसका अंतः विषयक दृष्टिकोण है, जिसमें इतिहास, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र और सांस्कृतिक अध्ययन के आयामों का समन्वय दिखाई देता है। पुस्तक लेखन की पारंपरिक सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए लोक-आधारित इतिहास की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से उद्घाटित करती है। यह पुस्तक इतिहास के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है,जो इतिहास को एक जीवंत, गतिशील और बहुस्वरात्मक प्रक्रिया के रूप में समझने का प्रयास करते हैं।

## अब खालिस नहीं आदमी

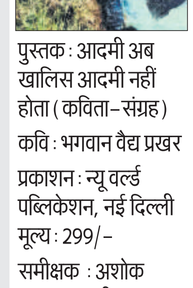
पुस्तक : आदमी अब खालिस आदमी नहीं होता (कविता-संग्रह)
कवि : भगवान वैद्य प्रखर
प्रकाशन : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली
मूल्य : 299/-
समीक्षक : अशोक 'अंजुम' अलीगढ़

बहुमुखी लेखन के धनी वरिष्ठ कलमकार- भगवान वैद्य 'प्रखर'। अब तक आपके पांच व्यंग्य संग्रह, तीन कहानी संग्रह, तीन कविता संग्रह, तीन लघुकथा संग्रहों के साथ एक आत्मकथा कृति प्रकाशित हो चुकी है। आपने मराठी से हिंदी में भी खूब अनुवाद कार्य किया है। प्रस्तुत कृति "आदमी अब खालिस आदमी नहीं होता" प्रखर जी की कविताओं की तीसरी किताब है। भूमिका में कविता की आमद को आपने जिस प्रकार अभिव्यक्त किया है, उसे विशेष रूप से कोई भी कवि आत्मसात करते हुए यही कहेगा कि हां, ऐसा ही होता है। ऐसे ही आती है कविता और न संभाला तो फिसल जाती है हाथ से हमेशा के लिए।

किताब की प्रस्तुत 62 कविताएं अनुभूतियों को विभिन्न एंगल से देखती -निहारती हैं और फिर कविता के सांचे में ढलकर प्रस्तुत हो जाती हैं। खासियत ये है कि आप एक कविता बांचें और आगे बढ़ लें- ये संभव नहीं है। यह आपको रोकती हैं और भावनाओं के इंद्रधनुषी तंतुओं से बांध लेती हैं। ये सहजता से आगे नहीं बढ़ने देतीं। आप आगे बढ़ते हैं, तो एक खनखनाहट साथ होती है। ये कविताएं बौद्धिक व्यायाम से उपजी न होकर स्वतः स्फूर्त हैं। कवि "रोबोट" कविता में मनुष्य के सभी काम रोबोट द्वारा संभाल लिए जाने के बाद मनुष्य के अस्तित्व को बचाए रखने का उपाय "बीज" को बचाए रखने से जोड़ते हैं। कुल मिलाकर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरने की सामर्थ्य रखने वाली ये 62 कविताएं कवि भगवान वैद्य प्रखर की कविताई के स्वर्णिम दस्तावेज हैं। सूक्ष्म से वैराट्य की ओर अग्रसर अच्छी कविताएं पढ़ने की इच्छा रखने वालों तक यह पुस्तक अवश्य पहुंचनी चाहिए।

व्यंग्य

## एक अदद सिलेंडर की दरकार

अंजनी निगम
वरिष्ठ पत्रकार

एक सीनियर सिटीजन महोदय महानगर में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं और उसके बच्चे दूसरे शहरों में पढ़ाई या काम के सिलसिले में घर से दूर। उनके घर का एलपीजी गैस सिलेंडर खाली होने को हुआ तो गैस एजेंसी में ऑनलाइन बुकिंग करा दी और इंतजार करना शुरू। सामान्य तौर पर दूसरे या तीसरे दिन घर पर डिलीवरी मिल जाती थी। वो सीनियर सिटीजन देश-दुनिया में हो रही घटनाओं से वाकिफ थे इसलिए उन्होंने 10 दिनों तक इंतजार किया। इस बीच एक अदद सिलेंडर पाने के लिए एजेंसी मालिक से गुहार की तो सलाह दी गई कि यहां आकर पर्ची कटवा लो और गोदाम से सिलेंडर उठा लो। अब बेचारा सीनियर सिटीजन कैसे उस सिलेंडर को उठाकर कर घर से करीब दो किलोमीटर दूर उसे लेकर जाता, यह यक्ष प्रश्न खड़ा था।

उसे तुरंत सोशल मीडिया याद आया, पढ़ा था कि रेलयात्रा के दौरान एक छोटे बच्चा दूध के लिए रोने लगा तो उसकी मां ने रेल मंत्री को ट्वीट किया और अगले स्टेशन पर ही वहां का स्टेशन अधीक्षक बच्चे के लिए दूध लेकर हाजिर था। बस, सीनियर सिटीजन को भी सोशल मीडिया टिमटिमाते दीए जैसा दिखा और लिख मारी एक पोस्ट। उसने पोस्ट क्या लिख दी, मानों डिजिटल दरबार सज गया। किसी ने लिखा, "धैर्य रखिए", किसी ने सलाह दी, "अंगुली टेढ़ी कीजिए", और कुछ ने तो अपने-अपने दुःखों का महाकाव्य ही परोस दिया। संवेदना के इस महाभोज में समस्या वहीं की वहीं भूखी बैठी रही। बारह घंटे बाद, जब लाइक और कमेंट की संख्या लोकतंत्र की तरह बढ़ चुकी थी, तब एक "असली संवेदनशीलता" सुबह-सुबह फोन की घंटी के रूप में प्रकट हुई। उधर से आवाज आई, "सर जी, अपना कनेक्शन नंबर और गैस एजेंसी का नाम भेजिए।" बस, यहीं से लोकतंत्र ने करवट ली और प्रशासन ने अंगड़ाई। उस शख्स ने मानों प्रशासन के कान ही उमेठ दिए हों। तीन घंटे में एजेंसी का व्हाट्सऐप कॉल और शाम तक सिलेंडर। मानो गैस नहीं, व्यवस्था की आत्मा ही घर पहुंच गई हो। कहानी यहीं खत्म नहीं होती, असली व्यंग्य तो यहीं शुरू होता है।

जिस काम के लिए आम आदमी हफ्तों चक्कर काटता है, वही काम "निकटतम सहयोगी" के एक फोन से फुर्र! यह चमत्कार नहीं, सिस्टम का एक्स-रे है, जहां इलाज नहीं, सिफारिश काम करती है। अब सवाल यह है कि गैस किसने पहुंचाई-एजेंसी ने या "संपर्कों की गर्मी" ने? अगर संवेदनशीलता इतनी ही प्रचुर है, तो फिर हर गली में क्यों नहीं दिखती? क्यों हर सिलेंडर के साथ एक "सिफारिश" की रसीद भी जरूरी है?

इस शहर में अब दो तरह की गैस मिलती है, एक, जो पैसे देकर भी समय पर नहीं मिलती और दूसरी वह जो पहचान की चिंगारी से तुरंत सुलग उठती है। अंत में बुजुर्ग दंपती ने उस "संवेदनशील शख्स" को धन्यवाद नहीं कहा, क्योंकि धन्यवाद देने से "कद छोटा" हो जाता है। पर सच तो यह है कि यहां कद नहीं, प्रणाली छोटी हो गई है। जहां सेवा नहीं, संपर्क ही असली सिलेंडर है। सोशल मीडिया पर चाहे जितना एक्टिव हों, फॉलोवर्स की संख्या हजारों नहीं लाखों में हो, लेकिन समाज में कुछ भले लोगों से संपर्क जरूर बनाए रखिए, पता नहीं कब आपको जरूरत पड़ जाए।

रिश्ते मानव जीवन की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर होते हैं। ये केवल भावनाओं का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि समझ, धैर्य और सामंजस्य का सुंदर संगम हैं। हर व्यक्ति अलग सोच, अनुभव और स्वभाव लेकर आता है, इसलिए रिश्तों में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन यही मतभेद जब दिलों की दूरी में बदल जाते हैं, तब समस्याएं शुरू होती हैं। आज के समय में जहां जीवन की गति तेज है, वहां रिश्तों को संभालना और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि हम रिश्तों की अहमियत को समझें और मतभेदों को समझदारी से सुलझाकर उन्हें मजबूती प्रदान करें।

# रिश्तों की मिठास
## समझ, सम्मान और संवाद

### विचार-विमर्श और सम्मान

किसी भी रिश्ते की नींव सम्मान पर टिकी होती है। यदि असहमति के दौरान हम सामने वाले का सम्मान बनाए रखें, तो संवाद स्वस्थ बना रहता है। अपनी बात को शांत और विनम्र तरीके से रखना ही परिपक्वता की पहचान है। कटु शब्द और अपमानजनक व्यवहार रिश्तों में दरार पैदा करते हैं, जिन्हें भरना कठिन हो जाता है। विचार-विमर्श करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि बहस का उद्देश्य एक-दूसरे को हराना नहीं, बल्कि समझना होना चाहिए। जब बातचीत का स्तर गिर जाता है और उसमें आरोप-प्रत्यारोप शामिल हो जाते हैं, तो स्थिति और बिगड़ जाती है। संयमित और मर्यादित संवाद न केवल समस्याओं को सुलझाता है, बल्कि रिश्तों को और भी गहरा बनाता है।

### एक कला है रिश्तों को निभाना

रिश्तों को निभाना वास्तव में एक कला है, जिसे हर कोई आसानी से नहीं सीख पाता, जो व्यक्ति इस कला में पारंगत हो जाता है, उसका जीवन अधिक संतुलित और संतोषपूर्ण होता है। दो अलग-अलग व्यक्तित्वों के बीच विचारों का टकराव होना कोई असामान्य बात नहीं है, बल्कि यह स्वाभाविक प्रक्रिया है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब ये मतभेद धीरे-धीरे मनभेद का रूप ले लेते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम असहमति को केवल विचारों तक सीमित रखें, न कि उसे व्यक्तिगत स्तर तक ले जाएं। हर व्यक्ति की सोच, परवरिश और परिस्थितियां भिन्न होती हैं, इसलिए दृष्टिकोण में अंतर होना लाजमी है। हमें इस विविधता को स्वीकार करना चाहिए और इसे रिश्तों में बाधा बनने के बजाय सीखने का अवसर मानना चाहिए। जब हम दूसरों के नजरिए को समझने का प्रयास करते हैं, तो न केवल हमारे विचार व्यापक होते हैं, बल्कि रिश्तों में भी अपनापन बढ़ता है।

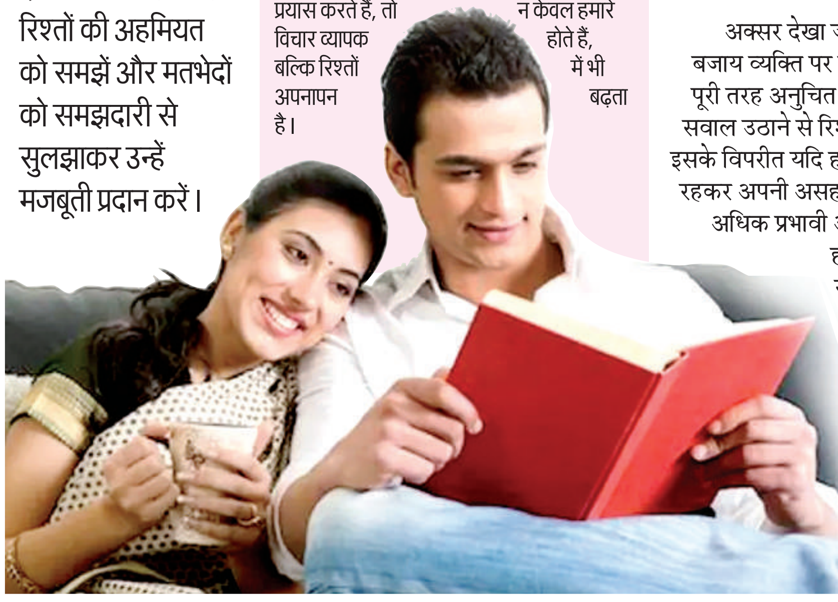

### समय होता है हर बात कहने का

अक्सर देखा जाता है कि लोग विचारों के बजाय व्यक्ति पर टिप्पणी करने लगते हैं, जो पूरी तरह अनुचित है। किसी के व्यक्तित्व पर सवाल उठाने से रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती है। इसके विपरीत यदि हम केवल विषय पर केंद्रित रहकर अपनी असहमति व्यक्त करें, तो संवाद अधिक प्रभावी और सकारात्मक बनता है। हर बात कहने का एक सही समय और तरीका होता है। गुस्से या तनाव की स्थिति में की गई बातचीत प्रायः विवाद का रूप ले लेती है। इसलिए बेहतर है कि हम शांत मन से उचित समय पर अपनी बात रखें, जिससे सामने वाला भी उसे समझ सके।

### भावनाओं पर नियंत्रण

गलती स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का संकेत है। यदि हम अपनी भूल को मानकर माफी मांग लेते हैं, तो कई बड़े विवाद स्वतः समाप्त हो जाते हैं। अहंकार रिश्तों को तोड़ता है, जबकि विनम्रता उन्हें जोड़ती है। भावनाओं पर नियंत्रण रखना भी अत्यंत आवश्यक है। क्षणिक आवेश में कहे गए शब्द अक्सर गहरे घाव छोड़ जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें और उन्हें संतुलित तरीके से व्यक्त करना सीखें।

### सकारात्मक दृष्टिकोण

सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना ही रिश्तों को मजबूत बनाए रखने का सबसे सरल उपाय है। हर मतभेद को समस्या मानने के बजाय, उसे एक अवसर के रूप में देखें, जहां हम एक-दूसरे को और बेहतर समझ सकें। यदि हम धैर्य, समझदारी और संवेदनशीलता के साथ रिश्तों को निभाएं, तो कोई भी मतभेद मनभेद में परिवर्तित नहीं होगा और हमारे संबंध सदैव मधुर बने रहेंगे।

# चेहरा धोने के नियम
## सलाह और सावधानियां

चेहरा धोना स्किन केयर रूटीन का सबसे बुनियादी हिस्सा है। यह काम भले ही आसान लगता हो, लेकिन सही तरीके से न किया जाए, तो त्वचा को नुकसान भी पहुंच सकता है। साफ और आकर्षक त्वचा पाने की चाहत में कई लोग दिन में बार-बार चेहरा धोते हैं, फिर भी उनकी त्वचा डल और बेजान नजर आती है। दरअसल, चेहरा धोते समय की गई छोटी-छोटी गलतियां ही इसके पीछे मुख्य कारण होती हैं। सही तरीके से चेहरा धोने से त्वचा ताजगी भरी, साफ और स्वस्थ दिखती है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

### पहले हाथों की सफाई

चेहरा धोने से पहले हाथों को साबुन से अच्छी तरह साफ करना चाहिए। हमारे हाथ दिनभर बैक्टीरिया, तेल और गंदगी के संपर्क में रहते हैं। यदि गंदे हाथों से चेहरा धोया जाए, तो गंदगी चेहरे पर फैल सकती है, जिससे रोमछिद्र बंद हो जाते हैं और कील-मुहांसे जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

### सही पानी का करें इस्तेमाल

चेहरा धोने के लिए न बहुत गर्म और न ही बहुत ठंडे पानी का उपयोग करना चाहिए। गर्म पानी त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म कर देता है, जिससे त्वचा रूखी हो जाती है और अधिक तेल बनने लगता है। वहीं ठंडा पानी रोमछिद्रों को सिकोड़ देता है, जिससे गंदगी ठीक से साफ नहीं हो पाती। इसलिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल सबसे बेहतर माना जाता है। यह रोमछिद्रों को खोलकर त्वचा की गहराई से सफाई करता है और नमी भी बनाए रखता है। चेहरा धोने के बाद त्वचा को रगड़ने के बजाय हल्के से थपथपाकर सुखाना चाहिए।

### फेस वॉश का सीमित उपयोग

चेहरा धोते समय अधिक मात्रा में फेस वॉश का इस्तेमाल नुकसानदायक हो सकता है। इससे त्वचा का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है और त्वचा रूखी हो जाती है। मटर के दाने जितना फेस वॉश पर्याप्त होता है। इसे हथेली पर लेकर झाग बनाएं और हल्के हाथों से गोलाकार गति में चेहरे पर लगाएं। जोर से रगड़ने से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। साथ ही, फेस वॉश का चयन अपनी स्किन टाइप के अनुसार करना चाहिए। रूखी त्वचा के लिए क्रीम आधारित और संवेदनशील त्वचा के लिए माइल्ड क्लेंजर बेहतर रहता है।

### दिन में कितनी बार धोएं चेहरा

चेहरा दिन में दो बार सुबह और शाम को धोना पर्याप्त होता है। सुबह चेहरा धोने से रातभर की गंदगी साफ होती है, जबकि शाम को धोने से दिनभर की धूल और प्रदूषण हट जाते हैं। बार-बार चेहरा धोने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है और उसकी सुरक्षा परत कमजोर हो जाती है। चेहरा धोते समय कम से कम एक मिनट का समय देना चाहिए ताकि त्वचा अच्छी तरह साफ हो सके। हालांकि, यह पूरी तरह आपकी स्किन टाइप पर निर्भर करता है।

### सही तरीके से सुखाना भी जरूरी

चेहरा धोने के बाद उसे सही तरीके से सुखाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए हमेशा साफ और मुलायम सूती तौलिये का इस्तेमाल करें। गंदे तौलिये में मौजूद बैक्टीरिया त्वचा पर जम सकते हैं और रोमछिद्र बंद कर सकते हैं। तौलिये से चेहरा रगड़ने के बजाय हल्के-हल्के थपथपाकर सुखाएं। खासकर संवेदनशील या मुहांसों वाली त्वचा में यह सावधानी बेहद जरूरी है। आप चाहें तो चेहरे को प्राकृतिक रूप से भी सूखने दे सकते हैं। फेस वाइप्स का उपयोग कभी-कभी किया जा सकता है, लेकिन नियमित उपयोग से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद प्रिजर्वेटिव त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

# इंतजार नहीं, स्वयं को तैयार करने का समय

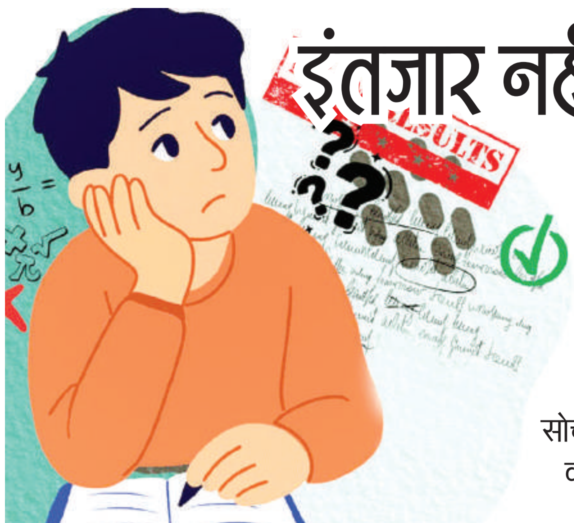



बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो गईं हैं अब रिजल्ट के इंतजार में अधिकांश छात्र-छात्राएं व अभिभावकों में बैचेनी देखी जा सकती है। लोगों के मन में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इंतजार का समय न केवल लंबा होती है, बल्कि बैचेन करने वाला भी होता है। अध्ययनों में पाया गया है कि बोर्ड परीक्षाओं तथा परिणाम घोषित होने के बीच 73 से 81 प्रतिशत छात्र अपने परीक्षा परिणाम को लेकर तनाव ग्रस्त रहते हैं। रिजल्ट में क्या होगा सोचकर छात्र तनाव ग्रस्त हो जाते हैं, जबकि यही समय होता है, जब वे रिजल्ट की चिंता छोड़कर भविष्य में उन्हें क्या करना है, कैसे करना, अपने को तैयार करने पर ज्यादा फोकस करना चाहिए, जिससे वे बेहतर भविष्य की ओर कदम बढा सकते हैं।

डॉ. मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

- **रिलैक्स होकर ऊर्जा संग्रह करें :-** महीनों की कड़ी मेहनत के बाद शरीर व मन को आराम दें, भरपूर नींद लें, परिजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं, अपनी पसंदीदा रिश्तेदारी जाएं, शहर में रहते हैं, तो गांव का सैर करें।
- **शौक को पूरा करें :-** अगर कोई शौक है- डांस, खेल, पेंटिंग, संगीत, कुकिंग या फोटोग्राफी का तो इस समय उपयोग कर इन्हें पुरा करें।
- **हुनर को बढ़ाएं, कमजोरी को दूर करें :-** प्रतिस्पर्धा व तुलना भी जीवन का हिस्सा है। प्रतिस्पर्धा में अपनी ताकत तथा कमजोरियों को पहचान करना। अपनी ताकत को और अधिक मजबूत करना तथा कमजोरियों पर काबू पाने के लिए काम करने का यह बहुत ही उत्तम समय है। इसके लिए विशेषज्ञ की सहायता ली जा सकती है।
- **नया कौशल सीखें :-** भविष्य के लिए तैयार होने के लिए डिजिटल मार्केटिंग, कंप्यूटर कोडिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग या कोई विदेशी भाषा सीख सकते हैं, जो करियर सोचा है उसमें सहायक कौशलों का भी विकास कर सकते हैं।
- **करियर काउंसलिंग :-** आगे की पढ़ाई के लिए विषय या कॉलेज का चयन करने का प्रयास करें। इसमें मनोवैज्ञानिक से सलाह ले सकते हैं। वे आपके रुचि, योग्यता, समय व संसाधनों के अनुसार चयन में सहायता कर सकते हैं।
- **स्वास्थ्य पर ध्यान :-** यह समय अपने स्वास्थ्य में सुधार हेतु उपयोग किया जा सकता है। योग, मेडिटेशन, तैराकी या खेल में शामिल होकर अपनी फिटनेस में सुधार कर सकते हैं।
- **यात्रा करें :-** दोस्तों या परिवार के साथ किसी शांत जगह पर यात्रा पर जाएं। यात्रा से मन शांत होने के साथ नई जानकारी भी मिलती है।

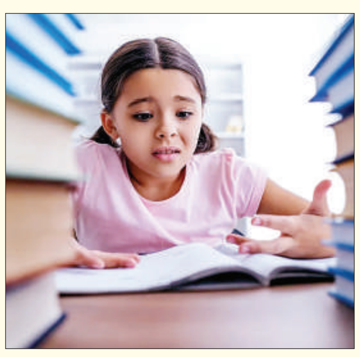

**तनाव कारक**

असफलता का भय, उच्च अंक प्राप्त करने का दबाव ,भविष्य अनिश्चितता, दूसरों से अंकों की प्रतिस्पर्धा, परिवार में उच्च सफलता का दबाव, सामाजिक दबाव, अति प्रतिस्पर्धापूर्ण वातावरण, लगातार इस बात पर विचार करना कि रिजल्ट क्या होगा, नकारात्मक रिजल्ट का बार-बार विचार आना, अपने गलत उत्तरों को बार-बार याद करना, सहपाठियों से लगातार रिजल्ट पर ही चर्चा करते रहना, सख्त मूल्यांकन का अफवाह, कैरियर की अनिश्चितता

- **किताबें पढ़ें :-** अपने पाठ्यक्रम से हटकर अपनी मन पसंद की ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ें। रुचि हो, तो धार्मिक व आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन कर सकते हैं। इससे मन को शकुन मिलता है।
- **सीनियर से मार्गदर्शन लें :-** अपने से वरिष्ठ सफल छात्रों से इस समय के उपयोग के लिए मार्गदर्शन लें। अपने मनः स्थिति को साझा कर असमंजस को दूर करें।
- **जूनियर्स की मदद करें:-** जो छात्र अगले साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले हो, उन्हें अपने अनुभव साझा करें व उनकी पढ़ाई में मदद करें। किसी की मदद करने से संतुष्टि मिलती है।

### अभिभावकों को सलाह

इस समय आगे निकलने की होड़ ने बच्चों का तनाव स्तर बढ़ा रखा है। कई बच्चों को तो चिकित्सक तक की मदद लेनी पड़ती है। कुछ तनाव और अवसाद के कारण जान देने तक की सोचने लगते हैं। इस समय बच्चे अपने 10 वीं व 12 वीं कक्षा के बोर्ड के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिससे तनाव होना लाजमी है। इस समय अभिभावकों का बच्चों के प्रति सही दृष्टिकोण उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करता है।

- **बच्चों पर दबाव न डालें :-** बोर्ड रिजल्ट से पहले माता-पिता को अपने बच्चों से ज्यादा अंक लाने के बारे में बात करने से बचना चाहिए। ऐसा करने से छात्र तनावग्रस्त होते हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चे की मेहनत की सराहना करें और परिणाम से ज्यादा उनके प्रयासों व मेहनत पर बात करें।
- **संवाद बनाए रखें :-** बच्चों से उनकी भावनाओं और चिंताओं के बारे में बात करें। उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि आप हर परिस्थिति में उनके साथ हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चे की आलोचना न करें, उनकी बात सुनें। उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने का मौका दें।
- **तुलना न करें :-** बच्चों की तुलना सहपाठियों, भाई-बहनों या पड़ोसियों से न करें। इससे आत्मविश्वास कम होता है। हर बच्चे की अपनी अलग ताकत और कमजोरी होती है। यह समझते हुए उसकी व्यक्तिगत प्रगति पर ध्यान दें।
- **तनाव प्रबंधन के तरीके सिखाएं :-** बच्चों को ध्यान, गहरी सांस, रिलैक्सेशन अभ्यास, माइंडफुलनेस जैसे तनाव प्रबंधन तरीके सिखने में सहयोग करें। यह उन्हें परिणाम के दबाव से निपटने में मदद करेगा। उनके साथ खेलने, संगीत सुनने या पेंटिंग करने जैसी गतिविधि में शामिल हों।
- **सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं :-** अभिभावकों को परिणाम के प्रति सकारात्मक और संतुलित दृष्टिकोण रखना चाहिए। बच्चों को यह समझाएं कि बोर्ड रिजल्ट जीवन का अंतिम परिणाम नहीं है, बल्कि नई शुरुआत का अवसर है।

बोर्ड परीक्षाओं के खत्म होने और रिजल्ट आने के बीच के समय को छात्र तनावमुक्त होने, नए कौशलों को सीखने तथा भविष्य की योजना बनाने के अवसर के रूप में उपयोग कर सकते हैं। रिजल्ट की चिंता में समय बर्बाद न करें और न ही दूसरों से अपने रिजल्ट की तुलना करें। इस समय का उपयोग खुद को बेहतर बनाने के लिए करें। सभी को समझना चाहिए कि परीक्षा परिणाम जीवन का केवल एक पड़ाव है, अंतिम लक्ष्य नहीं।

# बेल का जूस

गर्मियों में शरीर को ठंडा और स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक पेय पदार्थों का महत्व बढ़ जाता है। बेल जूस ऐसा ही एक पारंपरिक और पौष्टिक पेय है, जो न केवल गर्मी से राहत देता है, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। हल्के पीले-भूरे रंग और मीठे-खट्टे स्वाद वाला यह जूस पाचन तंत्र को मजबूत बनाने, शरीर को हाइड्रेट रखने और इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। आयुर्वेद में भी बेल को औषधीय गुणों से भरपूर माना गया है, जिससे यह पेय गर्मियों में हर उम्र के लोगों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होता है।

**खाना खजाना**

नीलम कोडवानी
फूड ब्लॉगर

### फायदे और सावधानियां

गर्मियों में बेल जूस एक बेहद लोकप्रिय और लाभकारी पेय है। यह शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ पाचन को सुधारता है और कई बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इसका स्वाद मीठा-खट्टा और तासीर ठंडी होती है।

### बेल जूस के प्रमुख फायदे

- पाचन तंत्र के लिए लाभकारी : बेल जूस कब्ज, गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याओं में राहत देता है। इसमें मौजूद फाइबर आंतों को साफ रखता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।
- डायरिया और पेचिश में असरदार : इसके एंटी-बैक्टीरियल गुण दस्त और पेचिश को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं।
- गर्मी और लू से बचाव : यह शरीर को अंदर से ठंडा रखता है, डिहाइड्रेशन रोकता है और गर्मियों में ऊर्जा बनाए रखता है।
- त्वचा के लिए फायदेमंद : बेल जूस खून को साफ करता है, मुंहासों को कम करता है और त्वचा की चमक बढ़ाता है।
- इम्यूनिटी बढ़ाता है : इसमें विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।
- अन्य लाभ : यह कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने, हृदय को स्वस्थ रखने, लीवर को डिटॉक्स करने और स्कर्वी जैसी बीमारियों से बचाव में मदद करता है।

### सामग्री

- सामग्री (2–3 गिलास के लिए)
- पका हुआ बेल फल-1
- ठंडा या गर्म पानी-2-3 कप
- गुड़ या शक्कर स्वादानुसार
- काला नमक-छोटा चम्मच
  भुना जीरा पाउडर-छोटा चम्मच
- बर्फ के टुकड़े
- पुदीना की पत्तियां-वैकल्पिक

### बनाने की विधि

बेल को धोकर किसी भारी चीज से सावधानीपूर्वक तोड़ लें। चम्मच से गूदा निकालकर एक बर्तन में डालें। इसमें पानी डालकर हाथों से अच्छी तरह मसलें और बीज अलग कर दें। मिश्रण को छलनी से छान लें। अब इसमें काला नमक, जीरा पाउडर, गुड़/शक्कर और नींबू का रस मिलाएं। अच्छे से मिलाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें और पुदीना से सजाएं।

**जरूरी सलाह :** ज्यादा दिनों तक स्टोर करने के लिए शरबत बनाकर फ्रिज में रखा जा सकता है।

# पैनल अधिवक्ताओं की अपर्याप्त सहायता पर कोर्ट ने जताई चिंता

## इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माना, महाधिवक्ता व राज्य विधि अधिकारी कार्यालय की कार्य व्यवस्था असंतोषनक

विधि संवाददाता,प्रयागराज।

**अमृत विचार।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश लघु खनिज (रियायत) नियम, 1963 के अंतर्गत बिना कारण बताओ नोटिस जारी किए वसूली से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के विधि अधिकारियों एवं पैनल अधिवक्ताओं द्वारा कोर्ट को प्रभावी सहायता न मिल पाने की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि महाधिवक्ता एवं राज्य विधि अधिकारी कार्यालय में कार्य व्यवस्था इस स्तर तक प्रभावित हो चुकी है कि न्यायालयों को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा, जिसका सीधा असर न्यायिक कार्यों की गति पर पड़ रहा है।

सूबेदार यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति देवेंद्र

सिंह-I की खंडपीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कार्यालय की वर्तमान कार्यप्रणाली चिंताजनक है और पर्याप्त विधिक सहायता के अभाव में मामलों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब हो रहा है। मामले के अनुसार कोर्ट ने सुनवाई की पहली तारीख को राज्य सरकार के अधिवक्ता को मामले में निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया था। अगली तारीख को अधिवक्ता ने निर्देश प्राप्त करने के लिए और समय मांगा। इस पर कोर्ट ने दो सप्ताह का समय देते हुए चेतावनी दी कि अगर समय पर निर्देश प्रस्तुत नहीं किए गए तो गंभीर कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सुनवाई की अगली तारीख पर कोर्ट को सूचित किया गया कि निर्देश अभी तक भी प्राप्त नहीं हुए हैं। हालांकि जब कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेट, गोरखपुर को तलब करने का अनुरोध किया तो अधिवक्ता ने बताया कि निर्देश व्हाट्सएप पर प्राप्त हो गए थे, लेकिन समय पर प्रिंट नहीं किए जा सके। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि कई मामलों में न्यायालय के स्थायी अधिवक्ता द्वारा अधिकारियों को कई बार याद दिलाने के बावजूद अधिकारी समय पर जवाब नहीं दे रहे हैं। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने याची को निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को पक्षकार बनाकर 24 घंटे के भीतर नोटिस तामील कराई जाए। आयोग के अधिवक्ता को अगली सुनवाई पर भर्ती प्रक्रिया की प्रगति से कोर्ट को अवगत कराना होगा। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल 2026 को निर्धारित की गई है।

## जांच अधिकारी को निलंबित करने पर एसपी से मांगा स्पष्टीकरण

**विधि संवाददाता,प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बस्ती के पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह को आपराधिक अवमानना पर कड़ी चेतावनी देते हुए उनके द्वारा एक जांच अधिकारी को निलंबित किए जाने पर गंभीर आपत्ति जताई है। कोर्ट ने इस कार्रवाई को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बस्ती के आदेश की अवमानना माना है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने रत्नेश कुमार उर्फ राजू शुक्ला की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले की अगली सुनवाई आगामी 10 अप्रैल को सुनिश्चित कर दी है। कोर्ट को बताया गया कि जांच अधिकारी ने आरोपियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय से गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) प्राप्त किया था, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने उन्हें निलंबित कर दिया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि गैर-जमानती वारंट न्यायालय द्वारा केस डायरी का परीक्षण करने के बाद अपने विवेक से जारी किया जाता है, न कि जांच अधिकारी के मात्र कथन के आधार पर। वारंट जारी करना न्यायालय का अधिकार क्षेत्र है, न कि पुलिस अधीक्षक की राय का विषय। ऐसे में कोर्ट ने एसपी को एक सप्ताह के भीतर नया व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि संतोषजनक स्पष्टीकरण न मिलने पर उनके विरुद्ध आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने पर विचार किया जाएगा।

## हाईकोर्ट ने अधिवक्ता पर लगाया 20 हजार रुपये का जुर्माना

**विधि संवाददाता,प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धोखाधड़ी एवं जालसाजी से जुड़े एक आपराधिक मामले में अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए याचियों की ओर से उपस्थित अधिवक्ता के आचरण पर गंभीर आपत्ति जताई और 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने देखा कि वर्तमान वाद में अधिवक्ता द्वारा बीमारी का प्रार्थना पत्र भेजकर अनुपस्थिति दर्शाई गई, जबकि वे उसी दिन कोर्ट में अन्य वाद में उपस्थित हुए थे। कोर्ट ने इसे गुमराह करने का प्रयास बताते हुए न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप माना। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की एकलपीठ ने अरुण कुमार यादव और शिव प्रकाश सिंह की अग्रिम जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए की।

## भरण-पोषण मामले के एकतरफा आदेश को चुनौती देना अमान्य : हाईकोर्ट

**विधि संवाददाता,प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में बीएनएसएस की धारा 144/सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पारित एकतरफा आदेश को सीधे आपराधिक पुनरीक्षण याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे आदेश को पहले संबंधित पारिवारिक न्यायालय या न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष वैधानिक प्रक्रिया के तहत चुनौती देना आवश्यक है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की एकलपीठ ने अभिषेक गोंड की याचिका खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने कहा कि एकतरफा भरण-पोषण आदेश को निरस्त कराने के लिए प्रभावित पक्ष को बीएनएसएस की धारा 145(2)/सीआरपीसी की धारा 126(2) के तहत उसी न्यायालय में आवेदन करना होगा, जिसने आदेश पारित किया है। इसके बाद पारित आदेश के विरुद्ध ही परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984 की धारा 19(4) के तहत उच्च न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की जा सकती है।

## न्यूज ब्रीफ

### 5 करोड़ की हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

**कुशीनगर, अमृत विचार :** जनपद में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत संयुक्त पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब 5 करोड़ रुपये कीमत की हेरोइन बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विनोद साहनी निवासी गुदरा थाना मझौलिया जनपद पश्चिमी चम्पारण बिहार व राहुल कुमार निवासी गिद्धौर थाना गिद्धौर जनपद चतरा (झारखण्ड) के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 2.505 किग्रा अवैध मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये है। तस्करों के पास से 11,040 रुपए नगद बरामद किया गया। बरमदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना कसया पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

### राम लला के दर्शन को अयोध्या पहुंची टीम

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** श्री राम बिलास इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग एंड मेडिकल साइंसेज, बांसी, सिद्धार्थ नगर की शैक्षणिक टीम ने पवित्र नगरी अयोध्या पहुंचकर भगवान रामलला के दर्शन किए। विश्व कल्याण की कामना की गयी, हनुमान गढ़ी मे महाप्रभु से आशीर्वाद लिया इस धार्मिक यात्रा में संस्थान के समस्त स्टाफ एवं सदस्य श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ शामिल हुए। यात्रा के दौरान सभी भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान के स्टाफ में विशेष उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा देखने को मिली। संस्थान परिवार ने इस पुण्य कार्य के सफल आयोजन के लिए प्रबंधन समिति की प्रबंधक डॉ. अनीता द्विवेदी एवं संरक्षक डॉ. विमल द्विवेदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके सहयोग और प्रयासों के कारण ही समस्त स्टाफ को रामलला मंदिर में दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस धार्मिक यात्रा ने सभी सदस्यों के मन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार किया।

## खेलने के दौरान पानी की बाल्टी में गिरा मासूम, मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

**अमृत विचार।** धनघटा थाना क्षेत्र के घोरांग गांव में शनिवार को एक मासूम बच्चे की घर के बाहर खेलने के दौरान रखी पानी से भरे बाल्टी में डूबने से मौत हो गई। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव दफन कर दिया।

जानकारी के अनुसार घोरांघ गांव निवासी राज कुमार राजभर के एक वर्षीय पुत्र रियांश शनिवार की दोपहर में एक बजे दरवाजे के पास खेल रहा था। उस समय बच्चे की मां घर के अंदर थी। इसी दौरान वह अचानक पानी से भरी बाल्टी में गिर गया। जब मां बाहर आई तो देखा कि बच्चे का सिर पानी में डूबा हुआ था और पैर ऊपर की ओर थे। यह दृश्य देख परिजन घबरा गए और तुरंत बच्चे को लेकर मलौली स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे। जहां, अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद मासूम को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजन बच्चे के शव को घर ले आए और बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के उसे दफन कर दिया। मामले की सूचना पुलिस को नहीं दी गई है। चौकी प्रभारी लोहरैया हरिकेश भारती ने बताया कि घटना की जानकारी अनौपचारिक रूप से मिली है, लेकिन परिवार द्वारा कोई तहरीर नहीं दी गई है।

## पुलिस ने किया गुमशुदा लड़की को बरामद

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** थाना उसका बाजार मिशन शक्ति टीम द्वारा गुमशुदा लड़की को बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। प्रभारी निरीक्षक थाना उसका बाजार हरे कृष्ण उपाध्याय के निर्देशन में थाना उसका बाजार मिशन शक्ति टीम द्वारा गुमशुदा आफरीन पुत्री अब्दुल हनीफ साकिन बुचहा थाना उसका बाजार जो अपने घर से घर से बिना कुछ बताये कही चली गयी थी जिसके सम्बन्ध में थाना उसका बाजार में गुम हो जाने के सम्बन्ध में गुमशुदगी दर्ज कराया था। थाना उसका बाजार मिशन शक्ति टीम द्वारा गुमशुदा लडकी को बरामद कर उसके परिजनों से गुमशुदा लडकी आफरीन की पहचान कराकर नियमानुसार उसके परिजनो को सुपुर्द किया गया।

## सिंगापुर के उच्चायुक्त ने बुद्ध मंदिर में की वंदना

संवाददाता कुशीनगर।

**अमृत विचार:** सिंगापुर गणराज्य के भारत में उच्चायुक्त हिज एक्सीलेंसी साइमन वोंग ने कुशीनगर स्थित महापरिनिर्वाण बुद्ध मंदिर पहुंचकर बुद्ध वंदना की तथा जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में भगवान बुद्ध को चीवर अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने कुशीनगर स्थित विभिन्न ऐतिहासिक एवं बौद्ध स्थलों का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल की ओर से अंतरराष्ट्रीय बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव-2026 के सफल आयोजन हेतु जनपद प्रशासन एवं सहयोगी टीम को धन्यवाद ज्ञापित

कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सिंगापुर के उच्चायुक्त का स्वागत करते जिलाधिकारी कुशीनगर महेंद्र सिंह तोमर व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार।

किया। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अनुशंसा पर सिंगापुर टीम की यह कुशीनगर की पहली आधिकारिक यात्रा है। उच्चायुक्त ने कहा कि कुशीनगर बौद्ध धर्म का एक प्रमुख एवं वैश्विक महत्व का तीर्थस्थल है, जहां पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। सिंगापुर सहित विश्व के अनेक देशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक यहां आते हैं।कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के भ्रमण के दौरान उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी के दृष्टिकोण से यह हवाई अड्डा मजबूत एवं आधुनिक अवसंरचना से युक्त है तथा भविष्य में चार्टर एवं नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की व्यापक संभावनाएं हैं। इस दौरान जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर द्वारा बौद्ध सर्किट एवं कुशीनगर के समग्र विकास के लिए प्रस्तावित बोधिसत्त्व आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सिटी, रिसोर्ट सिटी, बुद्धिस्ट आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर, लिंग्विस्टिक स्कूल तथा आधुनिक टाउनशिप के विकास में सिंगापुर निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। उच्चायुक्त साइमन वोंग ने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तुत विकास प्रस्ताव अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि सिंगापुर पक्ष इन प्रस्तावों का गंभीरता से अध्ययन करेगा तथा विशेष रूप से बौद्ध धर्म से जुड़े स्मृति चिन्हों एवं सांस्कृतिक उत्पादों के निर्माण में उनकी विशेष रुचि है।

## स्कूल चलो अभियान 2026-27 का शुभारंभ, हुआ सजीव प्रसारण

संवाददाता कुशीनगर

**अमृत विचार:** प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्कूल चलो अभियान 2026-27 का शुभारंभ कंपोजिट विद्यालय शिवपुर, वाराणसी से शनिवार 9:30 बजे किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद कुशीनगर के विकास भवन सभागार में किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सजीव प्रसारण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय कुमार दुबे एवं विधायक विनय प्रकाश गोंड की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात सभी उपस्थित जनों ने मुख्यमंत्री के उद्बोधन को शांतिपूर्वक सुना। इस अवसर पर सांसद द्वारा सभी को यह संकल्प दिलाया गया कि जनपद का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा।

## किडनी ट्रांसप्लांट कांड: मेडीलाइफ अस्पताल का एक साझेदार गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** किडनी ट्रांसप्लांट कांड में पुलिस सोमवार को दलाल शिवम काणा का कस्टडी रिमांड लेने के लिए आवेदन कर सकती है। वहीं केशवपुरम स्थित मेडीलाइफ अस्पताल के एक संचालक कन्नौज के तिर्वा का रोहन को पुलिस ने पकड़ लिया है। रोहन ने भी पूछताछ में कई चीजें बताई हैं। एक दिन पहले जेल भेजे गए गाजियाबाद व हापुड़ के दोनों आरोपी ओटी टेक्नीशियन ने कबूला था कि मेडीलाइफ में ही बीते दिसंबर में एक महिला का ट्रांसप्लांट उनकी टीम ने किया था। हालांकि बाद में उसकी हालत बिगड़ने पर दलाल दिल्ली के अस्पताल ले गया था, जहां उसकी मौत होने की खबर है। जेल भेजे गए दलाल शिवम काणा के मोबाइल पर मिली रिकार्डिंग में भी दूसरा दलाल प्रयागराज का नवीन पांडेय ट्रांसप्लांट वाली महिला की मौत की जानकारी देते बताया गया है। मामले में 50 से ज्यादा निजी अस्पताल पुलिस जांच के घेरे में हैं।

आहूजा अस्पताल में मुजफ्फरनगर की पारुल तोमर का बीती 29 मार्च की देर रात हॉस्पिटल स्टॉफ को छुट्टी देकर किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था। बिहार के बेगूसराय निवासी एमबीए छात्र आयुष ने दलालों के बीच फंसकर अपनी किडनी बेची थी। आयुष की किडनी का सौदा छह लाख में हुआ था, लेकिन उसे केवल साढ़े तीन लाख रुपये मिले थे।

## प्रमोद की नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद तनुज पूनिया द्वारा लोटन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ0 प्रमोद कुमार को कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए डॉ0 प्रमोद कुमार की नियुक्ति पर जनपद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। डॉ0 प्रमोद कुमार लम्बे समय से कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

## विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का किया गया विस्तार

**गोरखपुर, अमृत विचार।** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही 04014/04013 आनन्द विहार टर्मिनल-लौकहा बाजार-आनन्द विहार टर्मिनल वाया गोरखपुर विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 102 फेरों के लिये किया गया है। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 10, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे। विस्तारित अवधि में यह गाड़ी अपने निर्धारित मार्ग, ठहराव एवं समय पर चलाई जायेगी।

### आज निरस्त रहेगी एक्सप्रेस

**गोरखपुर, अमृत विचार।** रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से 15080/15079 गोरखपुर एवं पाटलिपुत्र से 05 अप्रैल को चलने वाली गोरखपुर-पाटलिपुत्र-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

## बहराइच में नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

**खैरीघाट, (बहराइच), अमृत विचार।** खैरीघाट थाना क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जाली नोट छापने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से नकली नोट व प्रिंटर्स बरामद हुए हैं।

खैरीघाट थाना प्रभारी आनंद सिंह को शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि नकली नोट का कारोबार करने वाले गिरोह के कुछ सदस्य इलाके के लोधन पुरवा के पास मौजूद हैं। सूचना के बाद वरिष्ठ उप निरीक्षक हरिद्वार तिवारी, कांस्टेबल जगदीश कुमार, मित्रपाल सिंह, नियाज़ अहमद, गौरव कुमार ने घेराबंदी करते हुए चार लोगों को हिरासत में ले लिया। इनके पास से 11 हजार पांच सौ रूपये के जाली नोट व प्रिंटर्स बरामद हुआ है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया

पुलिस हिरासत में आरोपी व बरामद नकली नोट।

कि पकड़े गए लोगों की पहचान सलीम उर्फ सूरज, गुरुचरण सिंह निवासी जनपद लखीमपुर हरिराम व अर्जुन निवासी थाना मोतीपुर जनपद बहराइच के रूप में हुई है। इन सभी के खिलाफ मुकदमा दर्जकर पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय में पेश किया गया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है।

## सीएम के कार्यक्रम का देखा सजीव प्रसारण

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** नए शैक्षिक सत्र के शुभारंभ के साथ ही प्रदेश में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'स्कूल चलो अभियान' को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी से इस महत्वाकांक्षी अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नौगढ़ ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय धौरीकुइयां में भी किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में बच्चों ने इसे देखा और सुना। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी राम कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

## 26 में से पांच मामलों का मौके पर निस्तारण

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में तहसील इटवा में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

तहसील इटवा में आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक

समाधान दिवस में पीड़ितों की समस्याएं सुनते डीएम शिवशरणप्पा जीएन।

डा0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी द्वारा तहसील समाधान दिवस में पिछले समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराये। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। जिलाधिकारी ने कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिया कि भूमि संपत्ति रजिस्टर एवं भूमि विवाद रजिस्टर अवश्य बना ले।

कार्यक्रम | पूर्वोत्तर रेलवे के नरसा ने अधिकारियों के लिए सम्मान समारोह का किया आयोजन

## पंकज को दी गई विदाई, सुमित का हुआ स्वागत

**गोरखपुर, अमृत विचार।** पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में शनिवार को महासचिव/नरसा एवं निवर्तमान मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह का लखनऊ मंडल में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) के पद पर स्थानान्तरण के उपलक्ष्य में विदाई/सम्मान समारोह का आयोजन रेलवे अधिकारी क्लब, गोरखपुर में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता, सचिव/महाप्रबन्धक आनन्द ऋषि श्रीवास्तव, अध्यक्ष/रेलवे भर्ती सेल

अधिकारियों को सम्मानित करते नरसा के पदाधिकारी। अमृत विचार

(आर.आर.सी.) राजेश कुमार गुप्ता, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/भंडार एवं सचिव/हैंडबॉल कृष्ण चन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष/नरसा सुधीर श्रीवास्तव, सहायक क्रीड़ाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, विभिन्न खेलों के कोच सहित भारी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता ने पंकज कुमार सिंह को नये पद के दायित्वों के लिये शुभकामनायें देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन आसिफ जहीर तथा सहायक क्रीड़ाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने सभी का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके अतिरिक्त जनसम्पर्क कार्यालय में आयोजित विदाई/सम्मान समारोह में निवर्तमान मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह को भावभीनी विदाई दी गई तथा पूर्वोत्तर रेलवे के नवागत मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित कुमार का भव्य स्वागत किया गया।

## पराली में आग लगने से मचा रहा हड़कंप

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** जिले के पथरा बाजार क्षेत्र में शनिवार सुबह पराली में आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों का आरोप है कि अराजक तत्वों द्वारा खेतों में आग लगाई गई, जिससे क्षेत्र में बड़ी क्षति की आशंका पैदा हो गई। हालांकि सैकड़ों ग्रामीणों और दमकल विभाग की टीम की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। ग्रामीणों के अनुसार विगत तीन वर्षों से लगातार अराजक तत्वों द्वारा क्षेत्र में पराली में आग लगाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे झंहरांव और गौरी पाठक क्षेत्र में हजारों बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो चुकी है। इस वर्ष भी कुछ अराजक तत्व क्षेत्र के खेतों में आग लगाने की फिराक में थे।

## बच्चों ने भरत नाट्यम से प्रभु के जीवन प्रसंगों को उकेरा

**अयोध्या, अमृत विचार :** तीन से 15 वर्ष के 25 बच्चों ने शनिवार को प्रभु श्रीराम के जीवन पर आधारित प्रसंगों का भरत नाट्यम के माध्यम से मनोहारी दृश्य उकेरा। बच्चों ने अभिव्यक्ति का ऐसा हृदयस्पर्शी समूह चित्र प्रस्तुत किया कि दर्शक वाह-वाह कर उठे। ये सभी बच्चे शिवा डांस इंस्टीट्यूट गाजियाबाद की संचालिका सोनिका श्रीवास्तव के नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की यज्ञशाला में कार्यक्रम प्रस्तुत करने पहुंचे थे। ● अमृत विचार

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय
सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय

कबीर दास जी कहते हैं, इस संसार में ऐसे सज्जनों की जरूरत है, जैसे अनाज साफ करने वाला सूप होता है, जो सार्थक को बचा लेता है और निरर्थक को उड़ा देता है।



# मानव व्यक्तित्व का आधार है दिनचर्या

अनुशासनविहीन जीवन में स्वस्ति और लोकमंगल नहीं होते। प्रकृति स्वयं अनुशासन में गतिशील है। मनुष्य के लिए इसी अनुशासन का पालन उपयोगी दिनचर्या है। इसका संबंध स्वस्थ मन से है। स्वस्थ बुद्धि से है और निर्मल आत्मा से भी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मस्त व्यक्तित्व के धनी हैं। उच्च कोटि के संसद विज्ञ, 5 बार के सांसद व दूसरी बार मुख्यमंत्री हैं। व्यवहार में अनुशासित अखिल भारतीय स्तर पर चर्चित जनप्रिय राजनेता हैं। योगी हैं। सो अनुशासन में रहते हैं और अपने परिचितों से भी अनुशासित रहने की अपेक्षा करते हैं। वे हमारे प्रति शुभेक्षु हैं। हम लोग भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा करते रहे हैं। वे योग विज्ञानी भी हैं। योग का हमारा ज्ञान किताबी है, लेकिन उनका ज्ञान अनुभव अनुभूति और व्यावहारिक जीवन से भरा पूरा है।

चार दिन पहले आकाशवाणी का 89 वां स्थापना वर्ष मनाया गया था। उसमें पद्म पुरस्कार प्राप्त लोगों को सम्मानित किया गया था। आकाशवाणी के वरिष्ठ महानुभाव भी सम्मानित किए गए थे। पद्मश्री में मेरा भी नाम था। योगी जी ने उस कार्यक्रम में मेरी दिनचर्या पर चर्चा की। उन्होंने कुछ पुरानी बातें खोलीं और याद कराया कि हमारी दिनचर्या अनुशासित नहीं थी। उन्होंने मुझे याद कराया की देर रात तक जागना स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं होता। मैंने उनसे बताया के दिन भर राजनीतिक कारणों से व्यस्तता रहती है और रात में लिखने-पढ़ने का समय मिलता है। उन्होंने हंसते हुए कहा था कि यही दिनचर्या उलट दी जाए और सुबह जल्दी उठा जाए और रात्रि में जल्दी सोया जाए। इन्हीं पुरानी बातों को उन्होंने आकाशवाणी के कार्यक्रम में फिर से दोहराया।

दिनचर्या व्यक्तित्व का आधार है। दिनचर्या का अनुशासन प्रायः हमारा निर्णय होता है। इसमें थोड़ी सी चूक भी क्षतिकारी होती है। दिनचर्या पर देशकाल का भी प्रभाव पड़ता है। ठंडी जलवायु वाले देशों में शरीर के ताप को विशेष स्तर पर बनाए रखने की आवश्यकता होती है। ऐसे देशों में अधिक ऊष्मा देने वाली दिनचर्या चलती है। आदर्श दिनचर्या पर प्राचीन भारत में अच्छा और परिश्रम हुआ है। अच्छी दिनचर्या में अच्छी नींद, अच्छा जागरण और अच्छे आहार की आवश्यकता होती है। उसे कालखंड में अन्न की विशेष महत्ता पर जोर दिया गया है। अन्य भौतिक पदार्थ है। प्राचीन अनुभूति में वह दिव्य है। तैत्तरीय उपनिषद के एक सुंदर मंत्र में कहते हैं, "कि यह व्रत संकल्प है कि अन्न की निंदा न करें। अन्न ही प्राण है। प्राण ही अन्न है। शरीर भी अन्न है। शरीर और प्राण का अंतरसंबंध है। अन्न ही अन्न में प्रतिष्ठित है, जो यह जान लेता है उसकी दिनचर्या आदर्श हो जाती है।" उपनिषद में कहते हैं कि "आहार का अर्थ अन्न है।" आहार साधारण खाद्य वस्तु नहीं है। आहार का संबंध अनुशासित दिनचर्या से भी है। व्यापक अर्थों में अनुशासित दिनचर्या के पांच द्वार हैं। देखना भी एक आहार है। देखे गए दृश्य चित्र को प्रसन्न या अप्रसन्न करते हैं। सुंदर दर्शन में मन प्रसन्न होता है। अभद्र दर्शन में मन अप्रसन्न होता है। इसलिए देखने में भी संयम की आवश्यकता है। पढ़ना भी एक आहार है। अनुशासित दिनचर्या वाला ज्ञानवर्धक अध्ययन मन स्वस्थ रखता है। निराश करने वाली सूचनाएं कष्ट पहुंचाती हैं।

> इस समय आधी दुनिया युद्ध में है। समाचार माध्यमों में धुआं ही धुआं है। बारूदी वातावरण है। यह निराश करता है। गंध भी आहार है। किसी बाग या उपवन में गंधमादन हवा आती है। चित्त गंधमादन हो जाता है। ज्ञानवर्धन सुना या रुचिपूर्ण सुनना, गीत सुनना काव्य सुनना, नदी के पास खड़े होकर नाद सुनना आनंददायक है। दुनिया का सारा ज्ञान देखने और सुनने से प्रकट हुआ है। वैदिक साहित्य सुना हुआ है। स्पर्श भी आहार है। किसी प्रियजन का स्पर्श आनंददाई है।

**हृदय नारायण दीक्षित**
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

इस समय आधी दुनिया युद्ध में है। समाचार माध्यमों में धुआं ही धुआं है। बारूदी वातावरण है। यह निराश करता है। गंध भी आहार है। किसी बाग या उपवन में गंधमादन हवा आती है। चित्त गंधमादन हो जाता है। ज्ञानवर्धन सुना या रुचिपूर्ण सुनना, गीत सुनना काव्य सुनना, नदी के पास खड़े होकर नाद सुनना आनंददायक है। दुनिया का सारा ज्ञान देखने और सुनने से प्रकट हुआ है। वैदिक साहित्य सुना हुआ है। स्पर्श भी आहार है। किसी प्रियजन का स्पर्श आनंददाई है। दृश्य, श्रव्य, नाक, स्पर्श और रसना पांच द्वार हैं। इनसे हम कुछ न कुछ लिया करते हैं। जीवनचर्या के अनुशासन में इन पांचों द्वारों की भूमिका है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में 10 दिशाएं हैं। काल गणना भी है। वासना भी जन्म और जीवन के साथ आई है। वासना का अनुशासन प्रार्थना है। जीवन ऊर्जा का अधोगामी प्रवाह वासना है। वासना भी एक दिशा है, लेकिन इसका कार्यव्यवहार दुखदायी है। लोकमंगल के विपरीत भी है। जीवन ऊर्जा की दूसरी दिशा प्रार्थना है। वासना और प्रार्थना दोनों में ही हमारी चेतन ऊर्जा ही मुख्य कारक है। दोनों में स्वयं के प्रति आस्तिकता है, लेकिन प्रार्थना में प्रार्थना के प्रति गजब का विश्वास है। ऋग्वेद में प्रार्थना है-हे देवो! हमारा मन शुभ करो। यजुर्वेद में प्रार्थना है-तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु-हमारे मन को कल्याणकारी संकल्प से भरो। विरोधाभास ध्यान देने योग्य है। मन हमारा है, इसे शुभ या शिव बनाने की प्रार्थना हम दूसरे से क्यों करते हैं? प्रार्थना का अंतर्भूत तत्व ऐसा नहीं है। कोई देवता प्रार्थना सुनकर हमारा मन ठीक करे या न करे? लेकिन चित्त से उगी प्रार्थना हमारे चित्त के अणु-परमाणु को शिव तत्व से भर देती है। मैंने हजारों निबंध लिखे हैं। कोई पूछे कि इन सबका आधारभूत तत्व क्या है? मैं उत्तर देता हूं कि हमारा लेखन, भाषण और समूचा राजनैतिक कार्य-व्यवहार प्रार्थना ही है। सिर्फ प्रार्थना ही। प्रार्थना है कि हिंसा से भरे स्वजन संवेदनशील हों। पतंजलि का योग 'चित्तवृत्ति निरोध' है। श्रीकृष्ण का योग 'मनोनिग्रह' है। दोनों का मंतव्य एक है। श्रीकृष्ण 'अभ्यास और वैराग्य' का मंत्र देते हैं। पतंजलि की भाषा भी वही है "अभ्यास वैराग्याभ्यां तन्निरोधः- अभ्यास और वैराग्य से इन वृत्तियों का नियंत्रण संभव है।" (पतंजलियोगसूत्र 1.12) वे आगे अभ्यास की परिभाषा बताते हैं "इन दो (अभ्यास, वैराग्य) में अभ्यास स्वयं में दृढ़ता से प्रतिष्ठित होने का प्रयास है-तत्रस्थितौ यत्नो अभ्यासः।" (वही 13) अभ्यास का संकल्प महत्वपूर्ण है। अभ्यास स्वयं के प्रति सजग चेष्टा है, वैराग्य इच्छा शून्यता है। अभ्यास और वैराग्य चित्त को संयत करते हैं। योगासन और ध्यान इसी के उपकरण हैं। व्यक्तित्व की पूरी ऊर्जा को एकाग्र करने का नाम अभ्यास है। फिर वैराग्य बताते हैं,"ऐन्द्रिक सुखों की तृष्णा में सजग प्रयास से भोग आसक्ति के प्रति वितृष्णा वैराग्य की प्रथम अवस्था है, पुरुष के अंतरतम का बोध होने पर सभी इच्छाओं का विलीनीकरण वैराग्य की पूर्णता है।" (वही 15 व 16) श्रीकृष्ण ने कहा, "असंयत के लिए योग कठिन है, लेकिन संयत व्यक्ति संकल्पबद्ध होकर योगलब्ध हो जाता है।" (गीता 6.36)

पतंजलि योग सूत्रं में दर्शन के आत्मिक अनुभव में मन की चंचलता बाधा है। बाधाएं और भी हैं। पतंजलि ने योग सूत्र (30) में बताया है कि "रोग, प्राणहीनता, संशय, प्रमाद, आलस्य, आसक्ति, भ्रांति और अस्थिरता बाधाएं हैं। दुख, निराशा, कपकपी और अनियमित श्वसन लक्षण हैं।" यहां 'रोग' ध्यान देने योग्य हैं। पतंजलि वैद्य या चिकित्सक नहीं थे। चरक संहिता आयुर्विज्ञान का प्रख्यात ग्रंथ है। बताते हैं-"बिना रोग का होना सुख है और रोग दुख है।" आगे स्वास्थ्य के बारे कहते हैं "जब मन और बुद्धि का समान योग रहता है, तब मनुष्य स्वस्थ रहता है, जब इनका अतियोग, अयोग और मिथ्या योग होता है तब रोग।" रोग मन और बुद्धि के अतियोग, अयोग और मिथ्यायोग के परिणामी है। योग परम स्वास्थ्य है। प्राण और शरीर का योग जीवन है। प्राण का कम होना जीवनी शक्ति का घटना है। आलस्य प्राण शक्ति घटाता है, आसक्ति बढ़ाता है।

पतंजलि ने मनुष्य का रहस्यपूर्ण विवेचन किया है। शरीर, मन, बुद्धि और आत्म से स्वस्थ व्यक्ति हिंसक नहीं हो सकता। आनंदित व्यक्ति सृजन करता है और तनावग्रस्त व्यक्ति ध्वंस। योग तनावग्रस्त विश्वमानवता को भारत का प्रशांत उपहार है, लेकिन योग का विज्ञान पढ़ने से ही समझ में नहीं आता। यह पठनीय कम करणीय ज्यादा है। लेकिन हमारी लत है कि पठन-पाठन ही ज्यादा है, करणीय कम।

# पहाड़ों की धुंधली होती आवाजें

कुमाऊंनी भाषा ने उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान में लंबे समय से एक केंद्रीय स्थान बनाए रखा है। यह केवल संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्मृतियों, लोक ज्ञान और सांस्कृतिक निरंतरता की एक महत्वपूर्ण वाहक भी है। हालांकि वर्तमान समय में यह भाषा एक गंभीर अस्तित्वगत संकट का सामना कर रही है। दैनिक जीवन में इसका उपयोग लगातार कम हो रहा है और युवा पीढ़ी के बीच इससे जुड़ाव या इसकी जानकारी भी तेजी से सीमित होती जा रही है।

**अपूर्वा लोहुमी**
असिस्टेंट प्रोफेसर

दरअसल, भाषा किसी भी समुदाय की ज्ञान प्रणाली की नींव होती है। कुमाऊंनी भाषा में रची-बसी लोक कथाएं, गीत, कहावतें और पारंपरिक अभिव्यक्तियां इस क्षेत्र के पारिस्थितिक और सामाजिक अनुभवों का एक समृद्ध संग्रह प्रस्तुत करती हैं, इसलिए किसी भाषा का विलुप्त होना केवल शब्दों का खोना ही नहीं, बल्कि एक विशिष्ट ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विश्व दृष्टिकोण का विघटन भी है। कुमाऊंनी भाषा के पतन के लिए कई सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक कारक जिम्मेदार हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण कारक है पलायन। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी केंद्रों की ओर लोगों के पलायन से उनके भाषाई व्यवहार में बदलाव आता है। शहरों में, हिंदी और अंग्रेजी जैसी प्रमुख भाषाएं सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक और आजीविका के साधन के रूप में कार्य करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप कुमाऊंनी जैसी क्षेत्रीय भाषाएं हाशिए पर चली जाती हैं। शिक्षा प्रणाली इस असंतुलन को और भी गहरा कर देती है। औपचारिक स्कूली शिक्षा में क्षेत्रीय भाषाओं को शायद ही कभी कोई स्थान दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे मुख्य रूप से हिंदी और अंग्रेजी में ही भाषाई दक्षता हासिल कर पाते हैं। नतीजतन, कुमाऊंनी भाषा केवल घरेलू और अनौपचारिक परिवेश तक ही सीमित होकर रह जाती है और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक इसका हस्तांतरण धीरे-धीरे बाधित हो जाता है।

> सर्वप्रथम, कुमाऊंनी भाषा को प्राथमिक शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे बच्चों में अपनी मातृभाषा के प्रति जुड़ाव और गर्व की भावना विकसित हो सके।

इसके अतिरिक्त बदलती सामाजिक आकांक्षाएं भी इस समस्या को बढ़ाने में योगदान देती हैं। विशेष रूप से, अंग्रेजी भाषा को अक्सर आधुनिकता और प्रगति से जोड़कर देखा जाता है, जिसके चलते माता-पिता अपने बच्चों को इस भाषा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इससे भाषाओं के बीच एक प्रकार का पदानुक्रम निर्मित हो जाता है, जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं को कम महत्व का समझा जाता है और परिणामस्वरूप वे धीरे-धीरे उपेक्षित होती चली जाती हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, कुमाऊंनी भाषा के पुनरुद्धार की संभावनाएं अभी भी मौजूद हैं। इसके लिए कई स्तरों पर प्रयासों की आवश्यकता है। सर्वप्रथम, कुमाऊंनी भाषा को प्राथमिक शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे बच्चों में अपनी मातृभाषा के प्रति जुड़ाव और गर्व की भावना विकसित हो सके। दूसरे, जनसंचार माध्यमों और डिजिटल मंचों का उपयोग करके कुमाऊंनी भाषा को समकालीन संदर्भों में जीवंत बनाए रखने में मदद मिल सकती है। सोशल मीडिया पर कुमाऊंनी भाषा में सामग्री तैयार करने और उसे साझा करने से यह भाषा युवा पीढ़ी के लिए अधिक प्रासंगिक और आकर्षक बन सकेगी।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

# मन से मंजिल तक विचारों का सफर

विचार मानव मन की वह शक्ति हैं, जो हमारे व्यक्तित्व, व्यवहार और जीवन की दिशा तय करते हैं। यह किसी विषय पर गहराई से सोचने, सही-गलत में भेद करने या मानसिक रूप से किसी कार्य की योजना बनाने की प्रक्रिया है। विचार हमारे अपने नहीं, बल्कि मेहमान की तरह होते हैं, जो आते हैं और चले जाते हैं। उनका कोई घर नहीं है। वे बादलों की तरह भटकते हैं। विचार तरंगों की भांति हैं। वह मनुष्य के चित्त पर अपना प्रभाव शुभ या अशुभ के लिए छोड़ते हैं। बिना विचारों के न तो नवाचार संभव है, न ही आगे बढ़ना। जितने अधिक विचार उत्पन्न होंगे, उतनी ही नई संभावनाएं खुलेंगी। हर बड़ी खोज की शुरुआत एक छोटी-सी चिंगारी से होती है, पर वह चिंगारी अकेले नहीं, बल्कि अनगिनत छोटे-छोटे विचारों की भीड़ से जलती है। रचनात्मक लोग इसलिए हमेशा विचारों के दरवाजे खुले रखते हैं। वे डरते नहीं, बल्कि उन्हें न्योता देते हैं। ज्यादातर विचार अधूरे, कमजोर या बेकार लग सकते हैं, पर यही असफल प्रयास ही इतिहास की बड़ी सफलताओं की नींव बनते हैं। हर विचार, चाहे छोटा हो या बड़ा, एक संभावित बीज है। असफलता को डरने की बजाय सीखने का मौका समझें। अपने जूनियर या साथियों के विचारों को भी सम्मान दें। कभी-कभी वही अगला बड़ा कदम बन जाता है। विचार को शब्दों से आगे ले जाने से ही आपके विकास की नींव मजबूत बनती है। जब आप एक विचार को लिखते हैं, फिर उसे योजना में बदलते हैं और अंत में उसे लागू करते हैं, तभी वह प्रगति की धड़कन बनता है।

**डॉ. नंदकिशोर शाह**
लखनऊ

छोटे- छोटे कदम से बड़ी जीत हो सकती है। हर बात को ध्यान से सुनें, चाहे वह किसी भी स्तर का हो। विचार को कागज या नोट-ऐप पर लिखें। लिखने से वह स्पष्ट होता है। छोटा-सा प्रयोग करें, परिणाम देखें। टीम के साथ चर्चा करें, बहुमत से बेहतर समाधान निकलता है। विचार केवल मन में रहने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्हें पोषित करें, उन्हें परखें और सबसे जरूरी है कि उन पर अमल करें। तभी वह एक धड़कन, एक स्थायी ताल बन जाएगी, जो हर कदम को आगे बढ़ाएगी। मनुष्य के दिमाग में हर दिन लगभग 50 हज़ार विचार आते है। ये विचार अक्सर छोटे-छोटे, स्वचालित और अक्सर अनजाने होते हैं, जैसे सांस लेना या यादों का धुंधलापन। इसलिए, हर दिन आपके सिर में एक निरंतर विचार-धारा चलती रहती है, चाहे आप उसे महसूस करें या न करें। उनमें से सिर्फ 1-2 फीसदी स्मृति में टिकते हैं, जो भावनात्मक या महत्वपूर्ण होते है। बाकी बहुत से विचार क्षणिक फ्लैश की तरह गायब हो जाते हैं, जो भी विचार आते हैं, उन्हें कागज या नोट-ऐप में लिख दें। लिखते-लिखते अक्सर वो खुद ही साफ हो जाते हैं और दिमाग को बांध देते हैं। जिस विचार को हम अपनाते नहीं है, वह विचार बेकार ही है। व्यक्ति अपनी सोच का गुलाम होता है। आप जैसा सोचते हैं, वैसा ही बनते है। दुःख पर ध्यान देंगे, तो हमेशा दुःखी ही रहेंगे, सुख पर ध्यान देना शुरू करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

# किन्नर पहचान और नया कानून

एक उभरता संवैधानिक द्वंद भारतीय समाज में किन्नर समुदाय सदियों से अपनी एक अनोखी और विशिष्ट जगह रखता है। शादी-व्याहा में मंगल गीत गाना हो, नवजात शिशु के जन्म पर नाच-गाकर बधाइयां देना या आशीर्वाद देना हो। यह इनका पारंपरिक पेशा रहा है। ज्योतिष गण भी बुध ग्रह की शांति के लिए इन हिजड़ों को दान-पुण्य करने, भोजन कराने और इनका आशीर्वाद लेने की सलाह देते हैं, लेकिन इसी समुदाय के साथ भेदभाव, अपमान, शिक्षा और नौकरी में बाधाएं तथा स्वास्थ्य सेवाओं में दिक्कतें भी कम नहीं हैं।

समाज की इन पारंपरिक रस्मों के साथ-साथ एक बहुत बड़ी और गंभीर समस्या भी उभरकर सामने आई है और वह है इनकी पहचान का प्रश्न। समाज में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जहां कुछ व्यक्तियों ने किन्नर होने का दावा कर आम लोगों से जबरन धन वसूला, अराजकता फैलाई और कानून-व्यवस्था को चुनौती दी। वहीं कुछ मामलों में बच्चों और किशोरों के अपहरण कर, उन्हें जबरन किन्नर बनाने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए हैं।

वहीं दूसरी तरफ, हमारे जो वास्तविक किन्नर समुदाय के भाई-बहन हैं, वे आज भी सामाजिक भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इन्हें संघर्ष करना पड़ता है और उनकी पहुंच सीमित है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 लेकर आई है। यह विधेयक 13 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश हुआ, दोनों सदनों से पारित हुआ और 30 मार्च 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सहमति के साथ राजपत्र में प्रकाशित भी हो गया है।

**आलोक तिवारी**
वरिष्ठ पत्रकार

सरकार का दावा है कि यह कानून समाज में किन्नरों के नाम पर हो रहे दुरुपयोग को रोकने और वास्तविक किन्नर समुदाय को बेहतर सुरक्षा देने के लिए लाया गया है। इस कानून में प्रावधान है कि यदि किसी वयस्क या बच्चे को जबरन अंग-भंग, हार्मोनल प्रक्रिया या किसी अन्य तरीके से किन्नर बनाने की कोशिश की जाती है, तो 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है। बच्चों के मामलों में सजा और भी कड़ी होगी। 2019 के मूल कानून में इस प्रकार के गंभीर अपराधों के लिए ऐसा विशिष्ट और कठोर प्रावधान नहीं था। किसी को जबरन किन्नर के रूप में प्रस्तुत कर भीख मंगवाने या श्रम कराने पर भी 5 से 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान किया गया है। इस नए कानून का सबसे बड़ा और सबसे विवादित बदलाव ही पूरे मामले का केंद्र है, जिसने एक बड़ी बहस को जन्म दिया है। पहले 2019 के कानून में व्यवस्था यह थी कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को ट्रांसजेंडर या किन्नर मानता था, तो वह जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) के पास आवेदन देकर अपनी स्वयं की घोषणा के आधार पर पहचान प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता था। अर्थात यदि किसी ने कहा- स्वीकार किया कि वह किन्नर है, तो उसे मान लिया जाता था। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2014 में NALSA (नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी) मामले में यही कहा था कि gender identity व्यक्ति की अपनी स्वीकृति और समझ पर आधारित होनी चाहिए।

> यह विधेयक 13 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश हुआ, दोनों सदनों से पारित हुआ और 30 मार्च 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सहमति के साथ राजपत्र में प्रकाशित भी हो गया है। यह कानून भारत में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और राज्य के नियंत्रण के बीच चल रही बहस का नया अध्याय है।

NALSA मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि व्यक्ति की लिंग पहचान उसकी गरिमा, स्वायत्तता और वैयक्तिक स्वतंत्रता का हिस्सा है अर्थात व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने, अपनी पहचान तय करने और अपने जीवन के बारे में स्वयं निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार है। उसके यह अधिकार संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत संरक्षित है। अब बदलाव यह है कि डीएम अकेले निर्णय नहीं करेगा। उसे मेडिकल बोर्ड (मुख्य चिकित्सा अधिकारी या उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता वाली टीम) की सिफारिश और जांच के बाद ही प्रमाण पत्र जारी करना होगा कि व्यक्ति किन्नर/ट्रांसजेंडर है या नहीं। आवश्यकता पड़ने पर अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों को भी शामिल किया जा सकता है। इस प्रकार स्व-घोषणा का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। एक तरफ समाज में हो रहे कानूनों और नियमों के दुरुपयोग को रोकना जरूरी है, दूसरी तरफ किसी नागरिक की गरिमा, निजता और स्वतंत्रता पर अनावश्यक नियंत्रण भी सरकार के अधिकार में नहीं होना चाहिए। यह कानून भारत में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और राज्य के नियंत्रण के बीच चल रही बहस का नया अध्याय है और समाज को अब इस पर गंभीर चिंतन और विमर्श करना होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

# समुद्र के समान है शरीर

मित्रों एवं परिचितों की लंबी सूची है। इन लोगों से मिलते-जुलते समय व्यतीत हो जाता है। हर तरह की बात होती है। हंसी-ठहाका भी होता है। इसके अलावा लंबा-चौड़ा परिवार है। परिवार में भी आपस में बातचीत होती है। समय कैसे बीत जाता है, पता नहीं चलता है।

वर्तमान युग में तो स्मार्ट फोन पर ढेरों मित्र हैं। आपस में संदेशों का आना-जाना होता है। पैसों की कमी नहीं। सारे भौतिक उपकरण घर में मौजूद है। घर के हर सदस्य के पास मोबाइल फोन है। कोई बात होती है, तो वह टेलीफोन से हो जाती है। दिन कैसे बीत गया यह पता नहीं चलता है। यह तो रहा बाहरी दुनिया का हालचाल। कभी खुद से मुलाकात करने की कोशिश करनी चाहिए। अंतर्मन से बात करनी चाहिए कि क्या भौतिक सुख-सुविधा के लिए ही जीवन मिला है? भौतिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग व्यक्ति को पंगु बनाता है। दोस्तों एवं ढेरों परिचितों का साथ तभी तक रहेगा, जब तक भौतिक संपन्नता रहेगी। दुर्भाग्यवश कोई ऐसी घटना घट गई, जो कष्टदायी है, तो मित्रों एवं परिचितों तथा मोबाइल पर बने फ्रेंड काम नहीं आएंगे। उस समय सब किनारा कस लेंगे। कहा भी गया है कि सुख के सब साथी होते हैं, दुःख में कोई नहीं होता है। ऐसी स्थिति में पता चलता है कि व्यक्ति बिल्कुल अकेला है। ढाढस देने वाला कोई नहीं है। अतः व्यक्ति को चाहिए कि वह अति भौतिकता के पीछे न भागे।

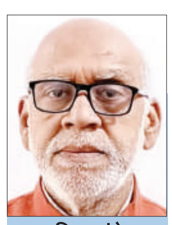

**सलिल पांडेय**
मिर्जापुर

भौतिक आवश्यकताओं को तो पूरा करना चाहिए, लेकिन इसके लिए नैतिक तरीका भी अपनाना चाहिए। नैतिक तरीके से जब धन अर्जित होता है, तो उसका दुरुपयोग नहीं होता, जबकि अनैतिक तरीके से धनार्जन में विलासिता की आदत पड़ जाती है। बुरी लतें भी घेर सकती हैं। ऐसे माहौल में बाहरी मित्र बहुत जुट जाएंगे, लेकिन जब नैतिक दृष्टि से धनार्जन होगा, तो उससे परिवार में आत्मनिर्भरता तो आएगी ही, साथ ही मन को संतोष मिलेगा कि किसी दूसरे का हिस्सा नहीं लिया गया है। फिजूलखर्ची की आदत नहीं बनेगी। एकांत में बैठकर जब अंतरात्मा में झाकेंगे, तो सुख-शांति मिलेगी। केवल पैसा कमाने के लिए जीवन नहीं मिला है। मन को संतोष देने के लिए खुद आत्मा में झांकना चाहिए। हो सके तो ध्यान मन पर लगाना चाहिए।

संभव है कि बाहरी लोगों के साथ हंसी-मजाक से जो आनंद मिलता है, उससे कहीं अधिक अंतर्मन पर ध्यान लगाने से मिलने लगेगा। ऐसा महसूस होगा कि जैसे शरीर में अमृत की बरसात हो रही है। ऐसी स्थिति में भौतिक उपकरणों से जो सुख मिलता है, उससे कहीं अधिक अंतर्मन से साक्षात्कार करने से मिलने लगेगा। शरीर एक समुद्र के समान है। इसके मंथन से विष भी निकलता है और अमृत भी निकलता है। विष रूपी नकारात्मकता को त्याग कर अमृत रूपी आनंद का पान करना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

# चाइनीज मांझे के प्रयोग पर प्रतिबंध की जरूरत

चाकू के प्रहार से तो कोई एक बार बच जाएगा, लेकिन चाइनीज मांझे की रगड़ से नहीं? खून का प्यासा ये मांझा लगातार निर्दोष राहगीरों का खून पी रहा है। ऐसी घटनाओं पर एकाध दिन तो खूब शोर मचता है, लेकिन थोड़े दिन बाद मुद्दा आया-गया हो जाता है। फिलहाल इस मसले को लेकर सरकार के एक धड़े ने अच्छी पहल आरंभ की है। चाइनीज मांझे से जुड़ी घटनाओं पर उत्तर प्रदेश सरकार ने कड़ा निर्णय लिया है। आरोपियों पर तुरंत एफआईआई दर्ज करने का आदेश पारित हुआ है। गौरतलब बीते दो सालों में पूरे देशभर में करीब 1590 घटनाएं विभिन्न प्रदेशों के पुलिस थानों में रिपोर्ट हुईं। इसमें मरने वालों की संख्या 65 फीसदी है और बाकी गंभीर रूप से घायलों की। मौत के मामलों में 90 फीसदी दोपहिया वाहन चालक हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक 2021 की तुलना में 2022-2023 में 18 फीसदी केसों में वृद्धि हुई। मांझे की घटनाओं पर उत्तर प्रदेश शासन का कड़ा रूख अख्तियार करना निश्चित रूप से स्वागत योग्य कहा जाएगा। बिलावजह बेकसूर लोगों की जान गंवाने की दिशा ये सुधारक कदम भी होगा। ऐसी पहल सभी राज्य हुकमतों को और केंद्र सरकार को बिना देर किए करनी चाहिए।

दशक भर पहले तक चाइनीज मांझे का रिवाज नहीं था। पहले कच्चे सूत के धागे वाले मांझे का इस्तेमाल होता था, लेकिन पर जब से चाइनीज मांझे का प्रचलन आया, लोगों ने अपना लिया। अपनाने का कारण एक ये भी है कि चाइनीज मांझा, अन्य मांझों के मुकाबले मजबूत बहुत है। इसमें मेटल, नाइनॉल और कॉरबोनाइट का प्रयोग होता है, जिसकी रगड़ मात्र से हड्डी तक कट जाती है, जबकि पंतगबाजी के दौरान देशी मांझा टूट जाता है, लेकिन चाइनीज मांझे का कुछ नहीं बिगड़ता? लेकिन लोग इसके दुष्परिणामों को भूल जाते हैं। कुल मिलाकर चाइनीज मांझे से घटती खूनी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए इस मांझे की ब्रिकी और इस्तेमाल पर सख्ती और कड़े प्रावधान की अब दरकार है। मांझे की जानलेवा घटनाएं सिर्फ वसंत या किसी विशेष दिनों पर ही नहीं घटती, बल्कि चौबीसों घंटे और 12 महीने होती हैं। 2016 में एनजीटी ने भी समूचे भारत में बैन का आदेश दिया था, जो धरातल पर कारगर साबित नहीं हुए।

**डॉ.रमेश ठाकुर**
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में चाइनीज मांझे का इस्तेमाल अब चोरी-छिपे अन्य कार्यों में भी होने लगा है। पुलिस रिपोर्ट में इस तरह की बातें सिद्ध भी हुई हैं कि लोगों के मर्डर में क्रिमिनलों ने चाइनीज मांझे का प्रयोग किया। गला रेतने में ये धागा तलवार की धार से भी तेज होता है। वहीं, मछुआरों द्वारा मछली पकड़ने से लेकर किसानों का खेतों में आवारा पशुओं से फसलों के बचाव में भी मांझे का इस्तेमाल बेधड़क होने लगा है, जबकि ये मांझा सभी राज्यों में पूर्ण प्रतिबंध है, बावजूद इसके कहीं भी आसानी से उपलब्ध हो जाता है। साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई थी। मौखिक रूप से प्रदेशों को बचाव हेतु आदेशित भी किया था, लेकिन शीर्ष अदालत के आदेश को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। मध्य प्रदेश और इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यहां तक कह दिया है कि अगर कोई नाबालिग बच्चा मांझे से घायल हुआ, तो उसके अभिभावक जिम्मेदार होंगे। ये खूनी मांझा पर्यावरण को भी खासा नुकसान पहुंचाता है। पंतगबाजी के दौरान जो मांझा पेड़ों में फंस जाता है वह कई महीनों तक फंसा रहता है, उसमें बेजुबान पक्षी फंसकर मरते रहते हैं।

इंडियन वाइल्ड लाइफ की रिपोर्ट बताती है कि साल 2017-2025 के बीच गुजरात में 17000 हजार पक्षी मांझे में फंसकर हताहत हुए, जिनमें 1500 से अधिक पक्षियों की मौत हुई। वहीं, बेंगलुरु में पिछले साल सबसे ज्यादा पक्षी मरे, जिनमें 790 पक्षियों को रेस्क्यू करके बचाया भी गया। वाइल्ड लाइफ रिपोर्ट पूरे भारत में सालाना 5 लाख बेजुबान पक्षियों को इस अदृश्य मांझे में फंसकर घायल होने तस्दीक करती है। मांझे से उपजी हृदय विदारक घटनाओं के सिलसिले को कैसे रोका जाए, इसको लेकर केंद्रीय स्तर पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता अब महसूस होने लगी है। केंद्रीय स्तर पर इस मसल को कानूनी जद में लाना ही होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

# कानपुर में भीषण तूफान, 3 की मौत

## पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम खराब, 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी | सैकड़ों पेड़ व बिजली के खंभे-तार टूटे, कई जगह जलभराव, भीषण जाम में फंसे लोग

- कन्नौज, इटावा, औरैया, चित्रकूट, कानपुर देहात में भी आंधी-बारिश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचारः** कानपुर में शनिवार शाम आए भीषण आंधी-तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। भयंकर आंधी के साथ ओले गिरने से शहर भर में आफत रही। काकादेव में आटो पर पेड़ गिरने से चालक और एक महिला की मौत हो गई। गुजैनी में जलभराव में बाइक फिसलने से एक युवक की जान चली गई। पेड़ गिरने से दो लोग घायल हो गए। तूफान से सैकड़ों पेड़ व होर्डिंग उखड़ गईं और रास्ते बंद हो गए।

दर्जनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। बिजली के सैकड़ों पोल भी उखड़ गए जिससे पूरा शहर देर रात तक अंधेरे में डूबा रहा। कई स्थानों पर सड़कें धंस गईं। पूरे शहर में भीषण जाम लगा। गलियों में भी वाहन फंसे रहे। शाम साढ़े छह बजे आफिसों से निकले लोग रात 9 बजे तक भी घरों को नहीं पहुंच सके। कन्नौज, इटावा और औरैया में भी आंधी के साथ बारिश हुई। औरैया में पेड़ गिरने से यातायात थोड़ी देर के लिए बाधित हुआ। चित्रकूट में आंधी के बाद तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ और फसलों को नुकसान पहुंचा। कानपुर देहात में भी बारिश के साथ ओले गिरे जिससे फसलों को नुकसान हुआ। फर्रूखाबाद में भी बारिश हुई।

### अंधेरे में डूबा शहर, जनजीवन प्रभावित

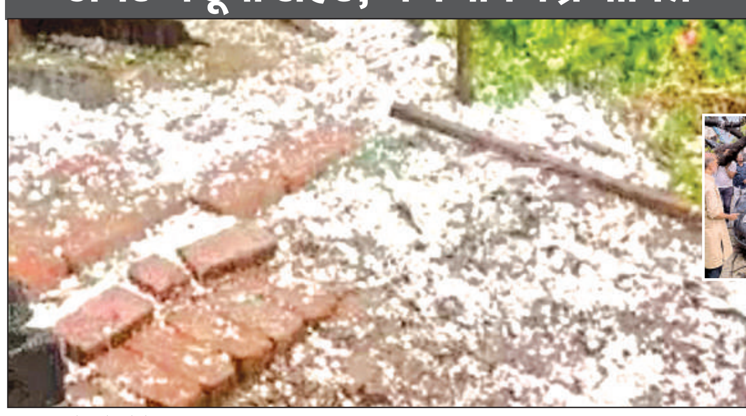

घाटमपुर में गिरे ओले। अमृत विचार

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम खराब हुआ। शाम 5 बजे 37 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं तेज हवाओं ने होर्डिंग, पोल, पेड़ सहित अन्य को क्षतिग्रस्त कर दिया। जोरदार आंधी के साथ मूसलाधार बारिश और ओले गिरे। करीब दो घंटे में 21 मिमी बारिश दर्ज की गई। काकादेव स्थित कुलवंती हॉस्पिटल के पास भारी भरकम पुराना पेड़ ई-ऑटो पर गिर गया। 30 वर्षीय सोनू निषाद व सवारी 62 वर्षीय जमुना देवी की मौत हो गई। जमुना देवी की बेटी ज्योत्सना भी घायल हो गईं। वहीं गुजैनी हाईवे पर जलभराव में बाइक सवार 40 वर्षीय नरेंद्र फिसल कर गिर गया, जिसे पीछे से आए ट्रक ने रौंद दिया। बारिश की वजह से शहर में कई स्थानों पर जलभराव हुआ। सीसामऊ नाला उफनाने की वजह से ग्वालटोली और वीआईपी रोड जलभराव में डूब गई।

### तीन गाड़ी दबीं

कर्नलगंज ऊंची सड़क पर आंधी तूफान में एक पुराना बड़ा नीम का पेड़ गिर गया। जिसमें 3 गाड़ी डैमेज हो गयी। इसके अलावा यहां से गुजर रही हाईटेंशन लाइन टूट गयी। चुन्नीगंज के पार्षद इशरत अली ने नगर निगम की टीम बुलाकर सड़क से पेड़ हटवाने का कार्य शुरु कराया। देर रात तक नगर निगम व केस्को की टीम के साथ क्षेत्र के नागरिक भी पेड़ हटाने में लगे थे।

### सीतापुर : वज्रपात से चलाकापुर गांव में लगी आग, मां-बेटी की मौत, पोती गंभीर

**सीतापुर।** सदरपुर थाना क्षेत्र के चकालापुर गांव में रात लगभग 9 बजे आकाशीय बिजली गिरते ही गांव के घरों में आग लग गई। हादसे में फूलमती 45 पत्नी शत्रुहन और उनकी 60 वर्षीय मां की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। वहीं, 7 वर्षीय पोती माही गंभीर रूप से झुलस गई है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक आशा मौर्य ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन को बचाव कार्य में तेजी लाने और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। फिलहाल भारी पुलिस बल और दमकल की टीमें मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटी हैं।

**अदालती नोटिस**

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (सी0डि0) मोहनलालगंज, लखनऊ
प्रकीर्ण वाद संख्या–1097/2025
ता0पेशी–17.04.2026

शशी आयु लगभग 55 वर्ष पुत्री स्व0 रामस्वरूप निवासिनी–हाता सितारा बेगम, चौक, जिला–लखनऊ –प्रार्थिनी/वादिनी

बनाम

1–जायदाद स्व0 शान्ती पत्नी स्व0 रामस्वरूप निवासिनी–हाता सितारा बेगम, चौक, जिला–लखनऊ–2–सतीश कुमार आयु लगभग 57 वर्ष पुत्र स्व0 रामस्वरूप निवासी–हाता सितारा बेगम, निकट हाफिज कालोनी, ठाकुरगंज, जिला–लखनऊ–3–सुनील कुमार आयु लगभग 55 वर्ष पुत्र स्व0 रामस्वरूप निवासी–हाता सितारा बेगम, जिला– लखनऊ – विपक्षीगण

चूंकि उपरोक्त नामांकित–प्रार्थिनी/वादिनी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 17.04.2026 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वांन्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 25.09.2025 के दिवस को दिखायी गयी। दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

एच0सी0जे0 फार्म सं0 23 भाग–7

**हेतु संदर्शित करने का सूचना (साधारण प्रारूप)**

न्यायालय श्रीमान..प्रधान न्यायाधीश
महोदय परिवार – न्यायालय बलरामपुर
वाद संख्या –550 /2025 सन ..ई0..
तारीख पेशी – 22/05/2026
दिलीप गुप्ता – वादी
बनाम
शालू देवी– प्रतिवादी

**बनाम–** शालू देवी पत्नी दिलीप गुप्ता पुत्री गोपाल गुप्ता, निवासिनी बढ़नी वार्ड नं0–07पश्चिम मन्दिर थाना–बढ़नी, जनपद–सिद्धार्थनगर।

चूंकि ऊपर नामांकित..वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है. संलग्न मुसन्ना अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हेतु संदर्शित करने के लिए दिनांक 22/05/2026. को 10 बजे पूर्वान्ह स्वयं और सम्यक को अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित दिनांक. को निकाली गई।

आज्ञा से
न्यायालय

एच0सी0जे0 फार्म सं0 23 भाग–7

**हेतु संदर्शित करने का सूचना (साधारण प्रारूप)**

न्यायालय श्रीमान..प्रधान न्यायाधीश
महोदय परिवार – न्यायालय बलरामपुर
वाद संख्या 476/2025 सन.ई0
तारीख पेशी – 22/05/2026
निदा फातिमा – वादी
बनाम
नूर अली –प्रतिवादी

नूर अली पुत्र मो0 शमी निवासी. ग्राम–बिरदा बनियाभारी थाना उतरौला जनपद–बलरामपुर वारिदहाल मोहल्ला, सुभाषनगर उतरौला, थाना उतरौला जनपद बलरामपुर

चूंकि ऊपर नामांकित..वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है. संलग्न मुसन्ना अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हेतु संदर्शित करने के लिए दिनांक 22/05/2026. को 10 बजे पूर्वान्ह स्वयं और सम्यक को अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित दिनांक. को निकाली गई।

आज्ञा से
न्यायालय

# एलडीएफ सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरूः मोदी

तिरुवल्ला (केरल), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और केरल में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आयेगा। मोदी ने पथनमथिट्टा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राजग की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एलडीएफ सरकार की विदाई करने के लिए काफी उत्साह दिखाया है।

राज्य विधानसभा की 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को चुनाव होगा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा राज्य की सत्ता में आती है, तो वह केरल में विकास सुनिश्चित करेगी, जैसा कि उसने गोवा और पूर्वोत्तर के सात राज्यों में से छह में किया है, जहां वह सत्ता में है और वहां ईसाई आबादी काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि केरल में अपार संभावनाएं हैं, फिर भी विकास की दौड़ में यह अन्य राज्यों से पीछे है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और यूडीएफ ने इस पर ध्यान नहीं दिया। कहा कि जब केरल में भाजपा की 'डबल इंजन' वाली सरकार सत्ता में आएगी, तो सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी और यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे देश में, अगर किसी समूह को राजग की नीतियों से सबसे ज्यादा फायदा होता है, तो वे मेरी माताएं, बहनें, बेटियां हैं। मोदी ने केरल से रोजगार के लिए युवाओं के पलायन का भी जिक्र किया और कहा कि यह बड़ी समस्या है।

जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी का अभिनन्दन करते स्थानीय नेता।

## असली अपराधी बच निकले, निर्दोषों को परेशान कर रही एनआईए : ममता बनर्जी

**मालदा (बंगाल), एजेंसी।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि मालदा जिले के मोथाबाड़ी में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हिंसा के असली आरोपी फरार हो गए जबकि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) निर्दोष स्थानीय लोगों को पकड़कर परेशान कर रहा है। वह मालदा के मानिकचक में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एसआईआर के बाद 'विचाराधीन' मामलों की जांच कर रहे न्यायिक अधिकारियों के पास जाने के बजाय मतदाता सूची में नामों को दोबारा शामिल कराने के लिए न्यायाधिकरणों में आवेदन करें। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के संदर्भ में कहा कि दो सांप्रदायिक दलों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और भाग निकले। अब एनआईए स्थानीय युवाओं को परेशान कर रही है। जांच के नाम पर करीब 50 निर्दोष लोगों को उठा लिया गया है। जब बनर्जी ने सभा में मौजूद लोगों से पूछा कि किन-किन के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, तो बड़ी संख्या में लोगों ने हाथ उठाए, जिसे देखकर उन्होंने आश्चर्य जताया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने स्थानीय नेताओं से कहा कि हमें राजनीतिक रैलियां करने की जरूरत नहीं है।

## कार्यालय कलेक्टर/लाइसेंस प्राधिकारी, जनपद कानपुर नगर

संख्या :– 21/ जि0आ0अधि0 / का0न0 / दैनिक व्यवस्थापन/ 2026–27/ दिनांक 04 अप्रैल 2026

**विज्ञप्ति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ई–लाटरी के प्रथम चरण के पश्चात अव्यवस्थित देशी शराब की 58 फुटकर दुकानों, कम्पोजिट शॉप की 08 दुकानों, मॉडल शाप की 02 दुकानों एवं भांग की 08 फुटकर दुकानों का दिनांक 05.04.2026 से 14 दिवस या नियमित व्यवस्थापन, जो पहले हो, तक के लिये दैनिक आधार पर संचालन कराया जाना है।

इच्छुक आवदेकों द्वारा द्वितीय चरण हेतु निर्धारित बेसिक लाइसेंस फीस / लाइसेंस फीस को आधार मानकर दैनिक आधार पर बेसिक लाइसेंस फीस / लाइसेंस फीस के सापेक्ष आफर प्रस्तुत किये जा सकेगें। दिनांक 05.04.2026 को समय दोपहर 12: 00 बजे अपरान्ह तक आफर बन्द लिफाफे में कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी कानपुर नगर में जमा किये जायेगें तथा प्राप्त आफर आवेदकों के समक्ष दिनांक 05.04.2026 को समय दोपहर 12: 30 बजे जिला आबकारी अधिकारी कानपुर नगर द्वारा कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी कानपुर नगर में खोले जायेंगे। सर्वोच्च आफर दाता के पक्ष में दैनिक लाइसेंस फीस के भुगतान एवं 14 दिन के निर्धारित एम0जी0क्यू0 पर दुकान उक्त अवधि के लिये दैनिक आधार पर व्यवस्थित की जायेगी। विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी / सम्बन्धित क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक से प्राप्त की जा सकेगी।

नोट :– ऑफर के साथ दुकान की आवेदित बेसिक लाइसेंस फीस का 10 प्रतिशत धनराशि के बराबर धरोहर धनराशि का बैंक ड्राफ्ट एवं ऑफर चयन की स्थिति में नियमानुसार आगणित बेसिक लाइसेंस फीस/लाइसेंस फीस का नियमानुसार प्रतिभूति धनराशि (न्यूनतम रू0 5000/–) जमा करना अनिवार्य होगा। इस सम्बन्ध में अन्य विवरण / सूचना कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, कानपुर नगर से प्राप्त की जा सकती है।

**जिला आबकारी अधिकारी, कानपुर नगर**  **मुख्य विकास अधिकारी /प्रभारी जिलाधिकारी, कानपुर नगर**

## एफसीआरए विधेयक दमनकारी, विदेश नीति विफल : स्टालिन

नागरकोइल (तमिलनाडु), एजेंसी

- बोले-मछुआरे कर रहे श्रीलंका के हमलों का सामना

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को केंद्र द्वारा प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को दमनकारी करार दिया। आरोप लगाया कि इसके जरिये अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से ईसाई सेवा संगठनों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। विधानसभा चुनाव के लिए यहां एक रैली को संबोधित करते हुए एम के स्टालिन ने मछुआरों के लिए सहायता राशि बढ़ाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली द्रविड़ शैली की सरकार मछुआरों की सच्ची मित्र और करीबी सहयोगी है।

स्टालिन ने आरोप लगाया कि विदेश नीति की बागडोर अपने हाथों में रखने वाली भाजपा विदेश नीति में भी नाकाम रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि भारत का अपने छोटे पड़ोसी देशों पर भी कोई प्रभाव नहीं रह गया है। दावा किया कि यह खेदजनक है कि भाजपा सरकार तमिलनाडु के मछुआरों को भारतीय मछुआरे नहीं मानती और इसका परिणाम श्रीलंका की नौसेना द्वारा हमारे मछुआरों पर लगातार किए गए हमले हैं।

### मोदी पर जमकर बरसे राहुल गांधी

**अलप्पुझा, एजेंसी।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला किया तथा उन पर अहंकार, राजनीतिक सुविधा एवं चुनिंदा चुप्पी साधने का आरोप लगाया। श्री गांधी ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री ने केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन या उनके परिवार को कभी सार्वजनिक रूप से निशाना क्यों नहीं बनाया जबकि वह लगातार उन पर और कांग्रेस पर हमले करते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह चुप्पी भाजपा और एलडीएफ के कुछ वर्गों के बीच एक गुप्त समझौते का संकेत देती है। उन्होंने दावा किया कि एलडीएफ ने अपना वैचारिक स्वरूप खो दिया है और अब इसे सच्चा वामपंथी आंदोलन नहीं कहा जा सकता।

### भाजपा मुख्यालय के बाहर हुए विस्फोट में पांच गिरफ्तार

चंडीगढ़। पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित एक मॉड्यूल से जुड़े पांच लोगों को चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर हुए विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि पंजाब पुलिस की काउंटर–इंटेलिजेंस शाखा ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में पुलिस ने उनके कब्जे से हथगोला, जिगाना पिस्तौल और कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान एसबीएस नगर के गांव मजारी के बलविंदर लाल, एसबीएस नगर के गांव भारापुर के जसवीर सिंह, सुजावलपुर के चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी, शिमला के गांव थाना के रूबल चौहान और संगरूर के धूरी के मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा के रूप में हुई है।

**पूर्वोत्तर रेलवे**

खुली ई–निविदा सूचना NER-LJN-2026-54 & NER-LJN-2026-55

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है–
**ई–निविदा संख्या–** NER-LJN-2026-54, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डलः– वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/तृतीय/लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में लेवल क्रॉसिंग रोड की पूर्ण मरम्मत। अनुमानित लागत(रू0): ₹ 7775598.28, अग्रिम धन(रू0): ₹ 155600.00, समापन अवधिः 12 माह।
**ई–निविदा संख्या–** NER-LJN-2026-55, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डलः– मोहिबुलाहपुर–बीकेटी खंड के बीच सी.आर.ओ. एम.आर.ओ. अतिक्रमण और घुसपैठ को रोकने के लिए सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कार्य/बादशाहनगर के अधिकार क्षेत्र में खराब पी.एस.सी स्लीपर से बॉउंड्री/फेंसिंग की मरम्मत। (लंबाई 8 किमी)। अनुमानित लागत(रू0): ₹ 20771680.48, अग्रिम धन(रू0): ₹ 415500.00, समापन अवधिः 12 माह।
1.उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-54 & NER-LJN-2026-55 के लिये ई–निविदा दिनांक 24.04.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सनिश्चित करें।
मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्लू–05 लखनऊ
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

**अमृत विचार क्लासीफाइड**
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

**सूचना**
सूचित हो कि मेरे पुत्र अली अलसफर की आपराधिक व झगड़ालू प्रवृत्ति होने, मेरी सम्पत्ति को हड़पने, बरबाद करने की साजिश करने एवं मुझे मारने का षड़यंत्र करने के कारण मैंने अपने पुत्र अली अलसफर को दिनांक 15.12.2025 को अपनी सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और घर से निकाल दिया है। मेरी सम्पत्ति एवं मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से उसका कोई वास्ता व सरोकार नहीं रह गया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी असामाजिक, आपराधिक कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **मो0 रफी पुत्र मजीद निवासी– ग्राम– मोहल्ला– रहिमापुर, मजरे– इन्हौना, थाना– इन्हौना, जिला– अमेठी।**

**सूचना**
मेरा आधार कार्ड नम्बर 9454 6164 0323 में मेरा नाम सीमा देवी लिखा गया है जो कि पूर्व का उप नाम था वास्तविक एंव शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम अंशिका पत्नी भूपेन्द्र कुमार जन्म तिथि 08.05.2007 है। निवासी गोपालपुर पुरवा तरौहा तहसील कर्वी जिला चित्रकूट है। सीमा देवी नाम गलत है। **अंशिका पत्नी भूपेन्द्र कुमार निवासी गोपालपुर पुरवा तरौहा तहसील कर्वी जिला चित्रकूट (उ0प्र0)**

**सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बबलू पुत्र मुन्नन खां, निवासी सलारगंज (बहराइच) की बीमा पॉलिसी संख्या 214592607 में जन्मतिथि 18.07.1982 दर्ज है, जबकि आधार कार्ड में जन्मतिथि 01.01.1975 तथा पॉलिसी बांड में पिता का नाम अल्ताफ खां अंकित है। उक्त सभी विवरण एक ही व्यक्ति से संबंधित हैं।

**सूचना**
मै मो0 इलियास खान पुत्र अब्दुल वहीद खान, मोहल्ला केवलहार मलिहाबाद, जिला लखनऊ, उ0प्र0, मैने अपने पुत्र मो0 अब्बास खान का व्यवहार व चाल चलन ठीक न होने के कारण व उसके गलत आचरण से मैं अत्याधिक शारीरिक व मानसिक पीड़ित रहता हूँ जिसके कारण मैं अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से उक्त को बेदखल करता है। अब उपरोक्त से मेरा व मेरे परिवार के सदस्यों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा, समस्त क्रिया कलापों एवं आचरण के प्रति वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

**सूचना**
मेरे हाई स्कूल के प्रमाणपत्र में त्रुटिवश मेरा नाम भावना सिंघल (BHAVANA SINGHAL) अंकित हो गया है। जबकि मेरे पैन कार्ड व आधार कार्ड सं0–314195216861 में मेरा सही नाम भावना अग्रवाल(BHAWNA AGARWAL) दर्ज है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम भावना अग्रवाल (BHAWNA AGARWAL) के नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0–अंशुल अग्रवाल पता–एम–1018, सेक्टर– एम, आशियाना एल.डी.ए.कालोनी, लखनऊ –226012 (उ0प्र0)

## कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी कल्यानपुर कानपुर नगर।

पत्रांकः 10 / लेखा / निविदा पत्रा0/2026–27 दिनांकः– 04.04.2026

**निविदा प्रकाशन**

महामहिम राज्यपाल,उ0प्र0 की ओर से विकास खण्ड कल्यानपुर में पंजीकृत समस्त ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड– कल्यानपुर में पंचम राज्य वित्त आयोग एवं 15 केन्द्रीय वित्त योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में उपलब्ध धनराशि से क्षेत्र पंचायत द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्य सम्पादित करने के लिए अलग–अलग निविदाये दिनांक 07.05.2026 को प्रातः 10: 00 बजे से 1: 00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो कि इसी तिथि में अपरान्ह 2: 00 विकास खण्ड कार्यालय कल्यानपुर में टेण्डर समिति द्वारा उपस्थिति निविदा दाताओ के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र के साथ ठेकेदार को धरोहर राशि के रूप में राष्ट्रीय बचत पत्र /एफ0डी0आर0 जो खण्ड विकास अधिकारी कल्यानपुर जनपद कानपुर नगर के पक्ष में बंधक हो, जमा करनी होगी। विस्तृत जानकारी अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से किसी कार्यदिवस में प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 08.04.2026 से 07.05.2026 तक किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 11: 00 बजे से अपरान्ह 01: 00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त की जा सकती है। बिना धरोहर राशि के निविदा पर विचार नही किया जायेगा। निविदा के साथ रसीदी टिकट पर हस्ताक्षर युक्त 100.00 मूल्य का स्टाम्प पेपर संलग्न करना अनिवार्य है। बिना कारण बताये किसी भी निविदा को आंशिक अथवा पूर्ण रूप अस्वीकार / स्वीकार करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।

| क्र. सं. | ग्राम पंचायत | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत | धरोहर की राशि | निविदा का मूल्य | कार्य पूर्ण किये जाने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | धरमगदपुर कानपुर | ग्राम पंचायत धरमगदपुर में सीता राम के घर से मोतीलाल के घर तक एवं रामचन्द्र के घर से राम पाल के घर तक पक्की नाली एवं इंटरलॉकिंग रोड निर्माण कार्य | 4.07 | 8140 | 814 | 06 माह |
| 2 | सम्भरपुर | ग्राम पंचायत सम्भरपुर के मजरा मोहनपुरवा में राजवीर के घर से चुन्नी लाल के घर के आगे तक भूमिगत नाली निर्माण कार्य | 4.07 | 8140 | 814 | 06 माह |
| 3 | रौतेपुर | डामर रोड से श्यामबाबू पंडित के घर तक इंटरलाकिंग रोड एवं नाली निर्माण | 7.38 | 14760 | 1476 | 06 माह |
| 4 | सुरार | पिपरा में अमित त्रिपाठी के घर से जयंती मिश्रा के घर तक इंटरलांकिंग रोड निर्माण कार्य | 6.23 | 12460 | 1246 | 06 माह |
| 5 | परगही बांगर | ग्राम पंचायत परगही बांगर के परगही कछार में योगेन्द्र सिंह के घर से सुरेश सिंह यादव के घर के पास तक इंटरलांकिंग रोड निर्माण | 9.99 | 19980 | 1998 | 06 माह |
| 6 | बगदौधी बांगर | ग्राम पंचायत बगदौधी बांगर में रामलीला ग्राउंड से वी0पी0एम0जी0 स्कूल तक पक्के नाले पर पटिया ढकने एवं दोनों तरफ फूटपाथ पर इंटरलाकिंग निर्माण कार्य | 9.99 | 19980 | 1998 | 06 माह |
| 7 | परगही बांगर | ग्राम पंचायत परगही बांगर में प्राथमिक विद्यालय से योगेन्द्र तिवारी के घर तक इंटरलाकिंग निर्माण | 9.99 | 19980 | 1998 | 06 माह |
| 8 | बिनौर | ग्राम पंचायत बिनौर में वीरेन्द्र सिंह के घर से समशेर के घर तक इंटरलाकिंग रोड निर्माण | 2.48 | 4960 | 496 | 06 माह |
| 9 | बिनौर | ग्राम पंचायत बिनौर में सुरेश तिवारी बाबा के घर से हरिनाम भदौरिया के घर तक इंटरलाकिंग रोड निर्माण कार्य | 2.92 | 5840 | 584 | 06 माह |
| 10 | बगदौधी बांगर | ग्राम पंचायत बगदौधी बागर के राम जी के घर से श्याम बाबू के घर होते हुए कल्लू पाल के घर तक एवं शिव कुमार सविता के घर के सामने इंटरलांकिंग एवं नाली (भूमिगत) निर्माण कार्य | 5.46 | 10920 | 1092 | 06 माह |
| 11 | हृदयपुर | ग्राम पंचायत हृदयपुर में कूड़ा घर के पास, कला का पुरवा में प्राइमरी स्कूल तिराहे के पास प्रकाश व्यवस्था का कार्य | 4.36 | 8720 | 872 | 06 माह |
| 12 | बगदौधी बांगर | बगदौधी बांगर बिठूर रोड से गोरहा चौराहे पर, ग्रा0प0 ईश्वरीगंज में आर0आर0सी0 सेन्टर संतोष के घर तिराहे के पास, परगही बांगर में योगेन्द्र तिवारी के घर के पास, बगदौधी बांगर में बैराज हाईवे पर मंदिर रोड तिराहे के पास प्रकाश व्यवस्था का कार्य | 8.73 | 17460 | 1746 | 06 माह |
| 13 | बिनौर | लालशाह का पुरवा में दुर्गा मंदिर के पास, बिनौर के मजरा इश्वरीगंज में प्राइमरी स्कूल के पास, पतरसा चौराहे के पास,पतरसा के कैप्टाल बिहार शंकर जी मंदिर के पास प्रकाश व्यवस्था का कार्य | 8.73 | 17460 | 1746 | 06 माह |

**अन्य शर्ते :–**
1. सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी।
2. कार्य की माप आवश्यकता अनुसार घट बढ़ सकती है, ठेकेदार निविदा डालने से पूर्व कार्यस्थल का निरीक्षण कर ले। एक टेण्डर फार्म केवल एक कार्य के लिए मान्य होंगा।
3. निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण न करने पर अनुबंध समाप्त कर दिया जायेगा।
4. नियमानुसार कर ठेकेदार द्वारा वाहन किया जायेगा।

**खण्ड विकास अधिकारी, कल्यानपुर कानपुर नगर।**  **प्रमुख, कल्यानपुर कानपुर नगर।**

**कैग ने जम्मू-कश्मीर में बजटीय उल्लंघनों को चिह्नित किया**

**जम्मू।** कैग ने जम्मू और कश्मीर में वित्तीय प्रबंधन के उल्लंघनों को उजागर किया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 34,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत राशि को निर्धारित बजटीय मानदंडों का उल्लंघन करते हुए वापस नहीं किया गया।

# ईंधन पर्याप्त : 46 हजार टन एलपीजी लेकर होर्मुज के पार आया ग्रीन सानवी

## सरकार ने कहा- घबराहट में न खरीदें, 2 अप्रैल को पहुंचे जहाज सीबर्ड से उतारी जा रही 44 हजार टन एलपीजी

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

सरकार ने शनिवार को नागरिकों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की। सरकार ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से जुड़े व्यवधानों के बावजूद ईंधन की आपूर्ति पर्याप्त है। 'ग्रीन सानवी' नामक एलपीजी जहाज 46,650 टन रसोई गैस के साथ सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर चुका है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं। लोगों को केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने और ऊर्जा की बचत करने की सलाह दी गई है।

सरकार ने घरेलू एलपीजी और पाइप से मिलने वाली रसोई गैस (पीएनजी) को प्राथमिकता दी है। जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोकको सख्ती बढ़ाई गई है। अब तक 3,700 से अधिक छापेमारी की गई है, एलपीजी वितरकों को लगभग 1,000 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 27 डीलरों को निलंबित किया जा चुका है।

● पेट्रोलियम मंत्रालय ने लोगों से कहा-एलपीजी और पीएनजी हमारी प्राथमिकता, केवल आधिकारिक सूचनाओं पर करें भरोसा

वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को पहले के स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, जबकि केरोसिन (मिट्टी का तेल) और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है ताकि दबाव कम किया जा सके। प्राकृतिक गैस के मामले में घरों और परिवहन क्षेत्र को पूरी आपूर्ति दी जा रही है, उद्योग और उर्वरक क्षेत्रों के लिए आपूर्ति धीरे-धीरे बढ़ाई जा रही है।

मंत्रालय ने बताया कि बढ़ती वैश्विक कीमतों से राहत देने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है और निर्यात पर शुल्क लगाया है।

इसी बीच लगभग आधे दिन की खाना पकाने की गैस की आपूर्ति ले जा रहा एक एलपीजी टैंकर होर्मुज को पार कर चुका है।

सरकार ने शनिवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर जानकारी देते हुए कहा कि 'ग्रीन सानवी' नामक एलपीजी जहाज 46,650 टन रसोई गैस और 25 नाविकों के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। ग्रीन सानवी इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को पार करने वाला सातवां भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर है। ग्रीन सानवी के गुजरने के बाद भी 17 भारतीय ध्वज वाले जहाज अभी जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि 'सी बर्ड' नामक एलपीजी टैंकर जहाज, जो लगभग 44,000 टन ईरानी रसोई गैस लेकर आया है, बीती दो अप्रैल को हमारे मंगलौरु बंदरगाह पर पहुंचा और फिलहाल उससे गैस उतारी जा रही है।

### रोजाना 15.2 लाख सिलेंडर दे रही एचपीसीएल

**मुंबई, एजेंसी।** सरकारी क्षेत्र की पेट्रोलियम उत्पाद वितरक कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि (एचपीसीएल) ने शनिवार को अपने ग्राहकों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बावजूद घरेलू एलपीजी की उसकी आपूर्ति सामान्य और पर्याप्त रूप से जारी है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि एलपीजी वितरण का काम इस समय सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंपनी निर्बाध रूप से घरों तक प्रतिदिन 15,20,000 से अधिक सिलेंडरों की आपूर्ति कर रही है उसका जो सामान्य वितरण है। एचपीसीएल अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, वेब पोर्टल और टोल-फ्री नंबर (1800-2333-555) के माध्यम से ग्राहकों की समस्याओं के समाधान में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

### डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचें

सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि उपभोक्ता मौजूदा परिस्थितियों के बीच एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचें और गैस बुकिंग के लिए डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करें। सरकार ने नागरिकों को स्पष्ट सलाह दी है कि जब तक बहुत जरूरी न हो, एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचें और गैस बुकिंग के लिए केवल डिजिटल माध्यमों का उपयोग करें। वर्तमान में इंडस्ट्री के स्तर पर 94% एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन हो रही है। मांग को नियंत्रित करने के लिए, शहरी क्षेत्रों में बुकिंग का अंतराल 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 45 दिन तक कर दिया गया है।

# वैश्विक निर्यात केंद्र बनेगा ललितपुर फार्मा हब

## यूपीसीडा-जेएनपीए के बीच हुआ एमओयू

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ/कानपुर**

**अमृत विचार:** फार्मास्यूटिकल विनिर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अग्रणी बनेगा। उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ललितपुर फार्मा पार्क को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

एमओयू पर यूपीसीडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरण आनंद और जेएनपीए के अध्यक्ष गौरव दयाल ने हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य उत्तर भारत के औद्योगिक क्षेत्रों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से सीधे जोड़ना है।

### मल्टीमोडल नेटवर्क से बढ़ेगी कनेक्टिविटी

समझौते के तहत दादरी-खुर्जा रेल लिंक के जरिए ललितपुर फार्मा पार्क को पश्चिमी और पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा। इससे औषधीय उत्पादों का तेज, सुरक्षित और किफायती परिवहन संभव होगा। यह कनेक्टिविटी उत्पादों को सीधे जेएनपीए बंदरगाह तक पहुंचाएगी, जिससे निर्यात प्रक्रिया आसान होगी। यूपीसीडा के सीईओ विजय किरण आनंद ने बताया कि यह पहल योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना को साकार करेगी, जिसके तहत प्रदेश को फार्मा और हेल्थ सेक्टर में अग्रणी बनाना है। इस समझौते से निवेशकों को विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स सुविधाएं मिलेंगी और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी।

### सप्लाई चेन होगी मजबूत

एमओयू के तहत फार्मा सेक्टर की जरूरतों के अनुसार तकनीकी और परिचालन सहयोग भी दिया जाएगा। इससे उद्योग, लॉजिस्टिक्स कंपनियों और अन्य हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा और सप्लाई चेन अधिक सुदृढ़ बनेगी। यह पहल न केवल औद्योगिक विकास को गति देगी, बल्कि रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण और निर्यात बढ़ाने में भी सहायक होगी।

**दूध उत्पादक कमा रहे प्रति माह 34.18 करोड़ रुपये का लाभ**

**शिमला, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश में दूध उत्पादक किसानों को अब हर महीने औसतन 34.18 करोड़ रुपये का लाभ मिल रहा है, जो अब तक का सबसे अधिक है। सरकार के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यहां एक बयान में यह बात कही। प्रवक्ता ने कहा कि राज्य दुग्ध संघ किसानों से प्रतिदिन लगभग 2.70 लाख लीटर दूध खरीद रहा है।

## बिजनेस ब्रीफ

### खाद्य स्टार्टअप के लिए मैसूर में इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को मैसूर स्थित केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) में बिराक-बायोनेस्ट इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नवाचार और उपभोक्ता मांग के बीच बेहतर तालमेल होना आवश्यक है। एक बयान के अनुसार, इस नई सुविधा का उद्देश्य खाद्य स्टार्टअप को बढ़ावा देना, उन्नत अनुसंधान में सहायता करना और खाद्य जैव प्रसंस्करण तथा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नियामक सुविधा का विस्तार करना है। इससे वैज्ञानिक विचारों को बाजार के लिए तैयार समाधानों में बदलने में मदद मिलेगी।

### रेलवे पार्सल से माल भेजेंगे कश्मीर के फल उत्पादक

**जम्मू।** कश्मीर के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और उसके फल उद्योग व पार्सल व्यापार को राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने के लिए उत्तरी रेलवे के जम्मू डिवीजन ने घाटी से रेल द्वारा पार्सल परिवहन बढ़ाने के उद्देश्य से हितधारकों की बैठक आयोजित की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बैठक शुक्रवार को श्रीनगर में हुई। इसका उद्देश्य कश्मीर क्षेत्र से पार्सल यातायात बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट योजना तैयार करना था। अधिकारियों के अनुसार, इस बैठक का उद्देश्य कश्मीर क्षेत्र से पार्सल परिवहन बढ़ाने के लिए सड़क मार्ग के बजाय रेल को भरोसेमंद, समयबद्ध और किफायती विकल्प के रूप में स्थापित करना था।

### पीएनजी के लिए आवेदन करने वालों को ही मिलेगी वाणिज्यिक एलपीजी

**नयी दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति के नियमों को कड़ा कर दिया है। इसके तहत उन क्षेत्रों में व्यवसायों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन लेना या उसके लिए आवेदन करना अनिवार्य कर दिया गया है, जहां पीएनजी नेटवर्क उपलब्ध है। खाद्य, आपूर्ति और उपभोक्ता मामले के विभाग ने दो अप्रैल को जारी आदेश में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों के वितरण पर अपनी हालिया नीति के एक प्रमुख खंड में संशोधन किया है। संशोधित नियमों के तहत, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ता एलपीजी आपूर्ति तभी पा सकेंगे, जब वे संबंधित तेल विपणन कंपनी (ओएमसी) के साथ पंजीकृत हों और उन्होंने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन किया हो (जहां नेटवर्क मौजूद है)। आदेश के अनुसार, जिन क्षेत्रों में अभी तक पीएनजी बुनियादी ढांचा तैयार नहीं है, वहां उपभोक्ताओं को पीएनजी उपलब्ध होने पर उसे अपनाने के अपने इरादे को व्यक्त करते हुए एक आवेदन जमा करना होगा।

# पतंगबाजी के पारंपरिक आयोजन को ऊषा का समर्थन

**लखनऊ।** भारत के सबसे सम्मानित उपभोक्ता टिकाऊ ब्रांडों में से एक ऊषा इंटरनेशनल ने शहर की समृद्ध पतंगबाजी विरासत का जश्न मनाते हुए आदर्श सतेंद्र महाविद्यालय, लखनऊ में एक पारंपरिक पतंगबाजी प्रतियोगिता का समर्थन किया। इस पहल के बारे में बात करते हुए, ऊषा इंटरनेशनल की स्पोर्ट्स इनिशिएटिव्स और एसोसिएशन्स की प्रमुख कोमल मेहरा ने कहा कि लखनऊ में पतंगबाजी सिर्फ एक त्योहार से जुड़ी गतिविधि ही नहीं है, बल्कि यह सदियों पुरानी परंपरा से बना एक खेल है। यह देखना उत्साहजनक है कि किस तरह यह विरासत आज भी युवा प्रतिभागियों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है; आज के डिजिटल युग में, यह उन्हें घर से बाहर निकालकर धूप में ले जाने का एक बेहतरीन ज़रिया है, जो न केवल स्वस्थ खेल गतिविधियों को बढ़ावा देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखता है। कार्यक्रम की शुरुआत एक उद्घाटन समारोह से हुई, जिसका उद्घाटन प्रधान संघ की ब्लॉक चेयरपर्सन संयोगिता सिंह ने किया। प्रतियोगिताओं के बाद, विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया, जिसमें कौशल और खेल भावना दोनों का ही उत्सव मनाया गया। सीनियर कैटेगरी में, मोहम्मद सैफ ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद मोहम्मद दाऊद दूसरे स्थान पर रहे, और सैयद मुनीर कासिम तीसरे स्थान पर रहे। इसी श्रेणी के लड़कियों के कैटेगरी में, किरण देवी ने अपने कुशल प्रदर्शन से सबसे अलग पहचान बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया; उनके बाद मुस्कान दूसरे और सारिका रावत तीसरे स्थान पर रहीं। जूनियर गर्ल्स ग्रुप कैटेगरी में भी ज़बरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें शिवानी ने अपनी शानदार तकनीक के दम पर पहला स्थान हासिल किया, जबकि रेशमा दूसरे और रेनू सिंह तीसरे स्थान पर रहीं। कॉलेज लड़कों के समूह को आगे जूनियर और सीनियर कैटेगरीज में विभाजित किया गया था। जूनियर कैटेगरी में, योगेंद्र कुमार ने पहला व रोहित कुमार रावत दूसरे स्थान पर रहे, जबकि संदीप कुमार तीसरे स्थान पर रहे। सीनियर कैटेगरी में सुशील गुप्ता ने पहला स्थान हासिल किया, जिसके बाद नैमिष कुमार दूसरे स्थान पर और अरशद अली तीसरे स्थान पर रहे।

# स्वदेशी इस्पात से मिली है युद्धपोत आईएनएस तारागिरी को मज़बूती

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** सरकारी क्षेत्र की स्टील उत्पादक महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना को सौंपे गये नये युद्धक पोत आईएनएस तारागिरी के लिए देश में ही विशेष प्रकार का इस्पात विकसित कर उसकी आपूर्ति की। नीलगिरी-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17 ए) के चौथे स्टील्थ फ्रिगेट, इस युद्धपोत को शुक्रवार को नौसेना में शामिल किया गया। सेल की शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उसने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड को इस युद्ध पोत के निर्माण के लिए लगभग 4,000 टन विशेष ग्रेड के स्टील प्लेट की आपूर्ति की जो इस पोत की जरूरतों के लिए पूरी थी। इस विशेष इस्पात का उत्पादन सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों में किया गया है।

# घाटमपुर : 660 मेगावाट यूनिट-3 का सिंक्रोनाइजेशन

## विद्युत उत्पादन क्षमता में ऐतिहासिक वृद्धि, उद्योग व विकास को मिलेगा बल

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ**

**अमृत विचार :** उत्तर प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा चुका है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा के नेतृत्व में घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना की 660 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट-3 का सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया गया है। जो कि प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने और औद्योगिक विकास को बल देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

यह ऐतिहासिक परियोजना नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) द्वारा संचालित है, जो एनएलसी इंडिया लिमिटेड (51प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है। यूनिट-3 का सिंक्रोनाइजेशन 765 केवी ग्रिड से सफलतापूर्वक किया गया है, जो परियोजना के वाणिज्यिक संचालन (सीओडी) की दिशा में अहम उपलब्धि मानी जा रही है। परियोजना के पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद प्रतिदिन

लगभग 47.52 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। इससे प्रदेश की निरंतर बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और आमजन को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यूनिट-3 के जुड़ने से उत्तर प्रदेश की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग 13,388 मेगावाट तक पहुंच जाएगी। उल्लेखनीय है कि यूनिट-1 और यूनिट-2 क्रमशः दिसंबर 2024 और दिसंबर 2025 से सफलतापूर्वक संचालन में हैं।

> इस उपलब्धि से न केवल ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश की प्रगति दिखाई देती है, बल्कि औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और समग्र आर्थिक वृद्धि को भी नई गति मिलेगी। उत्तर प्रदेश अब ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जो प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।
>
> -एके शर्मा, ऊर्जा मंत्री यूपी

### परियोजना से उत्पादित 93.11% बिजली यूपी को

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा निर्धारित आवंटन के अनुसार, परियोजना से उत्पादित लगभग 93.11 प्रतिशत बिजली उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगी, जबकि शेष अन्य राज्यों को वितरित की जाएगी। इसके अलावा, झारखंड स्थित पचवारा साउथ कोल ब्लॉक के विकास के साथ दीर्घकालिक ईंधन सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे भविष्य में सतत और निर्बाध विद्युत उत्पादन सुनिश्चित होगा। परियोजना पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है। इसमें एफजीडी (फ्लू गैस डीसल्फराइजेशन) और एससीआर (सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन) जैसी उन्नत प्रणालियों का उपयोग किया गया है। इन तकनीकों के माध्यम से प्रदूषण नियंत्रण के साथ जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

## इंवेस्टमेंट टिप्स

# निवेश वहां, ज्यादा लाभ जहां

**कारोबार डेस्क**

बचत के पैसे निवेश करने से आपकी पूंजी समय के साथ बढ़ती जाती है। लेकिन बचत और निवेश के लिए हमारे पास सामान्यतः दो विकल्प होते हैं। पहला- बैंक और दूसरा-पोस्ट ऑफिस यानी डाकघर। ऐसे में बड़ा प्रश्न ये होता है कि बचत और निवेश के लिए बैंक को चुनें या पोस्ट ऑफिस की किसी योजना में पैसे का निवेश करें। इस प्रश्न का हल इस उत्तर में है कि आप बचत या निवेश के लिए कौन सी स्कीम चुन रहे हैं। कहीं डाकघर की स्कीम अच्छा रिटर्न देती है, तो कहीं कई योजनाओं के फायदे बैंक के जरिए ही मिल सकते हैं। यहां हम इन दोनों का तुलनात्मक अध्ययन कर समझने का प्रयास करते हैं-

### फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और पोस्ट ऑफिस दोनों ही अपनी एफडी में निवेश करने पर अच्छी ब्याज दरें ऑफर करते हैं। एसबीआई फिक्स्ड डिपॉजिट पर 3.50% से 7.25% तक का ब्याज दे रहा है। वहीं पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (TD) पर 6.9% से 7.5% तक का ब्याज मिलता है। निवेश अवधि के अनुसार एक साल की अवधि के लिए एसबीआई फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.8% का ब्याज ऑफर कर रहा है, जबकि पोस्ट ऑफिस में इसी अवधि के लिए टाइम डिपॉजिट पर आपको 6.9% का ब्याज देता है। यहां एक साल के लिए निवेश पर डाकघर में निवेश लाभकारी है।
- अगर निवेश 5 साल के लिए करना तो स्टेट बैंक 7.05% का ब्याज दे रहा है, वहीं, पोस्ट ऑफिस आपको इसी अवधि के लिए 7.5% की ब्याज ऑफर करता है। ऐसे में यहां भी एफडी के मामले में डाकघर में निवेश ही लाभकारी रहेगा।

### पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ)

- बैंक और पोस्ट ऑफिस दोनों पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) अकाउंट खोलते हैं। पोस्ट ऑफिस में पीपीएफ अकाउंट पर ब्याज दर 7.1% सालाना है। इसमें आप मिनिमम 500 रुपये का निवेश कर सकते हैं। दूसरी ओर, बैंकों में भी पब्लिक प्रॉविडेंट फंड पर 7.1% सालाना दर से ब्याज मिलता है, लेकिन ये चक्रवृद्धि ब्याज यानी कंपाउंड इंटरेस्ट होता है। दोनों जगह निवेश पर 80सी के अन्तर्गत साल में 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर टैक्स छूट मिलती है। ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट टैक्स फ्री होता है।

### मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस)

- पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में निवेश पर अभी ब्याज दर 7.4% सालाना है। यहां 1,000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। एकल खाते के लिए अधिकतम 9 लाख रुपये और संयुक्त खाते के लिए अधिकतम 15 लाख रुपये का निवेश किया जा सकता है। कुछ बैंक भी एकमुश्त जमा के जरिए मासिक आय योजना की सुविधा देते हैं। इससे आपको हर महीने एक इनकम मिल सकती है। बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ये सुविधा देते हैं। पोस्ट ऑफिस के मंथली इनकम स्कीम ज्यादा आकर्षक है।

- **डाकघर** इस योजना में 6.7 फीसदी का ब्याज देता है। यहां 100 रुपये महीने से खाता खोला जा सकता हैं।

**आवर्ती जमा (आरडी)**
आरडी की सुविधा भी बैंक और डाकघर दोनों ही देते हैं।

- **बैंक** में भी आप 100 रुपये महीना की राशि से निवेश कर सकते हैं। अवधि एक लेकर 10 वर्ष तक हो सकती है।

# प. एशिया संकट खिंचा तो निर्यात प्रभावित होगा

हैदराबाद, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि यदि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष जारी रहा, तो इसका असर भारत के अन्य देशों को होने वाले निर्यात पर भी पड़ेगा। 'चिंतन शिविर-फार्मा निर्यात वृद्धि' के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण पिछले महीने आयात और निर्यात दोनों पर निश्चित रूप से प्रभाव पड़ा, क्योंकि ऊर्जा भारतीय आयात बाजार का एक प्रमुख हिस्सा है।

अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि पश्चिम एशिया भी एक महत्वपूर्ण बाजार है। हमारे निर्यात का लगभग 12-13 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र में जाता है। इसलिए, इस पर सीधा असर पड़ेगा। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो संभवतः दुनिया के अन्य हिस्सों में होने वाले हमारे निर्यात भी प्रभावित होंगे क्योंकि कुछ मूल्य श्रृंखलाएं फिर से सामान्य स्थिति में आ जाएंगी। हम इस बात से अवगत हैं।

● 'चिंतन शिविर-फार्मा निर्यात वृद्धि' के अवसर पर संवाददाता सम्मेलन में बोले- केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल

एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि इस संकट का वास्तविक प्रभाव आने वाले कुछ हफ्तों में स्पष्ट हो सकेगा। सरकार कोशिश कर रही है कि आपूर्ति श्रृंखला पर कम से कम असर पड़े, हालांकि आयात और निर्यात दोनों में कुछ कमी आ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही युद्ध समाप्त हो जाए, लेकिन इसका असर कुछ महीनों या वर्षों तक बना रह सकता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन-सी आपूर्ति श्रृंखला या ढांचा प्रभावित हुआ है।

अग्रवाल के अनुसार, इन चुनौतियों से निपटने के लिए उद्योग को आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने बताया कि दवा क्षेत्र पर भी कुछ असर पड़ा है, खासकर जरूरी कच्चे माल और रसायनों की आपूर्ति पर। सरकार एलपीजी की सीमित उपलब्धता को प्राथमिकता के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में बांटने के लिए काम कर रही है और जरूरत पड़ने पर अन्य स्रोतों से आयात भी किया जा रहा है।

# पुरी में श्री जगन्नाथ अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे को पहले चरण की वन मंजूरी

**भुवनेश्वर, एजेंसी।** केंद्र सरकार ने पुरी में प्रस्तावित श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा परियोजना के लिए वन मंजूरी के पहले चरण को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह हवाईअड्डा परियोजना वर्ष 2021 में ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा प्रस्तावित की गई थी। इसके तहत निर्माण के लिए लगभग 27 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग की सशर्त अनुमति दी गई है। पुरी के जिला कलेक्टर दिव्यज्योति परिदा ने बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दी गई यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ है। इनमें वृक्षारोपण, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संबंधी नियमों का पालन शामिल है।

**अनुमान** | **बी2के एनालिटिक्स ने जारी की 2030 के लिए संभावित रिपोर्ट**

# एमएसएमई को कर्ज की कमी 55 लाख करोड़ रहने की संभावना

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएसमई क्षेत्र की इकाइयां) का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान 33 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। लेकिन इसके लिए संगठित क्षेत्र से मिलने वाला वित्त पोषण इसकी कुल आवश्यकता से 33 फीसदी कम रहने का अनुमान है। विश्लेषण फर्म बी2के एनालिटिक्स की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र को 2030 तक 162.92 लाख करोड़ रुपये के वित्त पोषण की जरूरत होगी और इस अवधि में इस क्षेत्र को औपचारिक स्रोतों से कर्ज 78.02 लाख करोड़ रुपये तक उपलब्ध हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार इसमें 56.98 लाख करोड़ रुपये का कर्ज प्राथमिकता क्षेत्र की ऋण सुविधाओं के तहत 18.57 लाख करोड़ रुपये अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से और 2.46 लाख करोड़ रुपये गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से मिलने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त ये इकाइयां 5 करोड़ कर्ज की व्यवस्था अनौपचारिक स्रोतों से कर सकती है तथा कर्ज की लगभग 30 प्रतिशत व्यवस्था प्रवर्तक अपनी खुद की पूंजी से करेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके बावजूद 2030 तक एमएसएमई के लिए कर्ज की कमी 55.18 लाख करोड़ रुपये के विशाल स्तर तक रहने का अनुमान है।

बी2के एलालिटिक्स के सीईओ रिताबन बसु के अनुसार कि हमारे अनुमान एमएसएमई के योगदान के विस्तार के मजबूत दीर्घकालिक वृद्धि रुझानों को दर्शाते हैं। इसके पश्चात भी इस क्षेत्र में पहले से चली आ रही ऋण की बड़ी कमी और बढ़ सकती है। बसु ने का कि इसे दूर करने के लिए औपचारिक वित्तपोषण के रास्तों का विस्तार जरूरी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक भारत का जीडीपी 537.96 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। इससे एमएसएमई का योगदान लगभग 215.18 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। रिपोर्ट अनुसार देश में एमएसएमई क्षेत्र की लगभग 95 प्रतिशत इकाइयां अनौपचारिक रूप से संचालित की जाते हैं और यह ततथ्य इस क्षेत्र के लिए संगठत स्रोतों से कर्ज की राह में बड़ी चुनौती हैं।

### बेहतर मूल्यांकन के लिए सिफारिश

फर्म ने सिफारिश की है कि इस क्षेत्र में कारोबार को आधिकारिक तरीके से करना एक प्रमुख प्राथमिकता होनी चाहिए। बी2के एनालिटिक्स का कहना है कि जीएसटी रिटर्न दाखिल करने, यूपीआई और ऑनलाइन बैंकिंग जैसे डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने से सत्यापित लेनदेन इतिहास बनता है, जिससे ऋणदाता वित्तीय स्थिति का बेहतर मूल्यांकन कर सकते हैं।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### रूस से जुड़े जहाजों की जब्ती का ब्रिटेन का प्रयास अस्वीकार्य

**मास्को।** रूस ने कहा है कि रूस से जुड़े जहाजों को जब्त करने का ब्रिटेन का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है। ब्रिटेन में रूस के राजदूत आंद्रेई केलिन ने रूसी न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से यह बात कही। उन्होंने कहा, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का ब्रिटिश जलक्षेत्र में हमारे देश से जुड़े नागरिक जहाजों को जब्त करने का घोषित इरादा रूस के प्रति एक और गहरा शत्रुतापूर्ण कदम है... हम हमारे देश से जुड़े जहाजों को जब्त करने के ब्रिटिश पक्ष के किसी भी प्रयास को अस्वीकार्य और अक्षम्य मानते हैं।" उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सरकार ने मार्च में घोषणा की थी कि ब्रिटेन के सैन्य कर्मी अपने जलक्षेत्र से गुजरने वाले प्रतिबंधित जहाजों जब्त कर लेंगे। ब्रिटेन प्रतिबंधित जहाजों के लिए इंग्लिश चैनल सहित ब्रिटिश जलक्षेत्र को बंद करके और भी अधिक प्रतिबंध लगाएगा।

### रूस में नहीं हैं ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई

**तेहरान।** ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के रूस दौरे की कथित खबरें सही नहीं हैं और उनकी चोटें उनके काम में बाधा नहीं डाल रही हैं। एक राजनयिक स्रोत से शनिवार को यह जानकारी मिली। मार्च में कुवैत के समाचार पत्र अल-जरीदा ने सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता हमले में घायल होने के बाद इलाज के लिए आपातकालीन स्थिति में रूस ले जाया गया था। सूत्रों ने बताया, नए सर्वोच्च नेता कुछ घंटों के लिए भी रूस में नहीं रहे हैं। उनको आई चोटें गंभीर नहीं हैं और वे कामकाज में कोई बाधा नहीं डाल रही हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने तेहरान सहित ईरान के कई ठिकानों पर हमले किए थे, जिससे काफी नुकसान हुआ था और नागरिक हताहत हुए थे।

### ईरान संघर्ष के पीछे लंदन की नीतियां भी जिम्मेदार : केलिन

**मॉस्को।** ब्रिटेन में रूस के राजदूत एंड्रे केलिन ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इज़रायल की आक्रामक कार्रवाई के पीछे आंशिक रूप से लंदन की नीतियां जिम्मेदार हैं। केलिन ने रूस की समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से बातचीत में कहा कि दरअसल, ईरान और पूरे क्षेत्र में हुई दुखद घटनाएं कई मायनों में लंदन की नीतियों का परिणाम हैं, जिसने वॉशिंगटन में ईरान-विरोधी हॉक्स का साथ दिया और संयुक्त कार्य योजना के पतन में योगदान दिया।

# रिनी संपत वाशिंगटन मेयर बनने की दौड़ में शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी

- मेयर के चुनाव में भाग लेने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार

तमिलनाडु में जन्मीं रिनी संपत वाशिंगटन डीसी के मेयर पद के चुनाव में हिस्सा लेने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की 31 वर्षीय सरकारी अनुबंधक का चुनाव अभियान बुनियादी चीजों को ठीक करो के विषय और एक नए डीसी के वादे पर आधारित है।

संपत ने अपनी चुनावी वेबसाइट पर कहा कि मैं कोई नेता नहीं हूं। मेरा किसी विशेष हित समूह से कोई संबंध नहीं है। अब समय आ गया है कि कोई बाहर का व्यक्ति हमारे शहर की बुनियादी सेवाओं को सुधारने पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करे। तमिलनाडु के थेनी में जन्मीं संपत सात साल की उम्र में अमेरिका आ गईं और एक दशक से अधिक समय से वाशिंगटन डीसी में रह रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमारे पास जीत की एक वास्तविक राह है। महज चार हफ्तों में मैं वाशिंगटन डीसी के इतिहास में मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन चुकी हूं। यही वह उपलब्धि है जो एक सीमित संसाधनों वाला, जन-समर्थित अभियान हासिल कर सकता है।

## आधी सदी के बाद चांद के द्वार इंसान

# मिशन आर्टेमिस-2

ब्रह्मांड की असीम गहराइयों को मापने की मानवीय जिज्ञासा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आर्टेमिस-2 मिशन के जरिए चार जांबाज अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की ओर रवाना कर दिया है। यह मिशन न केवल विज्ञान और तकनीक की विजय है, बल्कि यह उस 50 साल लंबे इंतजार का अंत भी है जो 1972 के अपोलो 17 मिशन के बाद शुरू हुआ था। इस बार का सफर सिर्फ चांद को छूने का नहीं, बल्कि वहां स्थायी रूप से बसने और भविष्य में मंगल ग्रह तक पहुंचने की नींव रखने का है। फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से विशालकाय स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट के जरिए ओरियन कैप्सूल में सवार होकर चार अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैंसन करीब 10 दिनों की यात्रा पर निकले हैं। ये चांद के सबसे करीब से उसकी परिक्रमा कर पृथ्वी पर लौटेंगे।

### मिशन के मुख्य लक्ष्य

- प्रणालियों का सत्यापन : गहरे अंतरिक्ष में ओरियन अंतरिक्ष यान के लाइफ सपोर्ट, संचार और नेविगेशन सिस्टम की जांच करना।
- भविष्य की लैंडिंग की तैयारी : यह मिशन आर्टेमिस-3 और उसके बाद के मिशनों के लिए रास्ता साफ करेगा, जिसमें इंसान वास्तव में चांद की सतह पर कदम रखेगा।
- गहरे अंतरिक्ष का अनुभव : पृथ्वी की निचली कक्षा से बाहर निकलकर लंबी दूरी की यात्रा के दौरान विकिरण और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के मानवीय स्वास्थ्य पर प्रभावों का अध्ययन।

### चांद की कक्षा में क्या करेंगे यात्री

- शुरुआती परीक्षण : पृथ्वी की कक्षा में पहले 24 घंटों के दौरान वे यान के टॉयलेट, पानी की व्यवस्था और हवा की शुद्धता की जांच करेंगे।
- चंद्रमा की परिक्रमा : यान चांद के दूर वाले हिस्से के ऊपर से गुजरेगा, जिसे पृथ्वी से कभी नहीं देखा जा सकता। यात्री वहां की हाई-रेज़ोल्यूशन तस्वीरें लेंगे और आंखों देखा विवरण साझा करेंगे।
- वैज्ञानिक प्रयोग : चालक दल ऑर्गन-ऑन-ए-चिप जैसे उपकरणों का उपयोग करके यह देखेंगे कि अंतरिक्ष का वातावरण मानव ऊतकों को कैसे प्रभावित करता है।

### चांद की परिक्रमा

- यह चालक दल इस बार चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेगा, लेकिन वे चांद के सबसे करीब (लगभग 7,600 किमी की दूरी) से उसकी परिक्रमा करेंगे। यह मिशन साबित करेगा कि क्या हमारे आधुनिक लाइफ-सपोर्ट सिस्टम गहरे अंतरिक्ष की विकट परिस्थितियों में इंसानों को सुरक्षित रख सकते हैं।

### मिशन का खर्च

- आर्टेमिस-2 का खर्च : अनुमान है कि इस एकल मिशन की लॉन्चिंग लागत 4.1 बिलियन डॉलर (करीब 34,000 करोड़ रुपये) से अधिक है। पूरे आर्टेमिस प्रोग्राम का बजट 2025 तक 93 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।
- तुलना : भारत के तीनों चंद्रयान मिशनों का कुल खर्च लगभग 2,000 करोड़ रुपये रहा है। नासा का एक आर्टेमिस-2 मिशन भारत के पूरे चंद्रयान कार्यक्रम से लगभग 17 गुना महंगा है।

### भारत और चंद्रमा

- भारत के चंद्र मिशनों ने पूरी दुनिया में अपनी धाक जमाई है। विशेष रूप से चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बना दिया।
- अंतरिक्ष में भारतीय : भारत के राकेश शर्मा 1984 में अंतरिक्ष (सोवियत संघ के मिशन के तहत) जाने वाले पहले भारतीय थे, लेकिन वे चंद्रमा पर नहीं गए थे।
- भविष्य की योजना : भारत का गगनयान मिशन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा में भेजने की तैयारी कर रहा है, इसरो का लक्ष्य 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर उतारने का है।

# भारत वैश्विक संकट के बीच में मजबूती से उभरा और इसका डटकर मुकाबला किया

## छत्तीसगढ़ में आईआईएम के दीक्षांत समारोह में पश्चिम एशिया संकट पर बोले विदेश मंत्री

रायपुर, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष की ओर इशारा करते हुए शनिवार को कहा कि वैश्विक सकंट के बीच भारत मजबूती से उभरा है और हालात का डटकर मुकाबला किया है। जयशंकर ने यहां स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर फरवरी में हमले शुरू किए जाने से उत्पन्न पश्चिम एशिया संकट ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति को प्रभावित किया है तथा हाइड्रोकार्बन की कमी पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण की व्यापकता के चलते संघर्ष का असर दूर-दराज के समाजों पर भी गहराई से पड़ा है। जयशंकर ने कहा कि अब हम दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हाल ही में आए कई वैश्विक झटकों ने हमारी सहनशक्ति की परीक्षा ली है, और भारत उनसे मजबूती से उबरकर बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी, दोनों तरह की चुनौतियों का काफी हद तक सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि ज्यादा समावेशी विकास, प्रतिनिधि राजनीति और निर्णायक नेतृत्व ने एक नई नींव रखी है।

विदेश मंत्री ने कहा कि अधिक समावेशी विकास, प्रतिनिधि राजनीति और निर्णायक नेतृत्व ने एक नई नींव रखी है, जिससे हम सभी अब ऊंची उम्मीदें रख सकते हैं। हमने न सिर्फ डिजिटल क्रांति को पूरे उत्साह के साथ अपनाया है, बल्कि असल में इसे अपने जीवन में एक मकसद के साथ लागू भी किया है। यहां तक कि कई विकसित समाजों ने भी ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैंने जिन वैश्विक रुझानों का जिक्र किया है, उनकी रोशनी में राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण करना अब और भी ज्यादा जरूरी हो गया है। बड़े देशों के लिए तो यह बात खास तौर पर सच है। आप देखेंगे कि विकसित दुनिया में भी, वैश्वीकरण के पुराने मंत्रों की जगह अब आत्मनिर्भरता के प्रति एक नई जागरूकता ने ले ली है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में हमारे लिए, यह भावना आत्मनिर्भर भारत के रूप में व्यक्त होती है। इसका महत्व तब साफ नजर आता है जब बात भोजन, स्वास्थ्य या ऊर्जा सुरक्षा की हो, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा की। हमें यह कोशिश करनी चाहिए कि हम ज्यादा से ज्यादा क्षमताएं अपने नियंत्रण में सुरक्षित कर सकें। जयशंकर ने कहा कि जाहिर है, कुछ क्षेत्र दूसरों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल होंगे। ऐसे मामलों में, इसका हल भरोसेमंद या विश्वसनीय साझेदारियों तथा विविध स्रोतों से आपूर्ति में निहित है। लेकिन आखिरकार मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण करने की कोई अनदेखी नहीं कर सकता। जोखिम कम करने और असल में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने का यह सबसे असरदार तरीका है।

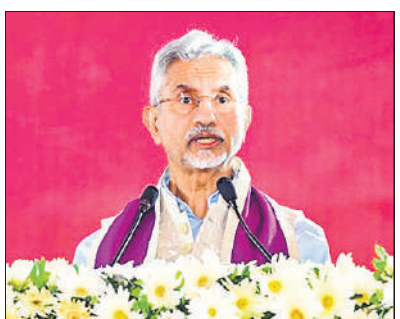

### खुद को सुरक्षित रखने की चुनौती

जयशंकर ने कहा कि ऐसे में, दुनिया के सामने एक ऐसे माहौल में खुद को सुरक्षित रखने की चुनौती खड़ी हो गई है जो लगातार अस्थिर और अप्रत्याशित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के चलते अब जोखिमों से बचाव, जोखिम कम करने और विविधता लाने की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, चाहे वह कोई व्यावसायिक फैसला हो या फिर विदेश नीति से जुड़ा कोई निर्णय। घरेलू प्राथमिकताओं की ओर रुख करते हुए, जयशंकर ने राष्ट्र-निर्माण में व्यापार और उद्यम की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जाहिर है, राष्ट्र-निर्माण एक बेहद जटिल कार्य है जिसके कई आयाम हैं।

### दुनिया में मौजूदा उथल-पुथल कई मायनों में संरचनात्मक

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था बदल रही है, जिसमें देशों की सापेक्ष शक्ति और प्रभाव में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में मौजूदा उथल-पुथल कई मायनों में संरचनात्मक है। विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया आज एक ऐसे माहौल में खुद को सुरक्षित रखने की चुनौती का सामना कर रही है, जो लगातार अस्थिर और अप्रत्याशित होती जा रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में इस समय जो उथल-पुथल मची है, वह कई मायनों में ढांचागत भी है। वैश्विक व्यवस्था हमारी आंखों के सामने ही बदल रही है, जिसमें देशों की सापेक्ष शक्ति और प्रभाव में स्पष्ट बदलाव देखे जा सकते हैं। कुछ समाजों की राजनीति के लिए इन बदलावों को स्वीकार कर पाना मुश्किल हो रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सैन्य क्षमताओं, कनेक्टिविटी और संसाधनों के क्षेत्र में हो रहे नए विकासों ने, लगातार बढ़ते प्रतिस्पर्धी माहौल में, जोखिम उठाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। आज हर चीज का लाभ उठाया जा रहा है और अगर उसे सीधे तौर पर हथियार नहीं बनाया जा रहा है, तो भी उसका इस्तेमाल एक हथियार की तरह ही किया जा रहा है।

# मलप्पुरम में शशि थरूर के सुरक्षाकर्मी और चालक पर हमला

मलप्पुरम (केरल), एजेंसी

- पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, शशि थरूर सुरक्षित

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सुरक्षाकर्मी और वाहन चालक पर वंडूर में पांच लोगों के समूह ने कथित तौर पर हमला किया, जिसके बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। वंडूर पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और एक व्यक्ति हिरासत में है।

पुलिस ने बताया कि थरूर के सुरक्षाकर्मी रतीश केपी. की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे वंडूर के तिरुवाली के पास चेल्लीथोडे में हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना उस वक्त हुई जब चेल्लीथोडे पुल पर जाम था और थरूर कांग्रेस नेता ए. पी. अनिलकुमार के चुनावी अभियान कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। प्राथमिकी के मुताबिक, दो वाहनों में सवार आरोपियों ने सांसद के वाहन को रोक दिया। जब सुरक्षाकर्मी ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो उस पर और चालक पर कथित तौर पर हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि सड़क संकरी थी और सुरक्षाकर्मी ने सांसद के काफिले के मार्ग को सुगम बनाने के लिए आगे चल रहे वाहन को केवल गति बढ़ाने के लिए कहा था।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया और शेष आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बीच, थरूर ने एक्स पर पोस्ट किया कि इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई। थरूर ने कहा कि बीती रात को उनके सुरक्षाकर्मी पर हुए हमले की अप्रिय घटना के बाद उन्हें कई संदेश और फोन कॉल आए जिसमें उनकी सलामती के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा कि उनके प्रति चिंता प्रकट करने वाले शुभचिंतकों के वह दिल से बहुत आभारी है।

## उज्बेक विश्वविद्यालयों में प्रवेश से पूर्व उनकी साख की जांच कर लें विद्यार्थी

- भारतीय दूतावास ने प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों को दी सलाह

**मॉस्को।** भारत ने उज्बेकिस्तान के विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अपने छात्रों को उक्त संस्थानों की साख की जांच करने की सलाह दी है। साथ ही एफएमजीएल नियमों के संभावित उल्लंघन को लेकर चिंता व्यक्त की है। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) द्वारा विदेश में चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले छात्रों को फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट लाइसेंशिएट्स (एफएमजीएल) प्रदान किया जाता है। ताशकंद स्थित भारतीय दूतावास ने छात्रों से आग्रह किया कि वे किसी भी व्यक्ति या एजेंट के बहकावे में न आएं और यह भी सुनिश्चित करें कि उज्बेकिस्तान के संस्थान अपनी क्षमता से अधिक छात्रों को प्रवेश तो नहीं दे रहे हैं। उज्बेकिस्तान के चिकित्सा महाविद्यालयों में दाखिले को लेकर कई शिकायतें मिलने के बाद भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को छात्रों के लिए एक परामर्श जारी किया।

भारतीय दूतावास के मुताबिक उज्बेकिस्तान में भारतीय समुदाय की अनुमानित संख्या 21,000 है, जिसमें देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत 16,300 छात्र शामिल हैं।

## एप्स्टीन यौन अपराध : पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा

- यौन शोषण का शिकार हुईं करीब 75 महिलाओं के लिए 7.25 करोड़ डॉलर मुआवजा कोष की मंजूरी

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** जेफ्री एप्स्टीन द्वारा 2008 से यौन शोषण का शिकार हुईं करीब 75 महिलाओं को 7.25 करोड़ डॉलर के उस मुआवजा कोष से सहायता जारी की सकती है, जिसे बैंक ऑफ अमेरिका ने पीड़ितों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकीलों के साथ समझौते के तहत स्थापित किया है। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज जेड एस राकोफ ने बृहस्पतिवार को इस समझौते को प्रारंभिक मंजूरी दे दी और अंतिम मंजूरी के लिए 27 अगस्त को सुनवाई तय की है। उन्होंने वकीलों को यह भी निर्देश दिया कि वे शुक्रवार तक उन प्रकाशनों की विस्तृत सूची पेश करें, जिनके जरिए एप्स्टीन के पीड़ितों को इस मुआवजा कोष की जानकारी दी जा सके। न्यायाधीश ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी पीड़िता सहायता से वंचित न रह जाए। एप्स्टीन द्वारा यौन शोषण का शिकार हुई महिलाओं के वकीलों ने बैंक के खिलाफ मुकदमा दायर करते हुए आरोप लगाया कि जून 2008 से लेकर जुलाई 2019 की शुरुआत में यौन अपराधों के आरोपों में एप्स्टीन की गिरफ्तारी तक, बैंक ने उससे जुड़े संदिग्ध वित्तीय लेन-देन पर ध्यान नहीं दिया, जबकि वह लगातार लड़कियों और महिलाओं का शोषण कर रहा था। एप्स्टीन की अगस्त 2019 में मैनहैटन की एक संघीय जेल में मौत हो गई थी, जिसे आत्महत्या करार दिया गया था। बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के दौरान वकील डेविड बोइस ने कहा कि पीड़ितों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकीलों का अनुमान है कि 60 से 75 महिलाएं दावे पेश करेंगी, जिनके आधार पर वे इस समझौता कोष से मुआवजा पाने की पात्र होंगी।

## सीडीएस चौहान ने सीमा पर लिया सैन्य तैयारियों का जायजा

**नई दिल्ली।** प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को श्रीनगर में चिनार कोर के अंतर्गत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों का दौरा किया और सैन्य तैयारियों का जायजा लिया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने उत्तर कश्मीर में नियंत्रण रेखा के साथ सुरक्षा परिदृश्य और परिचालन स्थिति की समीक्षा की तथा उत्कृष्ट परिचालन तैयारी, सैद्धांतिक सामंजस्य और दृढ़ पेशेवर क्षमता की सराहना की। बारामूला में उन्हें भविष्य में सेनाओं की प्रौद्योगिकी समावेशन पर जानकारी दी गई। चिनार कोर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिसके कारण क्षेत्र-केंद्रित दृष्टिकोण से बहु-क्षेत्रीय अभियानों की ओर बदलाव आवश्यक है, जो एक सुदृढ़ और एकीकृत संरचना पर आधारित हो। उन्होंने संयुक्तता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि भूमि, वायु, समुद्री, साइबर, अंतरिक्ष और अन्य संबंधित क्षेत्रों में निर्बाध एकीकरण निर्णायक परिणाम प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। उन्होंने भविष्योन्मुख युद्ध के लिए त्वरित संयुक्त प्रशिक्षण, सिद्धांतों का सामंजस्य तथा परस्पर क्रियाशील कमान और नियंत्रण संरचनाओं के विकास का आह्वान किया, ताकि सभी क्षेत्रों में समन्वित परिणाम हासिल किए जा सकें। जनरल चौहान ने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए एक सुनियोजित रोडमैप की आवश्यकता पर बल दिया-जो प्रौद्योगिकी अनुकूलन, सुदृढ़ता और एकीकृत प्रयासों के माध्यम से सामूहिक तैयारी को बढ़ावा दे।

## पेशावर में अभिनेता राज कपूर की हवेली का एक हिस्सा ढहा

**पेशावर।** बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता राज कपूर की हवेली का एक हिस्सा पेशावर में कथित तौर पर हाल ही में हुई भारी बारिश और उसके बाद शुक्रवार रात आए भूकंप के कारण ढह गया। अधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों ने इसकी जानकारी दी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित सदी पुरानी कपूर हवेली को पाकिस्तान सरकार ने वर्ष 2016 में राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था। खैबर पख्तूनख्वा हेरिटेज काउंसिल के सचिव शकील वहीदुल्लाह ने बताया कि भूकंप के झटकों के बाद हवेली की दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जिससे शेष ढांचे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीदुल्लाह ने पुरातत्व विभाग और प्रांतीय सरकार से ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की और चेतावनी दी कि लापरवाही जारी रही तो क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को अपूरणीय क्षति हो सकती है। हवेली पेशावर शहर के प्रसिद्ध किस्सा ख्वानी बाजार के मध्य स्थित है।

## कैसा रहेगा आपका आज का दिन

**मेष** — आज मेहनत का फल मिलेगा। दोपहर बाद व्यापार में लाभ के योग हैं। वैवाहिक संबंधों में स्पष्टता आवश्यक है।

**तुला** — आज चंद्र प्रभाव शुभ है। जीवन में आकर्षण और आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। किसी भी काम में जल्दबाजी से बचें।

**वृष** — आज धन की गति सुधरेगी। परिजनों से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। नक्षत्र परिवर्तन निर्णय-शक्ति बढ़ाएगा।

**वृश्चिक** — आज आध्यात्मिकता की ओर झुकाव रहेगा। विशाखा से ऊर्जा और साहस मिलेगा। पुराने अटके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

**मिथुन** — आज का दिन संचार, मीडिया, मार्केटिंग कार्य के लिए अनुकूल रहेगा। मन-मस्तिष्क में नए विचार जन्म लेंगे।

**धनु** — आज के दिन भाग्य सहयोगी रहेगा। कारोबार संबंधी यात्राएं शुभ रहेंगी। आर्थिक लाभ और मित्रों का भरपूर साथ मिलेगा।

**कर्क** — आज व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। भावनाओं पर नियंत्रण रखें। निवेश पर विचार करें। परिवार से सहयोग मिलेगा।

**मकर** — आज करियर में उन्नति के योग हैं। वरिष्ठजनों का समर्थन मिलेगा। व्यापार में कार्यभार के साथ लाभ भी बढ़ेगा।

**सिंह** — आज आपकी कार्यक्षेत्र में नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। सामाजिक मान बढ़ेगा। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है।

**कुंभ** — आज के दिन शिक्षा, रणनीति और प्रतियोगिता आपके पक्ष में रहेगी। रचनात्मकता उच्च रहेगी। कार्यक्षेत्र में वर्कलोड बढ़ेगा।

**कन्या** — आज व्यापार में लाभ के प्रबल योग हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। जीवन हेतु लिए गए निर्णय प्रभावी रहेंगे।

**मीन** — आज का दिन नया कार्य शुरू करने के लिए उत्तम है। शारीरिक ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

### आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

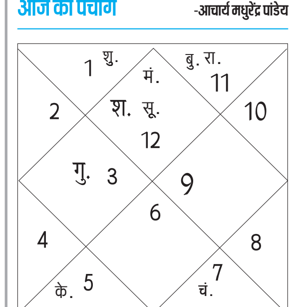


**आज की ग्रह स्थिति :** 5 अप्रैल, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 11.59 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

**दिशाशूल**- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
**चन्द्रबल**- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
**ताराबल**-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**-विशाखा 6 अप्रैल 00.08 तक तत्पश्चात अनुराधा।

### सुडोकू - 109 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 5 | 8 | 2 | 6 | 4 | 7 | 1 | 9 |
| 4 | 6 | 1 | 9 | 3 | 7 | 8 | 2 | 5 |
| 7 | 9 | 2 | 8 | 5 | 1 | 4 | 6 | 3 |
| 2 | 7 | 9 | 5 | 1 | 8 | 6 | 3 | 4 |
| 1 | 3 | 5 | 4 | 7 | 6 | 9 | 8 | 2 |
| 6 | 8 | 4 | 3 | 9 | 2 | 1 | 5 | 7 |
| 5 | 4 | 3 | 6 | 8 | 9 | 2 | 7 | 1 |
| 8 | 2 | 7 | 1 | 4 | 3 | 5 | 9 | 6 |
| 9 | 1 | 6 | 7 | 2 | 5 | 3 | 4 | 8 |

### सुडोकू -110

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | | 3 | | 4 | | 6 |
| | | | | 9 | | | 1 | |
| | | 5 | | | 8 | | | |
| 7 | | 8 | | 6 | | | | 2 |
| | | | 7 | | 2 | 9 | | |
| 2 | | | | 4 | 5 | | | 8 |
| | | | 3 | | | 5 | | |
| | 1 | | | 7 | | | | |
| 6 | | 9 | | 5 | | | 2 | |

## ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास दिखा ड्रोन, सीएम ने दिए जांच के आदेश

**मालदा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास शनिवार दोपहर मालदा के मालतीपुर में एक ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हो गई, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने तत्काल जांच के आदेश दिए। यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री मालतीपुर में अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। यह दिन में उनकी दूसरी रैली थी।

इससे पहले उन्होंने माणिकचक में सभा को संबोधित किया था और इसके बाद उन्हें गाजोल में तीसरी रैली के लिए रवाना होना था। जैसे ही वह हेलीपैड के पास पहुंचीं, हेलीकॉप्टर के सामने एक ड्रोन उड़ता हुआ दिखाई दिया। ड्रोन को देखते ही मुख्यमंत्री रुक गईं और माइक लेकर पुलिस को इस मामले पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए।

राष्ट्र सेवा | 15 दिन के भीतर 62 हजार से अधिक कार्यक्रम, 32 लाख से ज्यादा स्वयंसेवकों ने की भागीदारी

# राष्ट्रीय चेतना जगाने में आरएसएस ने दिखाई अद्भुत क्षमता

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गनाइजर ने अपने नवीनतम संपादकीय में कहा है कि कुछ वर्गों द्वारा पहचान आधारित विभाजनों के जरिए समाज में खाई पैदा करने के प्रयासों के बावजूद संघ ने भारत की राष्ट्रीय चेतना को जागृत और विस्तारित करने की अद्भुत क्षमता दिखाई है।

यह प्रक्रिया विजयादशमी उत्सव से शुरू हुई, जिसके तहत अक्टूबर 2025 से सक्रिय स्वयंसेवकों को व्यापक रूप से एकजुट किया गया। 15 दिनों में 62,000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 32 लाख से ज्यादा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके अलावा, 22,000 स्थानों पर पथ संचलन आयोजित हुए, जिनमें 25 लाख से अधिक स्वयंसेवक शामिल हुए। पत्रिका ने कहा कि पहले चरण में जागृत लोगों के एक महत्वपूर्ण समूह को संगठित किया गया, जो अभियान को दूसरे चरण तक ले जा सके। इसमें कहा गया है कि संघ के गृह संपर्क अभियान के जरिए अब तक 10 करोड़ से अधिक परिवारों तक पहुंच बनाई गई है, जो 46 में से 37 प्रांतों को कवर करता है। संपादकीय में कहा गया कि इस अभियान के माध्यम से सक्रिय स्वयंसेवकों और संघ के कार्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले लोगों तक पहुंच बनाई गई।

इस प्रक्रिया ने राष्ट्र की सुप्त शक्ति को जागृत किया और स्वयंसेवकों को समाज के आम सवालों चाहे वे समर्थक हों या आलोचक, को समझने का अवसर मिला। बताया गया कि देशभर में आयोजित हिंदू सम्मेलनों में जाति, पंथ, धर्म या राजनीतिक संबद्धता से परे तीन करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया।

### सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का संकल्प

संघ की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की बैठक हरियाणा के समालखा में हुई, जिसमें 2025-26 के कार्यों की समीक्षा और भविष्य की रणनीति तय की गई। पंद्रह मार्च को समाप्त हुई इस तीन दिवसीय बैठक में संगठनात्मक विस्तार, राष्ट्रीय हित में सकारात्मक ताकतों की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबाले सहित संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा संघ से जुड़े 32 संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों ने भी इसमें भाग लिया, जिनमें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी शामिल है।

**IPL 2026**

### आज के मुकाबले

**1** सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
लखनऊ सुपर जायंट्स
**समय** - दोपहर 3:30 बजे

**2** चेन्नई सुपर किंग्स
बनाम
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
**समय** - शाम 7:30 बजे

# गेंदबाजों की कसावट के बाद रिजवी की लगातार दूसरी मैच जिताऊ पारी

## आईपीएल-2026 : दिल्ली ने मुंबई को छह विकेट से हरा लगातार दूसरी जीत दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी

मुकेश कुमार और कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद समीर रिजवी (90) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को यहां मुंबई इंडियंस को 11 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस को छह विकेट पर 162 रन पर रोकने के बाद दिल्ली ने 18.1 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर हासिल कर लिया।

पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन की पारी खेलने वाले रिजवी जब क्रीज पर आए, तब दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर सात रन था। उन्होंने 51 गेंदों में सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन की पारी खेलने के अलावा पाथुम निसांका (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन और चौथे विकेट के लिए डेविड मिलर (नाबाद 21) के साथ 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत दिलाई। मुंबई के लिए दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के अस्वस्थ होने के कारण टीम का नेतृत्व कर रहे सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए।

**मुंबई इंडियंस**

**162/6** (20 ओवर)

| | |
|---|---|
| रयान रिकेल्टन का अक्षर बो मुकेश | 09 |
| रोहित शर्मा का राणा बो अक्षर | 35 |
| तिलक वर्मा का एवं बो मुकेश | 00 |
| सूर्यकुमार यादव पगबाधा एनगिडी | 51 |
| शरफेन रदरफोर्ड का मुकेश बो निगम | 05 |
| नमन धीर का स्टब्स बो नटराजन | 28 |
| मिचेल सैंटनर नाबाद | 18 |
| कोर्बिन बोश नाबाद | 11 |

अतिरिक्त : 05

गेंदबाजी : मुकेश 3-0-26-2, एनगिडी 4-0-34-1, अक्षर 4-0-22-1, निगम 3-0-24-1, कुलदीप 3-0-31-0, टी नटराजन 3-0-24-1

**दिल्ली कैपिटल्स**

**164/4** (18.1 ओवर)

| | |
|---|---|
| केएल राहुल का रिकेल्टन बो चाहर | 01 |
| पथुम निसंका का मार्कंडेय बो सैंटनर | 44 |
| नीतिश राणा रन आउट | 00 |
| समीर रिज्वी का तिलक बो बोश | 90 |
| डेविड मिलर नाबाद | 21 |
| ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद | 03 |

अतिरिक्त : 05

गेंदबाजी : चाहर 3-0-20-1, बुमराह 4-0-21-0, सैंटनर 3-0-22-1, शारदुल 3-0-41-0, मार्कंडेय 2-0-20-0, बोश 3.1-0-39-1

उन्होंने रोहित शर्मा (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 और नमन धीर (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 रन की अहम साझेदारी की। रोहित ने 26 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया, तो वहीं नमन ने 21 गेंदों की पारी में दो चौके और एक छक्का जड़ा। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने तीन ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्हें अक्षर (22 रन पर एक विकेट), लुंगी एनगिडी (34 रन पर एक विकेट), विपराज निगम (24 रन पर एक विकेट) और टी. नटराजन (24 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। केएल राहुल (एक) पहले ओवर में ही दीपक चाहर की लेग स्टंप से बाहर जाती गेंद को ग्लांस करने की कोशिश में विकेटकीपर रिकेल्टन को कैच दे बैठे, तो वहीं अगले ओवर में नीतिश राणा खाता खोले बगैर जसप्रीत बुमराह के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। चाहर इस बीच अपनी ही गेंद पर निसांका के करारे प्रहार को लपकने में नाकाम रहे और श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने जीवनदान का जश्न अगले ओवर में सैंटनर के खिलाफ दो चौकों के साथ मनाया। वहीं, पिछले मैच में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले समीर रिजवी ने शार्दुल ठाकुर के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर दबाव कम करने की कोशिश की। दिल्ली ने पावरप्ले में दो विकेट पर 42 रन बनाए, जबकि आठवें ओवर की दूसरी गेंद पर टीम का अर्धशतक पूरा हुआ। बोश की गेंद पर नमन ने निसंका का मुश्किल कैच टपका दिया और रिजवी ने अगली गेंद पर शानदार छक्का जड़कर मुंबई के जख्मों पर नमक छिड़का। उन्होंने अगले ओवर में सैंटनर का स्वागत चौके से किया, लेकिन न्यूजीलैंड के इस अनुभवी गेंदबाज ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए निसांका की पारी पर विराम लगा दिया। रिजवी ने बोश के खिलाफ लगातार दो चौके जड़े। उन्होंने ओवर की आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के जड़कर मुंबई के गेंदबाजों द्वारा कायम दबाव को खत्म किया।

### अंक तालिका

| | टीम | मैच | जीते | हारे | टाई | अंक | नेट रन रेट |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | राजस्थान रॉयल्स | 2 | 2 | 0 | 0 | 4 | 4.171 |
| 2. | दिल्ली कैपिटल्स | 2 | 2 | 0 | 0 | 4 | 1.170 |
| 3. | पंजाब किंग्स | 2 | 2 | 0 | 0 | 4 | 0.637 |
| 4. | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु | 1 | 1 | 0 | 0 | 2 | 2.907 |
| 5. | सनराइज़र्स हैदराबाद | 2 | 1 | 1 | 0 | 2 | 0.469 |
| 6. | मुंबई इंडियंस | 2 | 1 | 1 | 0 | 2 | -0.206 |
| 7. | गुजरात टाइटंस | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | -0.424 |
| 8. | लखनऊ सुपर जाएंट्स | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | -1.397 |
| 9. | कोलकाता नाइट राइडर्स | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | -1.964 |
| 10. | चेन्नई सुपर किंग्स | 2 | 0 | 2 | 0 | 0 | -2.562 |

**ऑरेंज कैप**

समीर रिजवी
दिल्ली 160 रन
रोहित शर्मा
मुंबई 113 रन
कूपर कॉनली
पंजाब 108 रन

**पर्पल कैप**

रवि बिश्नोई
राजस्थान 5 विकेट
विजयकुमार वैशक
पंजाब 5 विकेट
टी नटराजन
दिल्ली 4 विकेट

### हाईलाइट

## पायल ने शीतल को हराकर उलटफेर करते हुए स्वर्ण जीता

युवा तीरंदाज पायल नाग अपनी बहन बरशा के साथ। एजेंसी

**बैंकॉक।** दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने यहां विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। 18 साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की।

# बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से संपर्क साधा

ढाका, एजेंसी

- **बीसीबी अध्यक्ष बुलबुल का जल्द समाप्त हो सकता कार्यकाल**

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सितंबर में भारत के सफेद गेंद के दौरे को बचाने और दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से संपर्क किया है। दोनों देशों के बीच रिश्ता तब तनावपूर्ण हो गया था जब बीसीबी ने भारत में हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से हटने का फैसला किया था।

ऐसा माना जा रहा है कि बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल का कार्यकाल जल्द ही समाप्त हो सकता है और एक अंतरिम बोर्ड बीसीसीआई के साथ बातचीत शुरू कर सकता है। माना जाता है कि खेल मंत्रालय के सलाहकार और भारत-विरोधी कट्टरपंथी आसिफ नजरुल बीसीबी को चलाते हैं जिन्होंने ही सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया था। यह फैसला तब लिया गया जब बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने की अनुमति नहीं दी थी।

बीसीबी ने अनुरोध किया था कि उनके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए जाएं, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को इस तर्क में कोई दम नहीं लगा और उसने भारत में टीम के लिए किसी भी सुरक्षा खतरे की बात को खारिज कर दिया था।

# राजस्थान की गुजरात पर छह रन से रोमांचक जीत

अहमदाबाद, एजेंसी

- **आर्चर-देशपांडे के बेहतरीन आखिरी दो ओवरों ने रबाडा-राशिद की मेहनत पर पानी फेरा**

तुषार देशपांडे के सटीक आखिरी ओवर की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के बेहद रोमांचक मुकाबले में शनिवार को गुजरात टाइटंस को छह रन से हरा दिया। रॉयल्स की यह लगातार दूसरी जीत और गुजरात की लगातार दूसरी हार थी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल्स ने ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल के अर्धशतकों के दम पर छह विकेट पर 210 रन बनाये थे लेकिन साइ सुदर्शन की 73 रन की पारी के बावजूद गुजरात की टीम आठ विकेट पर 204 रन ही बना सकी। एक समय सात विकेट 161 रन पर गिर गए थे लेकिन कैगिसो रबाडा (नाबाद 23) और कार्यवाहक कप्तान राशिद खान (24) टीम को जीत के करीब ले गए और आखिरी ओवर में दस रन की ही जरूरत थी।

ऐसे में रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने नांद्रे बर्गर की बजाय देशपांडे को गेंद सौंपकर सभी को चौंका दिया। गेंदबाज ने हालांकि अपने कप्तान के भरोसे पर खरे उतरते हुए पहली वाइड गेंद के अलावा सभी सटीक गेंदें डाली। इस ओवर में चार रन ही बन सके और छक्का लगाने के प्रयास में राशिद सीमारेखा के पास जोफ्रा आर्चर को कैच दे बैठे। इससे पहले आर्चर ने 19वें ओवर में सिर्फ चार रन ही दिये थे। मांसपेशी में ऐंठन के कारण इस मैच से बाहर शुभमन गिल की जगह खेलने वाले कुमार कुशाग्र ने 14 गेंद में 18 रन बनाये। उन्होंने सुदर्शन (44 गेंद में 73 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 78 रन जोड़े। सुदर्शन ने अपनी पारी में तीन छक्के और नौ चौके लगाये। गुजरात का स्कोर सुदर्शन के आउट होने से पहले एक विकेट पर 107 रन था लेकिन अचानक पांच विकेट पर 133 रन और सात विकेट पर 161 रन हो गया। राशिद और रबाडा ने हालांकि वापसी की कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर में बाजी पलट गई। इससे पहले जुरेल के 42 गेंद में 75 रन और जायसवाल के अर्धशतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने छह विकेट पर 210 रन बनाये। जायसवाल ने 36 गेंद में 55 रन बनाये जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 18 गेंद में 31 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिये सिर्फ 6.2 ओवर में 70 रन बना डाले। जुरेल ने तीसरे नंबर पर उम्दा बल्लेबाजी करते हुए 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट के बावजूद बेहतरीन क्रिकेट शॉट्स खेले। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और पांच छक्के लगाए।

जीत का जश्न मनाते राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी। एजेंसी

**राजस्थान रॉयल्स**

**210/6** (20 ओवर)

| | |
|---|---|
| यशस्वी जायसवाल बो रबाडा | 55 |
| वैभव सूर्यवंशी का फिलिप्स बो राशिद | 31 |
| ध्रुव जुरेल का बटलर बो सिराज | 75 |
| रियान पराग का कुशाग्र बो प्रसिद्ध | 08 |
| शिमरोन हेटमायेर का सिराज बो शर्मा | 18 |
| डोनोवन फरेरा का फिलिप्स बो रबाडा | 01 |
| रविंद्र जडेजा नाबाद | 07 |
| जोफ्रा आर्चर नाबाद | 01 |

अतिरिक्त : 14 रन

**गेंदबाजी** : सिराज 4-0-48-1, रबाडा 4-0-42-2, शर्मा 4-0-37-1, प्रसिद्ध 4-0-43-1, राशिद 4-0-39-1

**गुजरात टाइटंस**

**204/8** (20 ओवर)

| | |
|---|---|
| साइ सुदर्शन का देशपांडे बो बिश्नोई | 73 |
| कुमार कुशाग्र का हेटमायेर बो पराग | 18 |
| जोस बटलर का संदीप बो बर्गर | 26 |
| ग्लेन फिलिप्स का आर्चर बो बिश्नोई | 3 |
| वॉशिंगटन सुंदर का जडेजा बो बिश्नोई | 4 |
| राहुल तेवतिया का जुरेल बो बिश्नोई | 12 |
| एम शाहरूख खान रन आउट | 11 |
| राशिद खान का आर्चर बो देशपांडे | 24 |
| कैगिसो रबाडा नाबाद | 23 |
| अशोक शर्मा नाबाद | 0 |

अतिरिक्त : 10 रन

गेंदबाजी : आर्चर 4-0-38-0, बर्गर 3-0-29-1, शर्मा 3-0-34-0, देशपांडे 3-0-24-1, जडेजा 2-0-25-0, पराग 1-0-11-1, बिश्नोई 4-0-41-4

# सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

हैदराबाद, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ यहां होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है, तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी।

उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं और इसलिए वह मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली एलएसजी की टीम पिछले कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है।

अभ्यास सत्र के दौरान साथियों को टिप्स देते सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन।

**टीम**

**सनराइजर्स हैदराबाद** : ईशान किशन (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, आर. स्मरण, हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, हर्षल पटेल, ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, जीशान अंसारी, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, सलिल अरोड़ा, शिवांग कुमार, ओंकार टारमाले, क्रेन्स फुलेट्रा, प्रफुल्ल हिंगे, अमित कुमार, साकिब हुसैन, जैक एडवर्ड्स और पैट कमिंस।

**लखनऊ सुपर जायंट्स** : ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज़ अहमद, आकाश महाराज सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन सचिन तेंदुलकर, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, सिद्धार्थ, मुकुल।

# आरसीबी की निगाह दूसरी जीत पर

बेंगलुरु, एजेंसी

- **सीएसके को गेंदबाजी में करना होगा सुधार**
- **संजू सैमसन का फॉर्म भी चेन्नई के लिए चिंता का विषय**

अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है।

आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है। आरसीबी के पास विराट कोहली की अगुवाई में शीर्ष क्रम में दमदार बल्लेबाज हैं। कोहली ने अपने बेजोड़ कौशल के दम पर पावर हिटिंग के इस जमाने में खुद को प्रासंगिक बनाए रखा है। देवदत्त पडिक्कल ने अपने भीतर के असली बल्लेबाज को जगा दिया है जो सनराइजर्स के खिलाफ उनकी 26 गेंद पर खेली गई 61 रन की तूफानी पारी में स्पष्ट नजर आया। रजत पाटीदार टीम की कप्तानी करने और आरसीबी के मध्य क्रम को मजबूती देने की दोहरी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। आरसीबी में अपनी गेंदबाजी में बहुत ज्यादा सुधार किया है। उसने कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करके इसे सुधार का प्रयास किया है।

**टीम**

**रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु** : रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की, देसवाल।

**चेन्नई सुपर किंग्स** : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, एमएस धोनी, मुकेश चौधरी, रामकृष्ण घोष, संजू सैमसन, शिवम दुबे, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, आयुष म्हात्रे, उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, सरफराज खान, अमन खान।

# गेंदबाजी सीएसके के लिए सबसे बड़ी परेशानी : गावस्कर

**चेन्नई।** पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे बड़ी चिंता उसकी गेंदबाजी है और उन्हें अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए इस विभाग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सीएसके को मौजूदा सत्र के अपने पहले दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा, जिसमें शुक्रवार को पंजाब किंग्स के हाथों पांच विकेट से मिली हार भी शामिल है। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा हमने अब तक जो देखा है उससे लगता है कि टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों में सीएसके के लिए सबसे बड़ी चिंता उसकी गेंदबाजी होगी। इसका मतलब है कि उन्हें अपने गेंदबाजों को मौका देने के लिए लगातार 225-230 के आसपास रन बनाने होंगे।

**आया बदलाव**

**सीएसके के मुख्य कोच फ्लेमिंग ने कहा-टी20 में शुरुआत से ही आक्रामक हो गया खेल**

# औचित्यहीन हो गई फिनिशर की भूमिका

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका बहुत प्रासंगिक नहीं रह गई है, क्योंकि मैच की शुरुआत से ही पूरी तरह से आक्रामक खेल खेला जा रहा है।

सीएसके ने अपनी टीम में काफी फेरबदल किया है। उसकी बल्लेबाजी इकाई में शीर्ष क्रम के विशेषज्ञ बल्लेबाजों का दबदबा है, जिससे मध्य और निचले क्रम में विशेष रूप से फिनिशर की भूमिका की कमी महसूस हो रही है। फ्लेमिंग ने पंजाब किंग्स के हाथों सीएसके की पांच विकेट से हार के बाद पत्रकारों से कहा मुझे नहीं लगता कि अब फिनिशर जैसी कोई चीज रह गई है। पहली गेंद से ही हर कोई ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहा है। अब ऐसा नहीं है कि 16वें ओवर तक रन गति कुछ धीमी रखकर फिर तेजी से रन बनाए जाएं। पहली गेंद से ही प्रत्येक बल्लेबाज आक्रामक अंदाज में खेल रहा है।

उन्होंने कहा इसलिए पारी की शुरुआत से ही 10, 11, 12 का रन रेट अपेक्षित है। आपको 40 रन तक पहुंचने के लिए अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसलिए आपके पास ऐसे बल्लेबाज होने चाहिए जो शुरू से लेकर आखिर तक आक्रामक खेल खेलें और निश्चित रूप से हमारे पास वही टीम है। फ्लेमिंग ने कहा डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं और सर्वश्रेष्ठ फिनिशरों में से एक महेंद्र सिंह धोनी चोटिल हैं। इसलिए हमारे पास कुछ ताकत तो है। हमें उम्मीद है कि ब्रेविस की वापसी के बाद बीच के ओवरों में उनका दबदबा रहेगा। मैं अपनी टीम के खेल के तरीके से संतुष्ट हूं। भारत को टी20 विश्व कप में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन पहले दो मैचों में संघर्ष करते नजर आए हैं। फ्लेमिंग ने हालांकि उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा वह अच्छा अभ्यास कर रहा है और जब वह लय में आ जाता है तो अक्सर मैच विजेता खिलाड़ी साबित होता है।

### इम्पैक्ट प्लेयर नियम ने बढ़ाई बल्लेबाजी की गति

फ्लेमिंग ने बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन बनाए रखने की भी अपील की और कहा कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम ने खेल को बल्लेबाजी के पक्ष में झुका दिया है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से इम्पैक्ट प्लेयर नियम की बहुत बड़ी भूमिका है। मुझे नहीं पता कि यह कब तक रहेगा, लेकिन यह निश्चित रूप से क्रिकेट की गति को प्रभावित करता है। इससे खेल कुछ हद तक बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य की 11 गेंदों पर खेली गई 39 रन की पारी ने 210 रन की लक्ष्य का पीछा कर रही पंजाब किंग्स को अच्छी शुरुआत दिलाई।